❐ लखनऊ
❐ वर्ष: 22
❐ अंक : 224

RNI.NO.
UPHIN/2004/13730

Email:
prabhatsamaynews@gmail.com

प्रभात समय

❐ प्रातः कालीन संस्करण ❐ बुधवार, 01 अप्रैल 2026 ❐ पृष्ठ : 08 ❐ मूल्य : 2 रुपया

हिंसा से व्याकुल दुनिया को महावीर का मार्गदर्शन 04

एजुकेशन को लेकर अक्षय कुमार का बड़ा खुलासा 08

नालंदा के शीतला अष्टमी मेले में भगदड़, आठ श्रद्धालुओं की मौत

एजेंसी

पटना। बिहार के नालंदा जिले में मघड़ा गांव स्थित माता शीतलाष्टमी मंदिर में मंगलवार को भारी भीड़ के बीच अचानक भगदड़ मच गई, जिसमें 8 श्रद्धालुओं की मौत हो गई, जबकि 6 से अधिक लोग घायल बताए जा रहे हैं। हालांकि प्रशासन ने आधिकारिक तौर पर मृतकों की संख्या की पुष्टि नहीं की है।

घटना के बाद मंदिर परिसर और अस्पताल में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। घायलों को तत्काल इलाज के लिए मॉडल अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मृतकों में सभी महिलाएं बताई जा रही हैं। अब तक दो मृतकों की पहचान सकुन्त बिहार निवासी दिनेश रजक की 50 वर्षीय पत्नी रीता देवी और मथुरापुर (नूरसराय) निवासी कमलेश प्रसाद की 45 वर्षीय पत्नी रेखा देवी के रूप में हुई है।

इस बीच मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने शीतला देवी मंदिर में हुए भगदड़ में श्रद्धालुओं की मौत पर गहरी शोक संवेदना व्यक्त की है। उन्होंने हादसे में घायल हुए लोगों के जल्द स्वस्थ होने की कामना की है। मुख्यमंत्री ने मृतकों के आश्रितों को 6 - 6 लाख रूपये अनुग्रह अनुदान देने का

निर्देश दिया है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, भीड़ के अचानक बढ़ने और अव्यवस्था के कारण भगदड़ मच गई, जिससे लोग एक-दूसरे पर गिरने लगे और स्थिति नियंत्रण से बाहर हो गई। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि आज चैत्र महीने का आखिरी दिन होने की वजह से मेला लगा था और श्रद्धालुओं की भीड़ जुटी थी। जल्दी-जल्दी दर्शन कर लिया जाए, इसके लिए लोग एक-दूसरे से आगे निकलने की कोशिश में थे। मंदिर का गर्भ गृह भी काफी छोटा है और अंदर जाने के लिए सिर्फ एक रास्ता है। ऐसे में भीड़ काफी ज्यादा जुटने की वजह से एकाएक भगदड़ मच गई और यह हादसा हो गया। सूचना मिलते ही अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी (एसडीपीओ) सहित जिले के वरिष्ठ अधिकारी भारी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया। लेकिन घटना के बाद स्थानीय लोगों में प्रशासन »» शेष पेज 02 पर

ट्रंप के गले की फांस बना होर्मुज!

एजेंसी

वाशिंगटन। अमेरिकी समाचार पत्र द वॉल स्ट्रीट जर्नल ने प्रशासनिक अधिकारियों का हवाला देते हुए बताया कि अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अपने करीबी सहयोगियों से कहा है कि वह होर्मुज जलडमरुमध्य मोटे तौर पर बंद रहने की सूरत में भी ईरान के खिलाफ सैन्य अभियान खत्म करने के लिए तैयार हैं, जो बाद में किसी और समय फिर से शुरू किया जा सकता है।

वॉल स्ट्रीट जर्नल की खबर के अनुसार हालिया दिनों में ट्रंप और उनके सहयोगियों द्वारा यह अनुमान लगाया है कि जलडमरुमध्य को जबरन खुलवाने के लिए एक अभियान चलाने से संघर्ष ट्रंप की निर्धारित समयसीमा, यानी चार-छह सप्ताह से आगे बढ़ जाएगा। खबर के अनुसार ट्रंप ने फैसला किया है कि अमेरिका को ईरान की नौसेना को कमजोर करने और उसके मिसाइल भंडार को नुकसान पहुंचाने जैसे अपने मुख्य उद्देश्यों को हासिल करने के बाद मौजूदा सैन्य संघर्ष को धीरे-धीरे समाप्त करना चाहिए, और साथ ही तेहरान पर कूटनीतिक दबाव डालकर व्यापार के मुक्त प्रवाह को फिर से शुरू करने के लिए मजबूर करना चाहिए। खबर में अधिकारियों

होर्मुज खुलवाए बिना युद्ध खत्म करने के इच्छुक हैं अमेरिकी राष्ट्रपति : वॉल स्ट्रीट जर्नल

के हवाले से कहा गया है कि अगर यह प्रयास विफल रहता है, तो अमेरिका यूरोप और खाड़ी क्षेत्र में अपने सहयोगियों पर दबाव डालेगा कि वे जलडमरूमध्य को फिर खुलवाने के लिए आगे आएं।

सोमवार को एक संवाददाता सम्मेलन में अमेरिकी राष्ट्रपति कार्यालय 'व्हाइट हाउस' की प्रेस सचिव कैरोलीन लेविट ने कहा कि राष्ट्रपति और पेंटागन प्रमुख ने हमेशा सैन्य अभियान के लिए चार से छह सप्ताह की अनुमानित समयसीमा बताई है। उन्होंने कहा, आज 30 दिन हो गए हैं। लेविट ने यह संकेत भी दिया कि अरब देशों से भी ईरान में जारी सैन्य अभियान का बोझ साझा करने के लिए कहा जा सकता है। जब यह पूछा गया कि क्या कुवैत, यूएई और सऊदी अरब जैसे देशों को ईरान में जारी सैन्य अभियान का खर्च उठाना चाहिए तो उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि यह ऐसा मुद्दा है जिसमें राष्ट्रपति काफी रुचि ले सकते हैं। मैं इस पर उनसे पहले कुछ नहीं कहूंगी, लेकिन निश्चित रूप से यह एक विचार है और मुझे लगता है कि वह इस बारे में आपको ज्यादा जानकारी दे पाएंगे। अमेरिका और इजराइल ने 28 फरवरी को ईरान पर हमला कर दिया था, जिसके बाद ईरान ने पलटवार किया और पूरे खाड़ी क्षेत्र में संघर्ष फैल गया। होर्मुज जलडमरुमध्य दुनिया की ऊर्जा आपूर्ति के लिए एक बेहद महत्वपूर्ण रणनीतिक मार्ग है। होर्मुज जलडमरुमध्य फारस की खाड़ी को हिंद महासागर से जोड़ने वाला एक संकरा समुद्री मार्ग है, जो फिलहाल काफी हद तक बंद है। इसके कारण रोजाना गुजरने वाले सैकड़ों जहाजों की आवाजाही लगभग बंद हो गई है।

जिनके पास तेल की कमी है, वे होर्मुज जाकर खुद ले लें : ट्रंप

वाशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने मंगलवार को कहा कि जो देश जेट ईंधन की कमी से जूझ रहे हैं उन्हें थोड़ी बहादुरी दिखाकर होर्मुज जलडमरुमध्य जाकर ईंधन ले लेना चाहिए। श्री ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया मंच ट्रुथ सोशल पर जारी एक संदेश में कहा कि ऐसे देशों को अव्वल तो अमेरिका से कच्चा तेल खरीदना चाहिए, क्योंकि उसके पास यह पर्याप्त मात्रा में है। इसके साथ ही इन देशों को थोड़ी बहादुरी दिखाकर होर्मुज का रुख करना चाहिए क्योंकि अमेरिका अब इनकी मदद नहीं करेगा। श्री ट्रंप ने लिखा, ब्रिटेन जैसे देश जिन्होंने ईरान को हराने में शामिल होने से मना कर दिया और जो देश होर्मुज जलडमरुमध्य बंद होने के कारण जेट ईंधन हासिल नहीं कर पा रहे, उनके लिए मेरे पास एक सुझाव है। पहला, अमेरिका से खरीदें। हमारे पास खूब सारा कच्चा तेल है। दूसरा, थोड़ी हिम्मत दिखाएं और जलडमरुमध्य जाकर तेल ले लें। आपको अपने लिए लड़ना सीखना होगा। अब अमेरिका आपकी मदद नहीं करेगा, जैसे आपने हमारी मदद नहीं की। ईरान को तो हराया जा चुका है। मुश्किल काम हो चुका है। जाइए अपना तेल ले लीजिए।

ईरान से बातचीत जारी और सकारात्मक दिशा में : व्हाइट हाउस

वॉशिंगटन। व्हाइट हाउस ने कहा है कि ईरान के साथ बातचीत जारी है और सकारात्मक दिशा में आगे बढ़ रही है, हालांकि तेहरान की ओर से इसके विपरीत बयान दिए जा रहे हैं। व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरोलिन लीविट ने कहा कि ईरान के खिलाफ अमेरिकी सैन्य कार्रवाई में उसकी मिसाइल, ड्रोन और नौसैनिक उत्पादन क्षमता का लगभग 70 प्रतिशत हिस्सा प्रभावित हुआ है। यह आश्चर्य की बात नहीं है कि शासन के शेष तत्व अब विनाश को रोकने और समय रहते वार्ता की मेज पर आने के लिए अधिक उत्सुक हो रहे हैं। सुश्री लीविट ने दावा किया, ''सार्वजनिक रूप से जो बयान दिए जा रहे हैं और भ्रामक रिपोर्टिंग के बावजूद बातचीत जारी है सार्वजनिक तौर पर जो कहा जा रहा है, वह निजी तौर पर व्यक्त किए गए रुख से अलग है। अमेरिका इन वार्ताओं को प्रत्यक्ष बातचीत के रूप में प्रस्तुत कर रहा है, लेकिन मध्यस्थता से जुड़े दो अरब अधिकारियों के अनुसार संपर्क मुख्य रूप से तीसरे देशों के माध्यम से संदेशों के आदान-प्रदान तक सीमित है।

संक्षिप्त खबरें

मकान का नक्शा पास कराना आज से महंगा

लखनऊ। राजधानी में अब मकान बनवाना पहले से महंगा हो गया है। लखनऊ विकास प्राधिकरण ने भवन मानचित्र स्वीकृति से जुड़े शुल्कों में करीब 3.58 प्रतिशत तक बढ़ोतरी को मंजूरी दे दी है। एक अप्रैल से नई दरें लागू हो जाएंगी। इस फैसले के तहत विकास शुल्क, निरीक्षण शुल्क और अनुजा शुल्क सभी में वृद्धि की गई है। अधिकारियों के मुताबिक निर्माण लागत सूचकांक (कॉस्ट इंडेक्स) बढ़ने के चलते यह संशोधन किया गया है।

सोनिया गांधी को एक हफ्ते बाद मिली अस्पताल से छुट्टी

नयी दिल्ली। वरिष्ठ कांग्रेस नेता सोनिया गांधी को एक सप्ताह के इलाज के बाद मंगलवार को राष्ट्रीय राजधानी के सर गंगाराम अस्पताल से छुट्टी मिल गयी। डॉक्टरों के अनुसार उनकी सेहत में अब काफी सुधार है और उन्हें पूरी तरह स्वस्थ्य हैं। अस्पताल के चेयरमैन डॉ. अजय स्वरूप ने बयान जारी कर बताया कि श्रीमती गांधी को सिस्टमिक इन्फ़ेक्शन के कारण अस्पताल में भर्ती कराया गया था, जिसके इलाज के लिए उन्हें एंटीबायोटिक्स दी गईं। उपचार का उन पर सकारात्मक असर हुआ और उनके स्वास्थ्य में सुधार हुआ है। उन्होंने बताया कि श्रीमती गांधी का इलाज डॉक्टरों की एक विशेषज्ञ टीम की निगरानी में किया गया, जिसमें डॉ. डी.एस. राणा, डॉ. एस. नंदी और डॉ. अरूप बसु शामिल थे। डॉक्टरों के मुताबिक अब उनकी स्थिति पूरी तरह स्थिर है। उन्हें अब घर पर आराम करने के लिए कहा गया है।

कल्याण मंडपों का किराया आज से 40% बढ़ेगा

लखनऊ। नगर निगम के कल्याण मंडप और सामुदायिक केंद्र अब आम लोगों की जेब पर भारी पड़ेंगे। एक अप्रैल से इनका किराया करीब 40 प्रतिशत तक बढ़ जाएगा। साथ ही, पारदर्शिता बढ़ाने के लिए इनकी ऑनलाइन बुकिंग व्यवस्था भी लागू होगी। नगर निगम के अधिकारियों के मुताबिक, बीते महीने सदन में किराया बढ़ाने का प्रस्ताव पास किया गया था, जिसे 1 अप्रैल से लागू करने का निर्णय लिया गया।

उप्र पुलिस विभाग में 119 निरीक्षक बने डीएसपी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश पुलिस विभाग में मंगलवार को बड़े स्तर पर पुलिस कर्मियों की पदोन्नति हुई है। इनमें कुछ ऐसे पुलिसकर्मी है, जो अगले माह में रिटायरमेंट होने वाले हैं। चार इंस्पेक्टर आज सेवानिवृत्त हो गए हैं।

33 नक्सलियों का आत्मसमर्पण

एजेंसी

जगदलपुर। छत्तीसगढ़ के बस्तर रेंज के चार जिलों में मंगलवार को सुरक्षाबलों ने बड़ी कार्रवाई की। इस दौरान कुल 33 कैडर (नक्सलियों) को गिरफ्तार करने में सफलता मिली है। सुरक्षा बलों ने इन अभियानों में भारी मात्रा में हथियार, नकदी और सोना भी बरामद किया है।

बीजापुर जिले में 25 कैडर को पकड़ा गया। यहां से कुल 93 हथियार बरामद हुए, जिनमें चार एके-47 और नौ एसएलआर राइफलें शामिल हैं। बीजापुर में कुल 14.06 करोड़ रुपये की डंप रिकवरी भी हुई है। इसमें 2.90 करोड़ रुपये नकद और 7.2 किलोग्राम सोना शामिल है। बरामद सोने की कीमत 11.16 करोड़ रुपये आंकी

❐ 105 हथियार के साथ सात किलो सोना, तीन करोड़ कैश बरामद

गई है। दंतेवाड़ा जिले में पांच कैडर को गिरफ्तार किया गया। उनके पास से आठ एसएलआर सहित अन्य कई हथियार मिले हैं। सुकमा जिले में दो कैडर पकड़े गए। यहां से एक एलएमजी, दो एके-47 और 10 लाख रुपये नकद बरामद हुए। नारायणपुर जिले में एक कैडर को एक एलएमजी के साथ पकड़ा गया।

बीजापुर जिले में सुरक्षा बलों को एक महत्वपूर्ण सफलता मिली है। यहां से कुल 14.06 करोड़ रुपये की संपत्ति बरामद की गई है। इस बरामदगी में 2.90 करोड़ रुपये की नकदी और 7.2 किलोग्राम सोना शामिल है। »» शेष पेज 02 पर

अपराधिक छवि वालों को टिकट नहीं : मायावती

लखनऊ। बसपा सुप्रीमो मायावती ने कहा है कि यूपी विधानसभा चुनाव में बसपा दूसरी पार्टियों की तरह आपराधिक तत्वों को टिकट देकर कतई प्रश्रय नहीं देगी। बसपा अपनी कथनी और करनी में 'सर्वजन हिताय व सर्वजन सुखाय' की विशिष्ट पहचान रखने वाली पार्टी है। पार्टी के प्रत्याशियों को चुनते समय सर्वसमाज को उचित और समुचित प्रतिनिधित्व देने का भी सही से ख्याल रखा जाएगा। महिला आरक्षण में दें कमजोर वर्गों को हिस्सामायावती ने मंगलवार को लखनऊ में पार्टी मुख्यालय में यूपी स्टेट व जिला कमेटी के छोटे-बड़े सभी पदाधिकारियों की बैठक की।

मायावती ने आरक्षण के मुद्दे पर केन्द्र और राज्य सरकारों पर हमला बोलते हुए मांग की कि महिला आरक्षण में कमजोर वर्गों को हिस्सा दिया जाए। उन्होंने कहा कि महिला आरक्षण में कमजोर वर्ग की महिलाओं को अलग से आरक्षण न दिए जाने से इन वर्गों का वाजिब विकास नहीं हो सकेगा। केंद्र सरकार को इस मुद्दे पर ध्यान देना चाहिए। संगठन मजबूत करें, लापरवाही बर्दाश्त नहींउन्होंने बैठक में संगठन की जमीनी व आर्थिक मजबूती, जनाधार को बढ़ाने तथा चुनावी तैयारियों की समीक्षा की। मायावती ने प्रदेश के पदाधिकारियों को संगठन को और मजबूत करने का निर्देश दिया है। कहा है कि इसमें किसी भी स्तर पर लपरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। मायावती ने कहा कि सरकार ज्यादातर मामलों में अभी भी अपनी जुमलेबाजी से लोगों की भूख-प्यास मिटाना चाहती है। यह बहुत दुखद है। वास्तव में आत्मनिर्भरता केवल स्लोगन नहीं बल्कि इसको पूरी ईमानदारी के साथ वास्तविकता में बदलने की जरूरत है। खासकर यूपी जैसे गरीब, पिछड़े व विशाल राज्य में रोजगार की »» शेष पेज 02 पर

हर जनपद में होगी 'मुख्यमंत्री फ़ेलो' की तैनाती : योगी

प्रभात समय संवाददाता

❐ मुख्यमंत्री का निर्देश, वन ट्रिलियन डॉलर लक्ष्य हेतु जिला ओटीडी सेल की क्षमता सुदृढ़ की जाए

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने 'वन ट्रिलियन डॉलर अर्थव्यवस्था' के लक्ष्य को गति देने के लिए प्रत्येक जनपद में 'मुख्यमंत्री फ़ेलो' की तैनाती के निर्देश दिए हैं। मंगलवार को आयोजित एक उच्चस्तरीय बैठक में मुख्यमंत्री ने कहा कि आकांक्षात्मक विकास खंडों और आकांक्षी नगर निकाय कार्यक्रम की तर्ज पर जिला स्तर पर आर्थिक विकास को साक्ष्य-आधारित एवं परिणामोन्मुख बनाया जाना चाहिए।

मुख्यमंत्री ने सरकारी आवास पर आयोजित बैठक में निर्देश दिए कि जिला ओटीडी (वन ट्रिलियन डॉलर) सेल की आर्थिक एवं डेटा विश्लेषण क्षमता को सुदृढ़ किया जाए। इसके लिए प्रत्येक जनपद में दो विशेषज्ञ; एक आर्थिक विकास विशेषज्ञ तथा एक डेटा विश्लेषक को 'ओटीडी मुख्यमंत्री फ़ेलो' के रूप में तैनात किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि इन विशेषज्ञों के माध्यम से स्थानीय संसाधनों, निवेश के अवसरों एवं आर्थिक संभावनाओं का साक्ष्य-आधारित विश्लेषण कराया जाए तथा जनपद-केन्द्रित विकास रणनीतियों के »» शेष पेज 02 पर

आईएएस रिंकू सिंह राही का इस्तीफा

प्रभात समय संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश कैडर के 2022 बैच के आईएएस अधिकारी रिंकू सिंह राही ने मंगलवार को अपने पद से इस्तीफा दे दिया। उन्होंने आरोप लगाया कि लंबे समय से उन्हें कोई जिम्मेदारीपूर्ण पोस्टिंग नहीं दी जा रही थी और न ही कोई सार्थक काम सौंपा जा रहा था।

अपने इस्तीफ़े में राही ने कहा कि वे उत्तर प्रदेश राजस्व परिषद से संबद्ध थे, लेकिन वहां उन्हें केवल वेतन मिल रहा था, जनसेवा का कोई अवसर नहीं। उन्होंने इसे अपना ह्लनैतिक निर्णयङ्क बताते हुए कहा कि बिना काम के पद पर बने रहना उनके सिद्धांतों के खिलाफ है।

राही ने अपने पत्र में दावा किया कि प्रशासनिक व्यवस्था के भीतर एक

❐ 'काम नहीं, सिर्फ वेतन', सिस्टम पर उठाए गंभीर सवाल

समानांतर तंत्र काम कर रहा है, जिसमें ईमानदार अधिकारियों को प्रभावी भूमिका नहीं दी जाती। उनका कहना है कि वे पूरी ईमानदारी से काम करना चाहते थे, लेकिन उन्हें अवसर नहीं दिया गया। रिंकू सिंह राही की कहानी लंबे संघर्ष से जुड़ी रही है। वर्ष 2009 में उन्होंने एक बड़े घोटाले का खुलासा किया था, जिसके बाद उन पर जानलेवा हमला हुआ और उन्हें सात गोलियां लगीं। गंभीर रूप से घायल होने के बावजूद उन्होंने हार नहीं मानी। बाद में दिव्यांग कोटे से संघ लोक सेवा आयोग की परीक्षा पास कर 2022 बैच में आईएएस बने। उनकी पहली नियुक्ति शाहजहांपुर की पौवायन तहसील में एसडीएम के रूप में हुई थी। कार्यभार संभालते ही उन्होंने सफाई व्यवस्था में कमी पर एक क्लर्क को उठक-बैठक कराई। इस पर वकीलों ने विरोध किया तो उन्होंने खुद भी कान पकड़कर उठक-बैठक की। इसका वीडियो वायरल हुआ »» शेष पेज 02 पर

आईएएस एसोसिएशन को लिखा पत्र

मैं अत्यंत विनम्रतापूर्वक यह मार्गदर्शन चाहता हूं कि मेरी इस प्रार्थना के विचाराधीन रहते हुए, जिसमें मैंने भारतीय प्रशासनिक सेवा से त्यागपत्र देकर सामाजिक कल्याण विभाग में अपने पूर्व कनिष्ठ पद पर पुनः कार्यभार ग्रहण करने की इच्छा व्यक्त की है। मुझे एसोसिएशन से निष्कासन प्राप्त करने की प्रक्रिया क्या है। यह अनुरोध मैं इस कारण कर रहा हूं कि एसोसिएशन द्वारा मेरे जैसे कनिष्ठ अधिकारियों के नैतिक एवं कर्तव्यनिष्ठ चिंताओं के प्रति लगातार उदासीनता प्रदर्शित की गई है, जो संस्थागत विवेक के क्रमिक क्षरण को दर्शाती है तथा उस संवैधानिक नैतिकता को कमजोर करती है जिसे यह सेवा बनाए रखने के लिए प्रतिबद्ध है। इसका मनोबल पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है, विशेषकर उन अधिकारियों पर जो निकट भविष्य में इस सेवा में प्रवेश करने वाले हैं।

काशी से विकास का महाऐलान : एमपी-यूपी ने खोला भविष्य का खाका

सुरेश गांधी

वाराणसी। काशी की पवित्र धरती मंगलवार को उस ऐतिहासिक क्षण की गवाह बनी, जब मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश ने साझा विरासत को आधार बनाते हुए विकास, निवेश और पर्यटन के क्षेत्र में एक व्यापक और दूरगामी साझेदारी का ऐलान किया। एमपी-यूपी सहयोग सम्मेलन 2026 में लिए गए फैसलों ने यह स्पष्ट कर दिया कि अब राज्यों के बीच प्रतिस्पर्धा की जगह सहयोग की राजनीति नए भारत की दिशा तय कर रही है।

मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने सम्मेलन का शुभारंभ करते हुए कहा कि काशी विश्वनाथ धाम विश्व के सात पवित्र स्थलों में शामिल है और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश तेजी से एक

❐ 1 रुपये में जमीन, 2000 मेगावॉट सोलर प्रोजेक्ट, ओडीओपी पर ऐतिहासिक एमओयू, 284 करोड़ का यूनिटी मॉल, केन-बेतवा से बुंदेलखंड को राहत, निवेश, पर्यटन और रोजगार पर एक साथ बड़ा दांव

मजबूत और भरोसेमंद अर्थव्यवस्था के रूप में उभर रहा है। उन्होंने उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के सुशासन मॉडल की सराहना करते हुए कहा कि दोनों राज्य सांस्कृतिक, आध्यात्मिक और ऐतिहासिक रूप से एक-दूसरे से गहराई से जुड़े हैं और अब विकास के मोर्चे पर भी साथ आगे बढ़ रहे हैं।

सम्मेलन की सबसे बड़ी उपलब्धि काशी विश्वनाथ विशिष्ट क्षेत्र विकास प्राधिकरण और श्री महाकालेश्वर मंदिर प्रबंधन समिति के बीच हुआ ऐतिहासिक समझौता रहा। इस करार से काशी और उज्जैन के बीच धार्मिक पर्यटन का नया अध्याय खुलेगा। श्रद्धालुओं को बेहतर, सुगम और समन्वित दर्शन व्यवस्था मिलेगी, जिससे दोनों राज्यों में पर्यटन और स्थानीय अर्थव्यवस्था को नई गति मिलेगी।

इसके साथ ही ओडीओपी (वन डिस्ट्रिक्ट वन प्रोडक्ट) को लेकर मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश के बीच महत्वपूर्ण एमओयू हुआ। इस पहल के तहत स्थानीय उत्पादों, पारंपरिक शिल्प और जीआई टैग वस्तुओं को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय बाजार तक पहुंचाने की रणनीति बनाई गई है। इसी दिशा में उज्जैन में 284 करोड़ रुपये की लागत से यूनिटी मॉल बनाने की घोषणा की गई, जहां देशभर के ओडीओपी उत्पाद एक ही छत के नीचे उपलब्ध होंगे।

ऊर्जा क्षेत्र में भी दोनों राज्यों ने बड़ा कदम उठाया है। मुरैना में 2000 मेगावॉट के सोलर एनर्जी प्रोजेक्ट पर संयुक्त रूप से काम किया जाएगा। यह परियोजना किसानों को सस्ती बिजली उपलब्ध कराने के साथ-साथ उद्योगों को स्थिर ऊर्जा आपूर्ति सुनिश्चित करेगी। जल और कृषि के क्षेत्र में केन-बेतवा नदी जोड़ो परियोजना को भी सम्मेलन में प्रमुखता दी गई। बुंदेलखंड क्षेत्र के लिए यह परियोजना जीवनरेखा साबित हो सकती है, जिससे सिंचाई और पेयजल की समस्या का स्थायी समाधान मिलेगा।

निवेश को आकर्षित करने के लिए मध्य प्रदेश सरकार ने कई महत्वपूर्ण घोषणाएं कीं। मेडिकल कॉलेज और अस्पताल स्थापित करने के लिए 1 रुपये की लीज पर 30 एकड़ जमीन उपलब्ध कराने का निर्णय निवेशकों के लिए बड़ा प्रोत्साहन माना जा रहा है। इसके साथ ही स्वास्थ्य क्षेत्र में निजी निवेश को बढ़ावा देने के लिए अनुदान और आसान नीतियों की भी घोषणा की गई है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने एक और महत्वपूर्ण घोषणा करते हुए कहा कि मध्य प्रदेश अब »» शेष पेज 02 पर

उत्तर प्रदेश में मजबूत हुआ बाल सुरक्षा तंत्र

प्रभात समय संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में बच्चों की सुरक्षा और संरक्षण को लेकर योगी सरकार का प्रयास अब एक सशक्त और प्रभावी मॉडल के रूप में सामने आया है।

महिला कल्याण विभाग द्वारा संचालित 1098 चाइल्ड हेल्पलाइन सेवा के जरिए अब तक प्रदेश में 2.31 लाख से अधिक जरूरतमंद बच्चों को सहायता प्रदान की जा चुकी है। इनमें संकटग्रस्त, लावारिस, बाल श्रम में फंसे और उत्पीड़न के शिकार बच्चे शामिल हैं। यह आंकड़ा दर्शाता है कि राज्य में बाल सुरक्षा को लेकर एक संवेदनशील और सक्रिय तंत्र विकसित किया गया है, जो समय पर जरूरतमंद बच्चों तक मदद पहुंचा रहा है।

महिला कल्याण विभाग की निदेशक डॉ. वंदना वर्मा के अनुसार, 1098 चाइल्ड हेल्पलाइन अब जमीनी स्तर पर एक मजबूत नेटवर्क के रूप में काम कर रही है। प्रदेश के सभी जिलों में हेल्पलाइन यूनिट सक्रिय हैं और संकट में फंसे बच्चों तक त्वरित पहुंच सुनिश्चित की जा रही है।

वित्तीय वर्ष 2025-26 में ही 77 हजार से अधिक बच्चों को इस सेवा के माध्यम से मदद दी गई है, जो इसकी बढ़ती प्रभावशीलता को दर्शाता है। हेल्पलाइन पर कॉल मिलने के बाद टीम 60 मिनट के भीतर मौके पर पहुंचकर बच्चों को सुरक्षित निकालती है। यह सेवा केवल बचाव तक सीमित नहीं है, बल्कि बच्चों को हर स्तर पर सुरक्षा प्रदान करती है। इसमें 24 घंटे पुलिस सहायता, चिकित्सा सुविधा, अस्थायी आश्रय और कानूनी परामर्श शामिल हैं। इसके साथ ही बच्चों को बाल कल्याण समिति के माध्यम से पुनर्वासित कर उनके परिवार से मिलाने की भी व्यवस्था की जाती है। चाइल्ड हेल्पलाइन सेवा को और अधिक प्रभावी बनाने के लिए इसे रेलवे स्टेशनों और बस अड्डों तक विस्तारित किया गया है।

विकसित उत्तर प्रदेश की कार्ययोजना को ठोस फ्रेमवर्क के साथ जमीन पर उतारें : योगी

प्रभात समय संवाददाता

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को 'विकसित उत्तर प्रदेश अ2047' की कार्ययोजना की प्रगति की समीक्षा करते हुए कहा कि यह दस्तावेज केवल एक विजन नहीं, बल्कि प्रदेश के आर्थिक, सामाजिक और संरचनात्मक रूपांतरण का स्पष्ट रोडमैप है। उन्होंने निर्देश दिए कि इसे व्यापक और सहभागी बनाते हुए प्रदेश भर से प्राप्त 98 लाख से अधिक जन-सुझावों, विशेषज्ञों, उद्योग संगठनों तथा अन्य हितधारकों के विचारों का विश्लेषण करते हुए समाहित किया जाए और उसी आधार पर सेक्टरवार अल्पकालिक, मध्यमकालिक और दीर्घकालिक कार्ययोजना शीघ्र जारी की जाए।

मुख्यमंत्री आवास पर आयोजित बैठक में मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि विजन डॉक्यूमेंट व्यवहारिक, परिणामोन्मुख और समयबद्ध होना चाहिए, जो प्रदेश को 2047 तक विकसित राज्य बनाने का ठोस आधार प्रस्तुत करे। उन्होंने स्पष्ट किया कि इसे केवल सैद्धांतिक दस्तावेज न रखकर सेक्टरवार मिशनों, 2030, 2036 और 2047 के स्पष्ट लक्ष्यों तथा क्रियान्वयन योग्य कार्ययोजनाओं में विभाजित किया जाए। साथ ही सभी विभाग त्रैमासिक एवं वार्षिक लक्ष्यों के अनुरूप विभागवार और अंतर-क्षेत्रीय कार्ययोजना तैयार करें, जिसमें जिम्मेदारियों, अपेक्षित परिणामों और समन्वय की व्यवस्था स्पष्ट रूप से निर्धारित हो। मुख्यमंत्री ने यह भी निर्देश दिया कि राज्य स्तर पर तैयार विजन को जिला, शहर और पंचायत स्तर तक प्रभावी रूप से लागू किया जाए। इसके लिए 'जिला विजन 2047' तैयार कर स्थानीय आवश्यकताओं और संसाधनों के अनुरूप योजनाएं बनाई जाएं। साथ ही प्रमुख परियोजनाओं की सुव्यवस्थित पाइपलाइन तैयार कर उनकी सतत निगरानी सुनिश्चित की जाए, ताकि विकास कार्यों का प्रभाव जमीनी स्तर पर स्पष्ट रूप से परिलक्षित हो।

मुख्यमंत्री ने कहा कि विकसित उत्तर प्रदेश का पूरा ढांचा तीन प्रमुख स्तंभों 'अर्थशक्ति, जनशक्ति और जीवनशक्ति' पर आधारित है, जिन्हें मजबूत करने के लिए कृषि, उद्योग, सेवाएं, बुनियादी ढांचा, सामाजिक क्षेत्र और सुशासन को एकीकृत रूप से आगे बढ़ाना होगा। मुख्यमंत्री ने आगे कहा कि विजन डॉक्यूमेंट के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए रीयल-टाइम डैशबोर्ड के माध्यम से नियमित समीक्षा व्यवस्था विकसित की जाए, ताकि प्रगति की सतत निगरानी हो और आवश्यक सुधार समय पर सुनिश्चित किए जा सकें। उन्होंने स्पष्ट किया कि यह दस्तावेज स्थिर नहीं, बल्कि एक डायनामिक और एक्शन-ओरिएंटेड मार्गदर्शिका होनी चाहिए। बैठक में बताया गया कि प्रदेश ने 2047 तक छह ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनने का लक्ष्य रखा है, जबकि 2030 तक एक ट्रिलियन डॉलर और 2036 तक दो ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था का मध्यवर्ती लक्ष्य निर्धारित किया गया है। इस लक्ष्य को हासिल करने के लिए लगभग 16 प्रतिशत की वार्षिक वृद्धि दर आवश्यक आंकी गई है। वर्तमान में उत्तर प्रदेश की अर्थव्यवस्था लगभग 356 बिलियन डॉलर के स्तर पर है और भारत की जीडीपी में इसका योगदान करीब नौ प्रतिशत से अधिक है। मुख्यमंत्री ने सेक्टर आधारित रणनीति पर विशेष जोर देते हुए कहा कि कृषि, उद्योग और सेवा क्षेत्र में संतुलित और उच्च उत्पादकता आधारित विकास सुनिश्चित किया जाए। कृषि एवं संबद्ध क्षेत्रों को लेकर मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि स्मार्ट कृषि, वैल्यू चेन आधारित मॉडल, निर्यातोन्मुख उत्पादन और डिजिटल प्लेटफॉर्म को बढ़ावा दिया जाए। पशुपालन और मत्स्य क्षेत्र को ग्रामीण अर्थव्यवस्था का मजबूत आधार बताते हुए मुख्यमंत्री ने इनके वैज्ञानिक विकास, प्रोसेसिंग और बाजार संपर्क को सुदृढ़ करने पर जोर दिया। औद्योगिक विकास के संदर्भ में मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तर प्रदेश को टेक्नोलॉजी आधारित, निर्यातोन्मुख और वैश्विक प्रतिस्पर्धी विनिर्माण केंद्र के रूप में विकसित किया जाना है। बैठक में बताया गया कि राज्य के मैन्युफैक्चरिंग सकल मूल्य वर्धित (क्ठ्ठइ) में एमएसएमई का योगदान लगभग 46 प्रतिशत है। निवेश आकर्षित करने के लिए 50 लाख करोड़ रुपये से अधिक के एमओयू हस्ताक्षरित किए गए हैं, जिनमें से बड़ी संख्या में परियोजनाएं क्रियान्वयन की अवस्था में हैं।

सेवा क्षेत्र और डिजिटल अर्थव्यवस्था को विकास का प्रमुख इंजन बताते हुए मुख्यमंत्री ने आईटी, आईटीईएस, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, पर्यटन और नवाचार आधारित क्षेत्रों में तेजी से विस्तार के निर्देश दिए।

पाक्सो एक्ट में वांछित एक अभियुक्त गिरफ्तार

देवरिया। पुलिस अधीक्षक संजीव सुमन द्वारा जनपद में अपराध एवं अपराधियों की रोकथाम हेतु चलाए जा रहे अभियान के क्रम में अपर पुलिस अधीक्षक उत्तरी आनन्द कुमार पाण्डेय के कुशल निर्देशन व क्षेत्राधिकारी रुद्रपुर हरिराम यादव के कुशल पर्यवेक्षण में थाना रुद्रपुर पुलिस द्वारा थाना स्थानीय पर पंजीकृत मु0अ0सं0 452/25 धारा 137(2) बीएनएस व बढोत्तरी धारा 64(1) ,87 बीएनएस व 5ख (2)/6 पाक्सो एक्ट से संबंधित वांछित अभियुक्त अमरजीत निवासी थाना क्षेत्र रूद्रपुर को 31 मार्च 2026 को ग्राम छितही पोखरे के पास स्थित कटरैन के पास से गिरफ्तार करते हुए नियमानुसार विधिक कार्यवाही की जा रही है। उक्त अभियोग से संबंधित पीड़िता को थाना रुद्रपुर पुलिस द्वारा 20 मार्च 2026 को सकुशल बरामद कर लिया गया है।

वार्षिकोत्सव की धूम, मेधावियों का हुआ सम्मान

प्रभात समय संवाददाता

बहराइच। मटेरा कस्बे स्थित गुरु हरिकिशन रेड रोज पब्लिक स्कूल में वार्षिकोत्सव एवं परीक्षाफल वितरण सम्मान समारोह बड़े ही हर्षोल्लास और गरिमामय वातावरण में सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने आकर्षक सांस्कृतिक प्रस्तुतियां देकर उपस्थित लोगों का मन मोह लिया और अपनी प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन किया।

समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में भाजपा जिला अध्यक्ष बृजेश पाण्डेय एवं विशिष्ट अतिथि भाजपा नेत्री व स्पार्क कालेज की डायरेक्टर डॉ. अभिलाषा वर्मा मौजूद रहीं। मंडल अध्यक्ष कुश जी सहित क्षेत्र के गणमान्य लोग और बड़ी संख्या में अभिभावक भी उपस्थित रहे। अतिथियों ने मेधावी छात्रों को उनके उत्कृष्ट परीक्षा परिणाम और विभिन्न गतिविधियों में श्रेष्ठ प्रदर्शन के लिए सम्मानित किया।

अपने संबोधन में मुख्य अतिथि ने विद्यार्थियों को शिक्षा के साथ संस्कार, अनुशासन और कड़ी मेहनत को जीवन में अपनाने की प्रेरणा दी। वहीं विशिष्ट अतिथि ने निरंतर प्रयास और लगन से सफलता प्राप्त करने का संदेश दिया।

विद्यालय के संरक्षक एस.एन. सिंह, प्रबंधक श्रीमती रविन्द्र कौर, अध्यक्ष डॉ. डी.पी. सिंह एवं उप प्रबंधक डॉ. देवेंद्र पाल सिंह ने अतिथियों का स्वागत करते हुए आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम के अंत में सभी के प्रति धन्यवाद ज्ञापित किया गया। समारोह ने विद्यालय परिवार में उत्साह और नई ऊर्जा का संचार किया।

सरस्वती विद्या मंदिर में मेधावियों का सम्मान

प्रभात समय संवाददाता

बहराइच। सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज माधवपुरी में वार्षिक परीक्षाफल व पुरस्कार वितरण समारोह आयोजित हुआ। मुख्य अतिथि प्रो. डॉ. संजय खत्री, प्रांतीय समरसता प्रमुख राजकिशोर व डॉ. बीना टंडन उपस्थित रहीं। प्रधानाचार्य विजय बहादुर सिंह ने अतिथियों का स्वागत किया। अतिथियों ने छात्र-छात्राओं को परीक्षाफल व पुरस्कार वितरित किए और मेहनत व अनुशासन का संदेश दिया। कक्षा 11 में मनन गुप्ता ने द्वितीय व भोले चौरसिया ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। कार्यक्रम में शिक्षक, अभिभावक व छात्र-छात्राएं मौजूद।

दहेज हत्या के प्रकरण में नामजद दो अभियुक्त गिरफ्तार

प्रभात समय संवाददाता

देवरिया। पुलिस अधीक्षक संजीव सुमन द्वारा जनपद में अपराध एवं अपराधियों के रोकथाम के लिए वांछित अभियुक्तों की गिरफ्तारी हेतु चलाए जा रहे अभियान के क्रम में अपर पुलिस अधीक्षक दक्षिणी सुनील कुमार सिंह के कुशल पर्यवेक्षण में क्षेत्राधिकारी भाटपाररानी अंशुमन श्रीवास्तव द्वारा विवेचनाधीन थाना स्थानीय पर पंजीकृत मु0अ0सं0 74/2026 धारा 80(2), 85 बीएनएस व ३ डीपी एक्ट से संबंधित वांछित अभियुक्तगण अमित मिश्रा उर्फ मोनू पुत्र चुम्मन जी मिश्रा उर्फ सीजे मिश्रा एवं चुम्मन जी मिश्रा उर्फ सीजे मिश्रा पुत्र स्व0 रामदेव मिश्रा निवासीगण सिकरहटा थाना बनकटा जनपद देवरिया को 31 मार्च 2026 को गिरफ्तार करते हुए नियमानुसार विधिक कार्यवाही की जा रही है ।

विदित हो कि 29 मार्च 2026 को वादी श्याम नारायण त्रिपाठी निवासी ग्राम कमौजी थाना राबर्ट्सगंज, जनपद सोनभद्र द्वारा थाना बनकटा पर तहरीरी सूचना देकर अवगत कराया गया कि वादी की पुत्री के पति व ससुरालवालों द्वारा दहेज के लिए प्रताड़ित करते हुए वादी की पुत्री की 28 मार्च 2026 को हत्या कर दी गयी । उक्त सूचना पर थाना बनकटा पर मु.अ.सं. 74/2026 धारा 80(2), 85 बीएनएस व ३ डीपी एक्ट का अभियोग पंजीकृत कर विवेचना क्षेत्राधिकारी भाटपाररानी द्वारा की जा रही है। उक्त अभियोग से संबंधित उपर्युक्त 02 अभियुक्तों को गिरफ्तार किया गया है। नियमानुसार विधिक कार्यवाही प्रचलित है।

डिजिटल शिक्षा का वादा, अभिभावक उत्साहित

अस्मित रस्तोगी

जरवल कस्बा/बहराइच। क्षेत्र के उभरते विद्यालय बद्री शाह कान्वेंट स्कूल में सोमवार को रिपोर्ट कार्ड वितरण का हर्षोल्लासपूर्ण कार्यक्रम आयोजित हुआ। विद्यालय प्रांगण में उमंग भरी रौनक छाई रही, जहां समस्त अभिभावक अपने बच्चों के साथ पहुंचे। बच्चों के चेहरों पर प्रशस्ति पत्र, स्मृति चिन्ह और मेडल पाकर खिलखिलाहट बिखर गई। अभिभावकों ने रिपोर्ट कार्ड प्राप्त कर विद्यालय प्रबंधन की सराहना की और प्रसन्न मुद्रा में नजर आए। इस अवसर पर प्रधानाचार्य मुरारी यादव ने सभी का आभार जताया। उन्होंने शिक्षा के क्षेत्र में क्रांतिकारी बदलाव की बात की, जो जरवल के किसी अन्य विद्यालय में नहीं है। सॉफ्टवेयर और ऐप के माध्यम से गुणवत्तापूर्ण शिक्षा देने का वादा करते हुए उन्होंने कहा कि इससे बच्चों का भविष्य उज्ज्वल बनेगा। कुशल अध्यापकों ने अपने-अपने कक्षों के उत्कृष्ट बच्चों को सम्मानित किया, जिससे उनका उत्साह दोगुना हो गया। कार्यक्रम की शुरुआत में बच्चों को तिलक लगाकर अभिनंदन किया गया, जबकि मुस्लिम अभिभावकों पर फूल बरसाए गए। प्रमुख अतिथियों में संस्थापक प्रमोद गुप्ता, अनिल यादव 'प्रधान अगापुर', विनोद गुप्ता, अस्मित रस्तोगी 'राष्ट्रीय उपाध्यक्ष' अंतरराष्ट्रीय फार्मासिस्ट एसोसिएशन, रौनक, महिमा अग्रवाल, अक्षय अग्रवाल, पीयूष गुप्ता, सुरेंद्र गुप्ता, शिखा जायसवाल, अजय वर्मा, नूर उल्ला खान, हमजा खान, पंकज यादव, प्रमोद मौर्या, हरिराम एडवोकेट, सुरेंद्र मौर्य, अजय मौर्य उपस्थित रहे। साथ ही शिक्षकगण संध्या पाठक, पूजा गुप्ता, अंशिका चौधरी, दरक्षा बानो, अक्सा बानो ने अथक परिश्रम से अंक पत्र वितरण सुनिश्चित किया। प्रधानाचार्य ने बताया कि 1 से 15 अप्रैल तक निशुल्क एडमिशन अभियान चल रहा है। कुल 100 सीटें हैं, जिनमें 30 भर चुकी हैं और 70 शेष हैं। उन्होंने अपील की कि अभिभावक शीघ्र नामांकन कराएं, क्योंकि यह इकलौता स्कूल है जहां ऐप के जरिए घर बैठे बच्चे की गतिविधियां देखी जा सकती हैं। सभी मार्गों पर सुरक्षित आवागमन और आधुनिक सुविधाओं से लैस यह विद्यालय नित नई ऊंचाइयों को छू रहा है। अभिभावकों ने पढ़ाई पर विश्वास जताते हुए नामांकन का आश्वासन दिया।

पीड़िताओं के सुरक्षा के प्रति लापरवाही अक्षम्य: शैलजा

प्रभात समय संवाददाता

देवरिया। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण देवरिया के तत्वावधान में जनपद न्यायाधीश/अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण धनेन्द्र प्रताप सिंह के निर्देशानुसार वन स्टाप सेण्टर में पीड़िताओं के सुरक्षा व उनके अधिकारों हेतु सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सिविल जज सी0डी0 शैलजा मिश्रा द्वारा औचक निरीक्षण किया गया। सचिव द्वारा बताया गया कि पीड़िताओं के सुरक्षा एवं उनके अधिकारों का संरक्षण किया जाना चाहियें। समाज को उनके सुरक्षा एवं अधिकारो कें प्रति सजग रहना चाहिए। सचिव द्वारा केंद्र पर उपस्थित पीड़िताओं से व्यक्तिगत रूप से मिलकर उनके अधिकारों के बारें में विस्तार से बताया। निरीक्षण के दौरान केंद्र पर सुरक्षा हेतु लगे सी0सी0 टी0वी0 कैमरों में फ्रंट कैमरा तथा साइड वाले कैमरा क्रियाशील न होने के कारण ने केंद्र प्रबंधक को सख्त दिशा निर्देश तथा सम्बन्धित को कमियों को दूर करने हेतु निर्देशित किया। न्यायाधीश द्वारा वन स्टाप सेण्टर के केन्द्र प्रबन्धक नीतु भारती को निर्देशित करते हुए कहा गया कि जिन महिलाओं को विधिक सहायता की आवश्यकता हो, उनके मामले को चिन्हित कर अधिक से अधिक संख्या में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण देवरिया के कार्यालय में संदर्भित करें।

पेज एक का शेष...

नालंदा के शीतला...

के प्रति काफी आक्रोश देखने को मिल रहा है। ग्रामीणों और प्रत्यक्षदर्शियों ने आरोप लगाया है कि शीतला अष्टमी जैसे बड़े पर्व पर अपेक्षित संख्या में पुलिस बल की तैनाती नहीं की गई थी। साथ ही, बैरिकेडिंग और भीड़ नियंत्रण के पर्याप्त इंतजाम नहीं होने के कारण यह हादसा हुआ। घटना पर दुख जताते हुए बिहार के उपमुख्यमंत्री सह गृह मंत्री सम्राट चौधरी ने सोशल मीडिया के माध्यम से शोक व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि यह घटना अत्यंत पीड़ादायक है और सरकार पीड़ित परिवारों को हर संभव सहायता प्रदान कर रही है। उन्होंने घायलों के समुचित इलाज की व्यवस्था का आश्वासन देते हुए दिवंगत आत्माओं की शांति और घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की। बताया जाता है कि इस मंदिर की देश के साथ-साथ विदेशों में भी मान्यता है। यहां चैत्र कृष्ण पक्ष की अष्टमी को मुख्य रूप से पूजा की जाती है। इसके साथ ही 10 मार्च से ही शीतला माता का मेला शुरू हुआ था और आज आखिरी दिन था। इस वजह से काफी संख्या में यहां श्रद्धालु पूजा-पाठ करने पहुंचे थे। दरअसल, मघड़ा गांव बिहारशरीफ से लगभग 5 किलोमीटर दूर स्थित है। यहां शीतला अष्टमी के दिन विशेष परंपरा के तहत घरों में चूल्हा नहीं जलाया जाता और एक दिन पहले तैयार किया गया ठंडा भोजन माता को भोग के रूप में अर्पित किया जाता है। इस दिन मंदिर में बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचते हैं, जिससे भीड़ बढ़ने और हादसे की आशंका बनी रहती है।

33 नक्सलियों ...

बरामद सोने की कीमत 11.16 करोड़ रुपये बताई गई है, जो एक बड़ी उपलब्धि है। दंतेवाड़ा जिले में पांच कैडर और आठ एसएलआर हथियार बरामद हुए। सुकमा में दो कैडर के साथ एक एलएमजी और दो एके-47 राइफलें मिलीं। सुकमा से 10 लाख रुपये नकद भी बरामद किए गए हैं। नारायणपुर जिले में एक कैडर को एक एलएमजी के साथ पकड़ा गया। यह अभियान क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करेगा।

अपराधिक छवि...

समस्या पहले से और जटिल होती जा रही है। सरकार युद्ध से उपजी समस्या का समाधान करेमायावती ने कहा कि अमेरिका-इजराइल और ईरान के बीच युद्ध को लेकर आई विभिन्न प्रकार की जटिल समस्याओं से रसोई गैस, पेट्रोल व पेट्रोलियम पदार्थों के संकट से लगभग सभी प्रकार की वस्तुओं की कीमतों में भारी वृद्धि हुई है। हर प्रकार की वस्तुओं के दाम मनमाने तरीके से बढ़ने से मेहनतकश समाज का गरीबी में आटा और गीला हो गया है। इसके समाधान के लिये सरकार को लगातार प्रभावी कदम उठाते रहना जरूरी है ताकि देश को नोटबंदी तथा कोरोना महामारी जैसा संकट का अभूतपूर्व काल लोगों को फिर से न झेलना पड़े। अंबेडकर जयंती पर होंगे विशेष कार्यक्रममायावती ने 14 अप्रैल को डा. भीमराव अम्बेडकर की जयंती पर विशेष आयोजनों का निर्देश दिया। कहा कि पूरी मिशनरी भावना के साथ लखनऊ में इस बार सभी 18 मंडलों से पार्टी कार्यकर्ता परिवार समेत अम्बेडकर स्मारक में पहुंच कर अपने महापुरुष बाबा साहेब को श्रद्धासुमन अर्पित करें।

हर जनपद में होगी...

निर्माण में जिला ओटीडी सेल को सशक्त किया जाए। मुख्यमंत्री ने यह भी निर्देश दिए कि ओटीडी मुख्यमंत्री फ़ेलो द्वारा जनपद स्तर पर संचालित आर्थिक गतिविधियों की मासिक प्रगति रिपोर्ट ऑनलाइन डैशबोर्ड पर अपलोड की जानी चाहिए। साथ ही प्रमुख सचिव/सचिव स्तर पर त्रैमासिक प्रगति रिपोर्ट एवं प्रस्तुतिकरण सुनिश्चित किया जाए। जनपद की आर्थिक गतिविधियों में वृद्धि के लिए सुझावात्मक रिपोर्ट तैयार कर जिला ओटीडी सेल के संज्ञान में लाई जाए तथा स्थानीय आंकड़ों का विश्लेषण कर विकास की प्रवृत्तियों को नियमित रूप से बैठकों में प्रस्तुत किया जाए। ओटीडी मुख्यमंत्री फ़ेलो के चयन मानदंडों की चर्चा करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि इन पदों के लिए उच्च शैक्षणिक योग्यता एवं तकनीकी दक्षता सुनिश्चित की जाए। नियोजन विभाग की ओर से बताया गया कि आर्थिक विकास विशेषज्ञ के लिए अर्थशास्त्र, एप्लाइड इकोनॉमिक्स, इकोनोमेट्रिक्स या फाइनेंस/डेटा साइंस में परास्नातक अथवा एमबीए तथा डेटा विश्लेषक के लिए सांख्यिकी, एप्लाइड स्टैटिस्टिक्स, इकोनोमेट्रिक्स या बिजनेस एनालिटिक्स/डेटा साइंस में परास्नातक अथवा एमबीए की योग्यता निर्धारित की जा सकती है। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस पहल के माध्यम से जिला स्तर पर डेटा-आधारित निर्णय प्रणाली को सुदृढ़ किया जाना चाहिए, जिससे निवेश संवर्धन, रोजगार सृजन एवं स्थानीय अर्थव्यवस्था के समग्र विकास को नई गति मिल सके।

आईएएस रिंकू...

और महज 36 घंटे के भीतर उन्हें पद से हटा दिया गया। इसके बाद उन्हें लखनऊ स्थित राजस्व परिषद से जोड़ दिया गया, जहां से उन्हें कोई सक्रिय जिम्मेदारी नहीं मिली। राही का कहना है कि शाहजहांपुर में वकीलों के विरोध के बाद ही उनकी साइडलाइनिंग शुरू हुई। उनका इस्तीफा प्रशासनिक व्यवस्था में पारदर्शिता, जवाबदेही और ईमानदार अधिकारियों की भूमिका को लेकर नए सवाल खड़े कर रहा है। जहां एक ओर कई लोग उनकी ईमानदारी और साहस की सराहना कर रहे हैं, वहीं कुछ इसे सिस्टम की विफलता के रूप में देख रहे हैं। गौरतलब है कि हाल ही में बरेली के सिटी मजिस्ट्रेट (एडीएम) अलंकार अग्निहोत्री ने भी इस्तीफा देकर प्रशासनिक तंत्र को झटका दिया था। उन्होंने सरकारी नीतियों को संवैधानिक मूल्यों के खिलाफ बताते हुए अपना पद छोड़ा था।

काशी से विकास का...

नक्सल मुक्त राज्य बन चुका है। उन्होंने इसे विकास के लिए बड़ी उपलब्धि बताते हुए कहा कि इससे उद्योगों और निवेशकों को सुरक्षित वातावरण मिलेगा और प्रदेश में आर्थिक गतिविधियां तेजी से बढ़ेंगी। औद्योगिक और आर्थिक उपलब्धियों का जिक्र करते हुए उन्होंने बताया कि प्रदेश में सिंचाई का रकबा बढ़कर 55 लाख हेक्टेयर हो गया है और 70 हजार करोड़ रुपये से अधिक का निर्यात हो रहा है। राज्य में मेडिकल कॉलेजों की संख्या बढ़कर 40 हो चुकी है, जो स्वास्थ्य और शिक्षा के क्षेत्र में प्रगति का संकेत है। सम्मेलन में उत्तर प्रदेश की ओर से भी एमएसएमई और ओडीओपी मॉडल की सफलता को साझा किया गया। राज्य में 96 लाख एमएसएमई इकाइयां कार्यरत हैं, जो 3 करोड़ लोगों को रोजगार दे रही हैं। युवाओं को स्वरोजगार से जोड़ने के लिए बिना ब्याज के 5 लाख रुपये तक का ऋण उपलब्ध कराया जा रहा है। पर्यटन के क्षेत्र में भी नई पहल की घोषणा हुई। मध्य प्रदेश ने 'पीएमश्री पर्यटन वायु सेवा' और 'हेली पर्यटन सेवा' शुरू कर धार्मिक स्थलों तक पहुंच को आसान बनाने की दिशा में कदम बढ़ाया है। साथ ही काशी और उज्जैन को जोड़ते हुए एक साझा धार्मिक सर्किट विकसित करने की योजना बनाई गई है। सम्मेलन के दौरान आयोजित प्रदर्शनी में दोनों राज्यों के शिल्पकारों ने अपनी कला का प्रदर्शन किया। बनारसी साड़ी, जरी-जरदोजी, गुलाबी मीनाकारी से लेकर महेश्वरी और चंदेरी वस्त्र तक, पारंपरिक कला और शिल्प की समृद्ध विरासत एक मंच पर दिखाई दी। मतलब साफ है काशी में आयोजित यह सम्मेलन केवल एक औपचारिक आयोजन नहीं, बल्कि विकास, निवेश, पर्यटन और सांस्कृतिक एकता का एक व्यापक रोडमैप है। मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश की यह साझेदारी आने वाले समय में न केवल दोनों राज्यों, बल्कि पूरे देश के लिए एक नए विकास मॉडल के रूप में स्थापित हो सकती है।

स्कूल व कालेजों में हर्बल गार्डन स्थापित करने की पहल शुरू

बाराबंकी । राष्ट्रीय औषधि पादप बोर्ड, आयुष मंत्रालय भारत सरकार से प्रायोजित बेसिक उत्थान एवं ग्रामीण सेवा संस्थान द्वारा जिले में 10 स्कूल व कालेजों में हर्बल गार्डन स्थापित किया जा रहा है। इंटर कॉलेजों व डिग्री कालेजो में 25 प्रकार के औषधीय पौधों का गार्डन लगाकर उन पौधों का उपयोग की जानकारी देकर छात्रों व अभिभावकों में आयुष आधारित स्वास्थ्य स्वावलंबन की जागरूकता प्रदान कीज रही है। आयुष जागरूकता अभियान के क्रम में वीणा सुधाकर ओझा महाविद्यालय ज्योरी मसौली में प्रख्यात आयुर्वेदाचार्य डॉ शशि कुमार अवस्थी ने औषधीय पौधों की उपयोगिता के साथ ही आयुष आधारित स्वास्थ्य स्वावलंबन की जानकारी प्रदान की। डॉ अवस्थी ने कहा कि हमारा प्राथमिक स्वास्थ्य प्रबंधन आयुर्वेद व जड़ी बूटियां पर आधारित होना चाहिए जिससे हम स्वास्थ्य के क्षेत्र में स्वावलम्बी हो सके। उन्होंने बताया कि आयुर्वेद आयु का विज्ञान है और यह विज्ञान हमारी भारतीय चिकित्सा पद्धति औषधिय पौधों जड़ी बूटियों पर आधारित थी।

अर्थव्यवस्था पर सियासत नहीं, आंकड़े देते हैं जवाब: डॉ. राजेश्वर सिंह

प्रभात समय संवाददाता

लखनऊ। भारतीय अर्थव्यवस्था को लेकर विपक्ष पर तीखा हमला बोलते हुए डॉ. राजेश्वर सिंह ने कहा कि बिना वैश्विक परिप्रेक्ष्य को समझे की गई टिप्पणियां न केवल हास्यास्पद हैं, बल्कि बौद्धिक सतहीपन को भी उजागर करती हैं। उन्होंने कहा कि अर्थव्यवस्था पर सियासत नहीं, बल्कि आंकड़े ही सच्चाई बताते हैं।

उन्होंने सपा प्रमुख के हालिया बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि जिनकी राजनीति तुष्टिकरण, भ्रष्टाचार, अंधविश्वास और परिवारवाद पर आधारित रही हो, उनके द्वारा नैतिकता और अर्थव्यवस्था पर सवाल उठाना अपने आप में विरोधाभास है।

डॉ. सिंह ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष के अनुसार भारत दुनिया की सबसे तेज़ी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्था है और देश 5 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। वैश्विक मंदी, युद्ध और सप्लाई चेन संकट जैसी चुनौतियों के बावजूद भारत ने मजबूत विकास दर बनाए रखी है। रिकॉर्ड प्रत्यक्ष विदेशी निवेश, तेजी से बढ़ती डिजिटल अर्थव्यवस्था और बड़े पैमाने पर इंफ्रास्ट्रक्चर निवेश इस प्रगति के स्पष्ट संकेत हैं। उन्होंने आंकड़ों का हवाला देते हुए बताया कि 2004 से 2014 के बीच जहां लगभग 266 बिलियन डॉलर का क्कक्क आया, वहीं 2014 से 2024 के बीच यह बढ़कर करीब 740 बिलियन डॉलर हो गया। आज भारत विश्व के शीर्ष 5 FDI गंतव्यों में शामिल है। फॉरेक्स रिजर्व के मामले में भ ी उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। वर्ष 2004-2014 के बीच यह 113 बिलियन डॉलर से बढ़कर 304 बिलियन डॉलर हुआ, जबकि 2014 से 2024 के बीच यह लगभग 650 बिलियन डॉलर तक पहुंच गया। सोने के भंडारण में भी बढ़ोतरी हुई है, जो 2014 में 557 टन से बढ़कर 2026 में 800 टन से अधिक हो गया है। डॉ. राजेश्वर सिंह ने सपा शासन पर निशाना साधते हुए कहा कि उस समय उत्तर प्रदेश गुंडाराज और अराजकता का प्रतीक बन चुका था। व्यापारी और निवेशक भय के माहौल में काम करने को मजबूर थे और भ्रष्टाचार व परिवारवाद उसकी पहचान बन गए थे। उन्होंने कहा कि आज प्रदेश विकास, निवेश और सुशासन के रास्ते पर तेजी से आगे बढ़ रहा है और जनता अब भ्रम नहीं, बल्कि तथ्यों और विकास के साथ खड़ी है।

‘बस आए श्याम नजर है’ रिलीज सीएम योगी ने किया लोकार्पण

लखनऊ। विधायक डॉ. नीरज बोरा का नया श्याम भजन ‘बस आए श्याम नजर है’ भव्य रूप से रिलीज कर दिया गया। इस अवसर पर उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अपने कर कमलों से भजन का लोकार्पण किया। श्री श्याम को समर्पित यह भजन अपनी मधुर धुन और भावपूर्ण शब्दों के कारण श्रोताओं के बीच तेजी से लोकप्रिय हो रहा है। डॉ. नीरज बोरा ने अपनी श्रद्धा और सुरीली आवाज से भजन को विशेष रूप से जीवंत बना दिया है। भजन के बोल और संगीत का कार्य युवा प्रतिभा शिवम श्रीवास्तव ने किया है, जबकि पूरे प्रोजेक्ट के निर्माता वत्सल बोरा हैं। कोरस में बिंदु बोरा, शिवम श्रीवास्तव, विपिन गुप्ता, पंकज चाहर, मधु पाठक मांझी, प्रीतू और प्रिंस श्रीवास्तव ने सहयोग दिया है, जिससे भजन की संगीतात्मकता और अधिक प्रभावशाली बन गई है। नृत्य निर्देशन तृप्ति गुप्ता और उनकी टीम ने किया है। वहीं, निर्देशन का कार्य आकाश सिंह एवं शिवम श्रीवास्तव ने संभाला है। भजन की शूटिंग बरसाना स्थित लाडली जी मंदिर, गोवर्धन के दानघाटी मंदिर और वृंदावन में यमुना तट सहित कई रमणीय स्थलों पर की गई है। इसमें चेयरमैन प्रतिनिधि मनीष लंबरदार का विशेष सहयोग रहा। वीडियो शूटिंग और एडिटिंग का कार्य लवी दीक्षित और उनकी टीम द्वारा किया गया है। इस मौके पर डॉ. नीरज बोरा ने कहा कि भक्ति संगीत मन को शांति प्रदान करता है और बाबा श्याम की कृपा से ही यह भजन साकार हो सका है। उन्होंने उम्मीद जताई कि यह भजन श्रद्धालुओं के हृदय को अवश्य स्पर्श करेगा। यह भजन यूट्यूब चैनल अद्ब्थद्ब्प्न्थ और डॉ. नीरज बोरा के आधिकारिक मीडिया प्लेटफॉर्म पर उपलब्ध है।

वन ट्रिलियन डॉलर लक्ष्य के लिए हर जनपद में होगी ‘मुख्यमंत्री फ़ेलो’ की तैनाती

प्रभात समय संवाददाता

❑ मुख्यमंत्री का निर्देश, वन ट्रिलियन डॉलर लक्ष्य हेतु जिला ओटीडी सेल की क्षमता सुदृढ़ की जाए

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने ‘वन ट्रिलियन डॉलर अर्थव्यवस्था’ के लक्ष्य को गति देने के लिए प्रत्येक जनपद में ‘मुख्यमंत्री फ़ेलो’ की तैनाती के निर्देश दिए हैं। मंगलवार को आयोजित एक उच्चस्तरीय बैठक में मुख्यमंत्री ने कहा कि आकांक्षात्मक विकास खंडों और आकांक्षी नगर निकाय कार्यक्रम की तर्ज पर जिला स्तर पर आर्थिक विकास को साक्ष्य-आधारित एवं परिणामोन्मुख बनाया जाना चाहिए।

मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि जिला ओटीडी (वन ट्रिलियन डॉलर) सेल की आर्थिक एवं डेटा विश्लेषण क्षमता को सुदृढ़ किया जाए। इसके लिए प्रत्येक जनपद में दो विशेषज्ञ; एक आर्थिक विकास विशेषज्ञ तथा एक डेटा विश्लेषक को ‘ओटीडी मुख्यमंत्री फ़ेलो’ के रूप में तैनात किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि इन विशेषज्ञों के माध्यम से स्थानीय संसाधनों, निवेश के अवसरों एवं आर्थिक संभावनाओं का साक्ष्य-आधारित विश्लेषण कराया जाए तथा जनपद-केन्द्रित विकास रणनीतियों के निर्माण में जिला ओटीडी सेल को सशक्त किया जाए। मुख्यमंत्री ने यह भी निर्देश दिए कि ओटीडी मुख्यमंत्री फ़ेलो द्वारा जनपद स्तर पर संचालित आर्थिक गतिविधियों की मासिक प्रगति रिपोर्ट ऑनलाइन डैशबोर्ड पर अपलोड की जानी चाहिए। साथ ही प्रमुख सचिव/सचिव स्तर पर त्रैमासिक प्रगति रिपोर्ट एवं प्रस्तुतिकरण सुनिश्चित किया जाए। जनपद की आर्थिक गतिविधियों में वृद्धि के लिए सुझावात्मक रिपोर्ट तैयार कर जिला ओटीडी सेल के संज्ञान में लाई जाए तथा स्थानीय आंकड़ों का विश्लेषण कर विकास की प्रवृत्तियों को नियमित रूप से बैठकों में प्रस्तुत किया जाए। ओटीडी मुख्यमंत्री फ़ेलो के चयन मानदंडों की चर्चा करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि इन पदों के लिए उच्च शैक्षणिक योग्यता एवं तकनीकी दक्षता सुनिश्चित की जाए। नियोजन विभाग की ओर से बताया गया कि आर्थिक विकास विशेषज्ञ के लिए अर्थशास्त्र, एप्लाइड इकोनॉमिक्स, इकोनोमेट्रिक्स या फाइनेंस/डेटा साइंस में परास्नातक अथवा एमबीए तथा डेटा विश्लेषक के लिए सांख्यिकी, एप्लाइड स्टैटिस्टिक्स, इकोनोमेट्रिक्स या बिजनेस एनालिटिक्स/ डेटा साइंस में परास्नातक अथवा एमबीए की योग्यता निर्धारित की जा सकती है। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस पहल के माध्यम से जिला स्तर पर डेटा-आधारित निर्णय प्रणाली को सुदृढ़ किया जाना चाहिए, जिससे निवेश संवर्धन, रोजगार सृजन एवं स्थानीय अर्थव्यवस्था के समग्र विकास को नई गति मिल सके।

योगी सरकार में निर्यात को मिली रफ्तार

नवंबर 2025-26 तक प्रदेश के निर्यात ने पार किया 1.31 लाख करोड़ रुपये का आंकड़ा

प्रभात समय संवाददाता

❑ आईटी/आईटीईएस सेक्टर में उछाल, जीआई उत्पादों और एक्सपो मार्ट के जरिए ‘लोकल टू ग्लोबल’ को मिली नई पहचान

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश निर्यात के क्षेत्र में लगातार नई ऊंचाइयों को छू रहा है। राज्य सरकार की उद्योग एवं निर्यात प्रोत्साहन नीतियों के चलते प्रदेश का निर्यात न केवल दोगुना हुआ है, बल्कि वैश्विक बाजार में ‘मेड इन यूपी’ की मजबूत पहचान भी बनी है। वित्तीय वर्ष 2025-26 में अप्रैल से नवंबर तक प्रदेश का कुल निर्यात ?1,31,328 करोड़ तक पहुंच गया है, जो पिछले वर्ष की समान अवधि में 1,18,223.91 करोड़ की तुलना में 11.08 प्रतिशत की उल्लेखनीय वृद्धि दर्शाता है। पिछले कुछ वर्षों के आंकड़ों पर नजर डालें, तो वर्ष 2016-17 में जहां प्रदेश का निर्यात 86 हजार करोड़ था, वहीं 2024-25 में यह बढ़कर 1.86 लाख करोड़ के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया। मौजूदा रफ्तार को देखते हुए 2025-26 में इस रिकॉर्ड को भी पार करने की संभावना जताई गई है।

उत्तर प्रदेश में योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में बनाई गई दूरदर्शी नीतियों, सुदृढ़ इंफ्रास्ट्रक्चर, निवेश के अनुकूल माहौल और निर्यातकों को दी जा रही सुविधाओं ने प्रदेश को निर्यात के क्षेत्र में नई पहचान दिलाई है। आज उत्तर प्रदेश तेजी से देश के अग्रणी निर्यातक राज्यों में अपनी मजबूत उपस्थिति दर्ज करा रहा है। ‘लोकल टू ग्लोबल’ की सोच को साकार करते हुए प्रदेश के उत्पाद वैश्विक बाजार में अपनी अलग पहचान बना रहे हैं। आने वाले समय में यह रफ्तार और तेज होने की संभावना है, जिससे उत्तर प्रदेश न केवल निर्यात के नए कीर्तिमान स्थापित करेगा, बल्कि ‘आत्मनिर्भर भारत’ के संकल्प को भी सशक्त आधार प्रदान करेगा। आईटी और आईटीईएस सेक्टर में भी योगी सरकार की नीतियों का स्पष्ट असर देखने को मिला है। वर्ष 2015 में जहां सूचना प्रौद्योगिकी/आईटीईएस निर्यात ?15 हजार करोड़ था, वह 2024-25 में बढ़कर ?82 हजार करोड़ से अधिक हो गया है। यह सेवा क्षेत्र में तेजी से हो रहे विस्तार और निवेश अनुकूल माहौल का परिणाम है। प्रदेश सरकार ‘लोकल टू ग्लोबल’ की अवधारणा को मजबूती देने के लिए लगातार प्रयासरत है। इसी कड़ी में उत्तर प्रदेश के 77 उत्पादों को जीआई (ज्योग्राफिकल इंडिकेशन) पंजीकरण प्राप्त हो चुका है, जबकि 152 अन्य उत्पाद इस दिशा में अग्रसर हैं। इससे पारंपरिक और स्थानीय उत्पादों को वैश्विक बाजार में पहचान और मूल्य दोनों मिल रहे हैं।

अलीगढ़ में बनेगा देश का पहला लॉक म्यूजियम

10 हजार करोड़ रुपये सालाना के पार जाएगा ताला उद्योग

प्रभात समय संवाददाता

❑ सीएम योगी के निर्देश पर शिक्षा, शोध एवं तकनीकी जागरूकता के लिए स्थायी ज्ञान केंद्र होगा विकसित

लखनऊ। अलीगढ़ का ऐतिहासिक ताला उद्योग अब वैश्विक पहचान बनने जा रहा है। सीएम योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर अलीगढ़ में देश का पहला ‘लॉक म्यूजियम’ स्थापित करने का निर्णय लिया गया है, जो इस पारंपरिक उद्योग को संरक्षित करने के साथ-साथ आधुनिक तकनीक और नवाचार से जोड़ने का काम करेगा। इस पहल से ताला उद्योग का सालाना कारोबार 10 हजार करोड़ रुपये के पार पहुंचने की संभावनाएं भी मजबूत हो गई हैं। सबसे खास बात यह है कि नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट से महज 50 किलोमीटर दूर होने के कारण बड़ी संख्या में अमेरिका और यूरोप से विदेशी पर्यटक यहां आ सकेंगे।

मुख्यमंत्री के निर्देश पर तैयार की जा रही इस योजना का उद्देश्य अलीगढ़ के ताला उद्योग को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाना है। यह म्यूजियम न केवल एक प्रदर्शनी स्थल होगा, बल्कि एक व्यापक औद्योगिक और शैक्षणिक केंद्र के रूप में विकसित किया जाएगा। यहां पारंपरिक हस्तनिर्मित तालों से लेकर आधुनिक हाई-टेक सुरक्षा प्रणालियों तक की विकास यात्रा को प्रदर्शित किया जाएगा, जिससे आने वाली पीढ़ियां इस उद्योग की तकनीकी, सामाजिक और आर्थिक यात्रा को समझ सकेंगी।

नगर आयुक्त प्रेम प्रकाश मीणा ने बताया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में यह पहल अलीगढ़ को उत्तर प्रदेश की वैश्विक औद्योगिक पहचान दिलाने में मील का पत्थर साबित होगी। म्यूजियम के माध्यम से युवाओं में कौशल विकास, डिजाइन, नवाचार और उद्यमिता को बढ़ावा मिलेगा, जिससे उद्योग को नई दिशा प्राप्त होगी। साथ ही शिक्षा, शोध एवं तकनीकी जागरूकता के जरिए यह क्षेत्र नई आर्थिक ऊंचाइयों को छुएगा। सीएम योगी के निर्देश पर म्यूजियम को एक स्थायी ज्ञान केंद्र के रूप में भी विकसित किया जाएगा, जहां प्रशिक्षण, शोध और तकनीकी विकास से जुड़े कार्यक्रम आयोजित होंगे।

म्यूजियम बनने से पारंपरिक कारीगरों को आधुनिक तकनीकों से जोड़ने के साथ-साथ उनकी उत्पादकता और गुणवत्ता में सुधार होगा। वहीं ताला बनाने वाली एमएसएमई इकाइयों को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपने उत्पादों को प्रदर्शित करने का अवसर मिलेगा, जिससे निर्यात और बाजार विस्तार को नई गति मिलेगी। यह परियोजना पर्यटन, अर्थव्यवस्था और रोजगार के लिहाज से भी अत्यंत महत्वपूर्ण साबित होगी। लॉक म्यूजियम के विकसित होने से देश-विदेश के पर्यटकों का आकर्षण बढ़ेगा, जिससे स्थानीय व्यापार और सेवाओं को मजबूती मिलेगी। साथ ही बड़े पैमाने पर रोजगार के अवसर सृजित होंगे, जिससे युवाओं को नई संभावनाएं मिलेंगी।

‘स्कूल से स्किल’ को बढ़ावा, अटल आवासीय विद्यालयों में लागू होगा ‘प्रोजेक्ट प्रवीण’

प्रभात समय संवाददाता

❑ सरकार की पहल से 18 विद्यालयों के 3447 विद्यार्थियों को मिलेगा कौशल प्रशिक्षण

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में प्रदेश सरकार द्वारा शिक्षा और कौशल विकास को एकीकृत करने की दिशा में एक और महत्वपूर्ण कदम उठाया गया है। उत्तर प्रदेश कौशल विकास मिशन द्वारा अब प्रदेश के 18 अटल आवासीय विद्यालयों में ‘प्रोजेक्ट प्रवीण’ लागू किया जाएगा, जिसके तहत 3447 विद्यार्थियों को आधुनिक कौशल प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा। यह कदम प्रदेश के व्यावसायिक शिक्षा, कौशल विकास एवं उद्यमशीलता राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) कपिल देव अग्रवाल के निर्देशन में बढ़ाया जा रहा है। प्रोजेक्ट प्रवीण के अंतर्गत विद्यार्थियों को आईटी, आईटीईएस, हेल्थकेयर, इलेक्ट्रॉनिक्स तथा आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (इक्र) जैसे आधुनिक क्षेत्रों में प्रशिक्षण दिया जाएगा। अब तक यह कार्यक्रम केवल सरकारी और सहायता प्राप्त विद्यालयों में संचालित था, लेकिन अटल आवासीय विद्यालयों को जोड़ने से इसका दायरा और प्रभाव दोनों बढ़ेंगे। मिशन निदेशक पुलकित खरे की पहल पर कराए गए सर्वे के आधार पर विद्यालयों को चयनित किया गया है। सर्वे के अनुसार आगरा, अलीगढ़, अयोध्या, आजमगढ़, बस्ती, बांदा, गोंडा, झांसी, कानपुर नगर, लखनऊ, बुलंदशहर, मिर्ज़ापुर, प्रयागराज, गोरखपुर, मुजफ्फरनगर, वाराणसी, बरेली और मुरादाबाद स्थित 18 अटल आवासीय विद्यालयों के कुल 3447 छात्र-छात्राओं को प्रशिक्षण के लिए पात्र पाया गया है। विद्यार्थियों की विशेष रुचि आईटी, हेल्थकेयर, इलेक्ट्रॉनिक्स और अपैरल सेक्टर में देखी गई है। अटल आवासीय विद्यालय प्रदेश सरकार की महत्वाकांक्षी योजना के तहत संचालित हो रहे हैं, जिनका उद्देश्य श्रमिकों, प्रवासी कामगारों और आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के लोगों के प्रतिभावान बच्चों को निःशुल्क आवासीय शिक्षा प्रदान करना है। कक्षा 6 से 12 तक संचालित इन विद्यालयों में अब आधुनिक कौशल प्रशिक्षण भी जोड़ा जा रहा है, जिससे विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास को बल मिलेगा। मिशन निदेशक पुलकित खरे ने बताया कि ‘प्रोजेक्ट प्रवीण’ एक 210 घंटे का निःशुल्क कौशल प्रशिक्षण कार्यक्रम है, जिसमें आईटी, ब्यूटी, हेल्थकेयर और इलेक्ट्रॉनिक्स के साथ-साथ सॉफ्ट स्किल्स और इंडस्ट्रियल विजिट भी शामिल हैं। अब इसमें ‘इक्रद्धधन इद्यद्य’ मॉड्यूल को भी जोड़ा गया है, जिससे विद्यार्थी तकनीकी रूप से सशक्त बन सकें।

योगी सरकार में 1098 चाइल्ड हेल्पलाइन से 2.31 लाख से अधिक बच्चों को मिली सहायता

प्रभात समय संवाददाता

❑ प्रदेश में मजबूत हुआ बाल सुरक्षा नेटवर्क, हर जिले में हेल्पलाइन यूनिट सक्रिय

❑ रेलवे स्टेशनों व बस अड्डों पर भी संकटग्रस्त बच्चों की मदद के लिए तैनात की गईं हेल्पलाइन यूनिट

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में बच्चों की सुरक्षा व संरक्षण को लेकर योगी सरकार का तंत्र अत्यंत सुदृढ़ हो चुका है। महिला कल्याण विभाग की 1098 चाइल्ड हेल्पलाइन सेवा के माध्यम से जरूरतमंद बच्चों को 24 घंटे त्वरित सहायता उपलब्ध कराई जा रही है। राज्य सरकार की इस पहल के तहत अब तक प्रदेश में 2.31 लाख से अधिक बच्चों को सहायता प्रदान की जा चुकी है। इनमें संकटग्रस्त, लावारिस, बाल श्रम और उत्पीड़न के शिकार बच्चे शामिल हैं। यह आंकड़ा स्पष्ट करता है कि प्रदेश में बाल सुरक्षा के लिए एक मजबूत और संवेदनशील तंत्र विकसित किया गया है, जो जरूरतमंदों तक समयबद्ध सहायता पहुंचा रहा है।

संकटग्रस्त बच्चों को त्वरित सहायता: महिला कल्याण विभाग की निदेशक डॉ. वंदना वर्मा ने बताया कि यह सेवा अब जमीनी स्तर पर प्रभावी नेटवर्क के रूप में कार्य कर रही है, जहां हर जिले में हेल्पलाइन यूनिट सक्रिय रूप से संचालित है और संकट में फंसे बच्चों तक तुरंत पहुंच सुनिश्चित की जा रही है। वित्तीय वर्ष 2025-26 में ही 77 हजार से अधिक बच्चों को हेल्पलाइन के माध्यम से मदद मिली है, जो इसकी बढ़ती पहुंच और प्रभावशीलता को दर्शाता है। 1098 चाइल्ड हेल्पलाइन के तहत त्वरित बचाव व्यवस्था सुनिश्चित की गई है, जिसमें कॉल प्राप्त होते ही टीम 60 मिनट के भीतर आपात स्थिति में फंसे बच्चों तक पहुंचकर उन्हें सुरक्षित निकालती है। यह सेवा 24 घंटे पुलिस सहायता, चिकित्सा सुविधा, आश्रय और कानूनी परामर्श उपलब्ध कराती है, जिससे बच्चों को हर स्तर पर संरक्षण मिलता है। साथ ही, मुसीबत में फंसे बच्चों का बाल कल्याण समिति के माध्यम से पुनर्वास कर उन्हें उनके परिवार से मिलाने की व्यवस्था भी की गई है।

रेलवे स्टेशन और बस स्टैंड पर हेल्पलाइन यूनिट सक्रिय: 1098 चाइल्ड हेल्पलाइन सेवा को रेलवे स्टेशनों और बस अड्डों तक विस्तारित किया गया है, जिससे ऐसे स्थानों पर भटकने वाले या जोखिम में पड़े बच्चों तक तत्काल पहुंच बनाई जा सके। इसके अंतर्गत राज्य स्तर पर कंट्रोल रूम, समस्त जनपदों में चाइल्ड हेल्पलाइन यूनिट, 28 रेलवे स्टेशन यूनिट व 11 बस स्टैंड यूनिट की स्थापना की गई है। यह व्यवस्था बाल तस्करी और बाल शोषण जैसे अपराधों पर प्रभावी नियंत्रण स्थापित करने में भी सहायक बन रही है। योगी सरकार का यह मॉडल बाल सुरक्षा के क्षेत्र में एक सशक्त, जवाबदेह और सक्रिय व्यवस्था के रूप में उभरकर सामने आया है।

कुशीनगर से विश्व शांति का संदेश

कुशीनगर में तीन दिवसीय अंतरराष्ट्रीय बौद्ध सम्मेलन 2026 का भव्य शुभारंभ

प्रभात समय संवाददाता

❑ महापरिनिर्वाण स्थली पर गूंजा धम्म का संदेश, वैश्विक मंच पर जुटे विद्वान, विशेषज्ञ और संत

❑ वैश्विक संघर्ष के दौर में भगवान बुद्ध के संदेश से मिलेगा शांति का मार्ग: जयवीर सिंह

लखनऊ/कुशीनगर। कुशीनगर के महापरिनिर्वाण स्थल से विश्व शांति का संदेश देने वाला ‘अंतरराष्ट्रीय बौद्ध सम्मेलन 2026‘ मंगलवार से शुरू हो गया। 31 मार्च से 2 अप्रैल तक चलने वाले इस तीन दिवसीय आयोजन में देश-विदेश से आए बौद्ध भिक्षु, संत, विद्वान, नीति-निर्माता और युवा एक मंच पर जुटे हैं। सम्मेलन में भगवान बुद्ध की करुणा, शांति और शिक्षाप्रद संदेशों की वर्तमान वैश्विक परिदृश्य में प्रासंगिकता पर गहन मंथन किया जा रहा है।

उत्तर प्रदेश के पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने बताया कि वर्तमान समय में जब दुनिया के अनेक हिस्सों में संघर्ष और अनिश्चितता का माहौल है, ऐसे समय में भगवान बुद्ध के जीवन संदेश सकारात्मक मार्ग प्रशस्त करते हैं। उन्होंने बताया कि कुशीनगर में आयोजित यह अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन वैश्विक स्तर पर शांति, सहअस्तित्व और आपसी समझ को मजबूत करने की दिशा में एक अहम पहल है।

कुशीनगर के महापरिनिर्वाण मंदिर में 31 मार्च को अंतरराष्ट्रीय बौद्ध सम्मेलन का शुभारंभ मंत्रोच्चार के साथ हुआ। इसके बाद ‘बुद्धा लाइफ गैलरी‘ का उद्घाटन किया गया। उत्तर प्रदेश सरकार में राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) दिनेश प्रताप सिंह ने दीप प्रज्ज्वलन के साथ कार्यक्रम की विधिवत शुरुआत की। इस अवसर पर कुशीनगर के जिलाधिकारी महेंद्र सिंह तंवर ने अतिथियों का स्वागत किया। आरआईएस के एसोसिएट प्रोफ़ेसर डॉ. पंकज वशिष्ठ ने ‘बौद्ध दर्शन‘ की आज के दौर में प्रासंगिकता पर अपने विचार रखे। सम्मेलन में ‘बुद्धाज कुशीनगर‘ विषय पर एक लघु फिल्म भी प्रदर्शित की गई। वहीं, स्थानीय विधायक और सांसद ने भी सम्मेलन की अहमियत को रेखांकित करते हुए अपने विचार साझा किए। औपचारिक उद्घाटन समारोह के बाद शांति उपवन में ‘धम्म, संवाद और विकास‘ विषय पर छात्र चित्रकला प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया।

इस प्रतियोगिता में बड़ी संख्या में विद्यार्थियों ने भाग लिया। बच्चों ने कलाकृतियों के माध्यम से बौद्ध शिक्षा एवं मूल्यों को सृजनात्मक ढंग से अभिव्यक्त किया। उद्घाटन सत्र के पश्चात सम्मेलन के शैक्षणिक सत्रों का शुभारंभ हुआ। प्रथम सत्र ‘भिक्षुओं के दृष्टिकोण से बौद्ध धर्म‘ विषय पर केंद्रित रहा, जिसमें बौद्ध दर्शन के व्यावहारिक एवं आध्यात्मिक पहलुओं पर विचार-विमर्श किया गया। इसके बाद ‘बौद्ध-जैन समागम‘ विषय पर आयोजित सत्र में दोनों धर्मों की समानताओं, ऐतिहासिक संबंधों एवं समकालीन प्रासंगिकता पर चर्चा हुई। सम्मेलन के तीसरे सत्र में उस वक्त माहौल खास हो गया, जब उत्तर प्रदेश सरकार के पशुपालन विभाग के अपर मुख्य सचिव मुकेश मेश्राम ने मुख्य वक्तव्य दिया। अपने संबोधन में उन्होंने प्रदेश के समृद्ध बौद्ध स्थलों, पर्यटन आकर्षणों, पारंपरिक कला-शिल्प और सांस्कृतिक विरासत की व्यापक तस्वीर प्रस्तुत की। अंतरराष्ट्रीय बौद्ध सम्मेलन के पहले दिन ‘बौद्ध धर्म : धम्म, संवाद और विकास‘ विषय पर पैनल चर्चा आयोजित की गई। परिचर्चा में दक्षिण कोरिया, लाओस, जापान और भारत के प्रतिष्ठित विशेषज्ञों ने हिस्सा लिया। वक्ताओं ने वैश्विक परिप्रेक्ष्य में बौद्ध मूल्यों की उपयोगिता और समावेशी समाज के निर्माण में उनकी भूमिका पर अपने विचार साझा किए।

भारतीय आर्थिकी पर युद्ध का बढ़ता साया

इन दिनों पश्चिम एशिया में बढ़ते हुए युद्ध से जहां वैश्विक अर्थव्यवस्था लडख़ड़ाते हुए दिखाई दे रही है, वहीं युद्ध का साया भारतीय अर्थव्यवस्था पर भी बढ़ते हुए दिखाई दे रहा है। देश में विभिन्न उपभोक्ता वस्तुओं की कीमतें बढऩे लगी हैं। डॉलर की तुलना में रुपए में तेज गिरावट है। निर्यात घट गए हैं। विदेशी मुद्रा भंडार 700 अरब डॉलर से नीचे आ गया है। शेयर बाजार भी बेहाल है। ऐसे में देश के आम आदमी और अर्थव्यवस्था को युद्ध की तपिश से बचाने के मद्देनजर हाल ही में 27 मार्च को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वीडियो कान्फ्रेंसिंग के जरिए राज्यों के मुख्यमंत्रियों के साथ अहम बैठक की। इस बैठक में पश्चिम एशिया में जारी युद्ध से भारत के बाजार से लेकर आपूर्ति श्रृंखला पर बढ़ते हुए असर की समीक्षा की गई। साथ ही महत्वपूर्ण जरूरतों मसलन पेट्रोल-डीजल, गैस, खाद्य, ऊर्ज़ा, उर्वरक आदि की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए किए जा रहे सभी तरह के प्रयासों के साथ आने वाले समय में निर्मित हो सकने वाली चुनौतियों से निपटने के मद्देनजर संभावित उपायों पर विचार मंथन किया गया। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि जिस तरह कोरोना महामारी के दौरान केंद्र और राज्यों की सामूहिक रणनीति से कोरोना की आपदा का सफलतापूर्वक मुकाबला किया गया, अब उसी तरह साझा जिम्मेदारी से टीम इंडिया के रूप में काम करते हुए भारत पश्चिम संकट की चुनौती से भी निपट लेगा। मोदी ने बताया कि पेट्रोल-डीजल के दाम स्थिर रखने के लिए उत्पाद कर में 10 रुपए प्रति लीटर की कटौती किए जाने से महंगाई को काबू में रखा जा सकेगा। साथ ही आवश्यक वस्तु अधिनियम लागू किया गया है। साथ ही सरकार ने किसी भी तरह के लॉकडाउन की स्थिति से इंकार किया। उल्लेखनीय है कि इन दिनों पश्चिम एशिया में बढ़ते युद्ध के परिप्रेक्ष्य में वैश्विक क्रेडिट रेटिंग एजेंसियों व वैश्विक संगठनों की रिपोर्टों में भारत की विकास दर में कुछ कमी के अनुमान प्रस्तुत किए जा रहे हैं। जहां वैश्विक रेटिंग एजेंसी गोल्डमैन सैक्स के द्वारा वित्त वर्ष 2026-27 के लिए भारत की विकास दर का अनुमान 7 प्रतिशत से घटाकर 6.5 प्रतिशत किया गया है, वहीं आईसीआईसीआई बैंक ने भी विकास दर अनुमान को आधा फीसदी घटाकर 7 प्रतिशत कर दिया है। 25 मार्च को प्रकाशित एसएंडपी ग्लोबल रेटिंग्स ने अपनी रिपोर्ट में वर्ष 2026-27 के लिए भारत की विकास दर का अनुमान 7.1 प्रतिशत कर दिया है। इन विभिन्न रिपोर्टों के मुताबिक कच्चे तेल के वैश्विक दाम बढऩे और आपूर्ति बाधित होने के कारण भारत के ऊर्ज़ा आयात बिल में जबरदस्त उछाल की आशंका मंडरा रही है। साथ ही निर्यात में कमी और महंगाई में बढ़ोतरी संबंधी चुनौतियों के कारण भारतीय अर्थव्यवस्था की संतुलित स्थिति के सामने भी खतरा बढ़ रहा है। लेकिन युद्ध की ऐसी चुनौतियों के बीच भी भारत की कुछ ऐसी प्रभावी आर्थिक अनुकूलताएं उभरकर दिखाई दे रही हैं, जो भारत की विकास दर को तेजी से घटने से बचाने और अर्थव्यवस्था तथा आम आदमी के लिए राहतकारी हैं। दुनिया में तेजी से बढ़ती कच्चे तेल की कीमतों के बीच भी देश में सामान्य पेट्रोल-डीजल की कीमतें नहीं बढ़ी हैं। देश में खुदरा महंगाई भारतीय रिजर्व बैंक के निर्धारित 4 प्रतिशत के लक्ष्य से भी कम है। सरकार ने महंगाई को नियंत्रित रखने तथा आम आदमी पर इसके प्रभाव को कम से कम करने के मद्देनजर आवश्यक खाद्य वस्तुओं के लिए बफर स्टॉक बढ़ाने, खुले बाजार में खरीदे गए खाद्यान्न की रणनीतिक बिक्री करने और जरूरी आयात की सुविधा जैसे कई रणनीतिक कदम उठाए हैं। सरकार 19 मार्च को निर्यातकों को राहत देने के लिए 497 करोड रुपए की रेजिलिएंस एंड लॉजिस्टिक इंटरवेंशन फॉर एक्सपोर्ट फैसिलिटेशन (रिलीफ) योजना लेकर आई है। इसका उद्देश्य ऐसे निर्यातकों को मदद देना है, जो माल ढुलाई लागत और बीमा प्रीमियम में बढ़ोतरी तथा युद्ध से जुड़े निर्यात जोखिमों का सामना कर रहे हैं। इस योजना के तहत एमएसएमई निर्यातक विशेष रूप से लाभान्वित होंगे। साथ ही खाड़ी के देशों में जाने वाले सामानों का बीमा खर्च भी सरकार उठाएगी। यह बात भी महत्वपूर्ण है कि भारत के पास पेट्रोलियम पदार्थों की कुल मिलाकर 74 दिनों की भंडारण क्षमता है, जिसमें से वर्तमान में लगभग 60 दिनों का स्टॉक उपलब्ध है। इसमें कच्चा तेल, पेट्रोलियम उत्पाद और भूमिगत रणनीतिक भंडार शामिल हैं। एलपीजी के घरेलू उत्पादन में 40 प्रतिशत की वृद्धि की गई है। सरकार पाइप्ड नेचुरल गैस (पीएनजी) को भी बढ़ावा दे रही है। भारत रोजाना 92 मिलियन क्यूबिक मीटर (एमएमएससीएमडी) गैस खुद पैदा करता है, जबकि कुल जरूरत 191 मिलियन क्यूबिक मीटर प्रति दिन है, जिससे भारत एलपीजी की तुलना में गैस पर आयात के मामले में काफी कम निर्भर है। यह भी कोई छोटी बात नहीं है कि ईरान ने भारत के गैस और तेल लेकर आने वाले जहाजों को होर्मुज स्ट्रेट से गुजरने की इजाजत दे दी है। इतना ही नहीं, रूस से भारत की दोस्ती इस संकट के समय भी काम आ रही है। रूस ने भारत को कच्चा तेल ही नहीं, तरलीकृत प्राकृतिक गैस दिए जाने पर भी सहमति व्यक्त की है। भारत अमेरिका तथा रूस सहित अन्य देशों से अधिक मात्रा में कच्चे तेल की खरीदी बढ़ाने हेतु वैकल्पिक रणनीति पर काम कर रहा है। पहले भारत 27 देशों से कच्चा तेल खरीदता था, अब इन देशों की संख्या बढक़र 41 हो गई है। इन अनुकूलताओं के अलावा इस समय भारत के पास विशाल खाद्यान्न भंडार और जरूरत की दवाइयों का पर्याप्त स्टॉक आर्थिक अनुकूलताओं के रूप में दिखाई दे रहा है। पिछले वर्ष 2024-25 में भारत में 35.70 करोड़ टन खाद्यान्न का रिकॉर्ड उत्पादन हुआ है और इस वर्ष 2025-26 में इससे भी अधिक खाद्यान्न उत्पादन की संभावना है। भारतीय खाद्य निगम (एफसीआई) के पास केंद्रीय पूल में मार्च 2026 के अंत तक लगभग 182 लाख टन गेहूं और 600 लाख टन चावल उपलब्ध हो जाने का अनुमान है। इस समय देश के 80 करोड़ से अधिक कमजोर वर्ग के लोगों को निशुल्क खाद्यान्न वितरित किया जा रहा है। इस समय जब ईरान और इजराइल-अमेरिका युद्ध से दुनिया में खाद्य पदार्थों की कीमतें बढ़ रही हैं और खाद्यान्न आपूर्ति में व्यवधान है, तब भारत का रिकॉर्ड खाद्यान्न उत्पादन और रिकॉर्ड खाद्य प्रसंस्करण उत्पाद एक मजबूत हथियार दिखाई दे रहे हैं। उम्मीद करें कि सरकार पश्चिम एशिया में विस्तारित होते युद्ध के बीच देश के आम आदमी को आर्थिक मुश्किलों से बचाने और अर्थव्यवस्था की गिरावट रोकने के लिए और अधिक रणनीतिक रूप से आगे बढ़ेगी। देश में जमाखोरी और कालाबाजारी को रोकेगी।

हिंसा से व्याकुल दुनिया को महावीर का मार्गदर्शन

योगेश कुमार गोयल

भगवान महावीर का दर्शन इस मूल विचार पर आधारित है कि संसार का प्रत्येक जीव समान है और सभी में आत्मा का वास है। उन्होंने यह स्पष्ट किया कि किसी भी जीव को पीड़ा देना स्वयं अपने अस्तित्व को आहत करना है। आज जब पर्यावरण संकट, जलवायु परिवर्तन और जैव विविधता के विनाश जैसी समस्याएं हमारे सामने खड़ी हैं, तब महावीर का यह सिद्धांत अत्यंत सार्थक प्रतीत होता है कि पेड़-पौधे, जल, वायु और अग्नि भी चेतन तत्व हैं और उनके प्रति भी संवेदनशीलता आवश्यक है। महावीर स्वामी ने केवल उपदेश ही नहीं दिए बल्कि अपने जीवन से यह सिद्ध किया कि संयम, तप और आत्मानुशासन के माध्यम से मनुष्य अपने भीतर की अशुद्धियों को दूर कर सकता है।

'अहिंसा परमो धर्मः' का उद्घोष करने वाले भगवान महावीर का जीवन और दर्शन केवल एक धार्मिक परंपरा तक सीमित नहीं है बल्कि यह सम्पूर्ण मानवता के लिए शाश्वत मार्गदर्शक सिद्धांतों का स्रोत है। आज का युग विज्ञान, तकनीक और भौतिक उपलब्धियों के शिखर पर अवश्य पहुंच गया है लेकिन इसके साथ ही मानवता नैतिक, मानसिक और पर्यावरणीय संकटों से भी जूझ रही है। ऐसे समय में भगवान महावीर के उपदेश और अमृतवाणी पहले से कहीं अधिक प्रासंगिक हो उठती है। आधुनिक जीवन की आपाधापी में मनुष्य अपने स्वार्थ, लोभ और अहंकार के वशीभूत होकर ऐसे निर्णय लेने लगा है, जो न केवल उसके अपने जीवन को प्रभावित करते हैं बल्कि समाज और प्रकृति के संतुलन को भी बिगाड़ देते हैं। हिंसा आज केवल शारीरिक रूप तक सीमित नहीं रही बल्कि विचारों, शब्दों और व्यवहार में भी व्याप्त हो चुकी है। प्रतिस्पर्धा की अंधी दौड़ में व्यक्ति संवेदनहीन होता जा रहा है। ऐसे परिदृश्य में महावीर स्वामी का अहिंसा दर्शन मानवता को करुणा, सहिष्णुता और आत्मसंयम की ओर लौटने का आह्वान करता है।

भगवान महावीर का दर्शन इस मूल विचार पर आधारित है कि संसार का प्रत्येक जीव समान है और सभी में आत्मा का वास है। उन्होंने यह स्पष्ट किया कि किसी भी जीव को पीड़ा देना स्वयं अपने अस्तित्व को आहत करना है। आज जब पर्यावरण संकट, जलवायु परिवर्तन और जैव विविधता के विनाश जैसी समस्याएं हमारे सामने खड़ी हैं, तब महावीर का यह सिद्धांत अत्यंत सार्थक प्रतीत होता है कि पेड़-पौधे, जल, वायु और अग्नि भी चेतन तत्व हैं और उनके प्रति भी संवेदनशीलता आवश्यक है। महावीर स्वामी ने केवल उपदेश ही नहीं दिए बल्कि अपने जीवन से यह सिद्ध किया कि संयम, तप और आत्मानुशासन के माध्यम से मनुष्य अपने भीतर की अशुद्धियों को दूर कर सकता है। उन्होंने कर्म के सिद्धांत को स्पष्ट करते हुए कहा कि प्रत्येक व्यक्ति अपने कर्मों के लिए स्वयं उत्तरदायी है। कर्म ही जीवन की दिशा निर्धारित करते हैं और उसी के अनुसार जीव विभिन्न योनियों में भ्रमण करता है। यह विचार आज के समय में व्यक्ति को अपने आचरण के प्रति सजग और जिम्मेदार बनने की प्रेरणा देता है।

उनकी अमृतवाणी में जीवन के हर पहलू के लिए मार्गदर्शन निहित है। वे कहते हैं कि संसार के सभी प्राणी बराबर हैं, इसलिए 'जीओ और जीने दो' का सिद्धांत अपनाना चाहिए। यह केवल एक नैतिक उपदेश नहीं बल्कि सामाजिक सद्भाव और शांति का आधार है। यदि समाज में हर व्यक्ति इस सिद्धांत को आत्मसात कर ले तो हिंसा, द्वेष और संघर्ष स्वतः समाप्त हो सकते हैं। महावीर स्वामी ने यह भी कहा कि अहिंसा से बड़ा कोई व्रत नहीं है। आज जब युद्ध, आतंकवाद और सामाजिक हिंसा विश्व के विभिन्न हिस्सों में व्याप्त हैं, तब यह संदेश अत्यंत महत्वपूर्ण हो जाता है। उन्होंने स्पष्ट किया कि जो व्यक्ति स्वयं हिंसा करता है, दूसरों से करवाता है या हिंसा का समर्थन करता है, वह अपने लिए शत्रुता और दुःख का बीज बोता है। यह विचार आधुनिक समाज में नैतिक जिम्मेदारी और सामाजिक उत्तरदायित्व की भावना को सुदृढ़ करता है। उनका धर्म केवल कर्मकांड तक सीमित नहीं था बल्कि आंतरिक शुद्धता पर आधारित था। उन्होंने कहा कि धर्म का स्थान आत्मा की पवित्रता में है, बाहरी आडंबर उसमें सहायक तो हो सकते हैं परंतु अनिवार्य नहीं। यह विचार आज के समय में विशेष रूप से महत्वपूर्ण है, जब धर्म का स्वरूप कई बार बाहरी प्रदर्शन तक सीमित हो जाता है। महावीर का संदेश हमें सच्चे धर्म की ओर लौटने का मार्ग दिखाता है, जहां आत्मा की शुद्धता और आचरण की पवित्रता ही सर्वोपरि है। महावीर स्वामी ने मानव मन के चार प्रमुख दोषों (क्रोध, मान, माया और लोभ) को जीवन के पतन का कारण बताया। उन्होंने कहा कि क्रोध प्रेम को नष्ट करता है, अहंकार ज्ञान को, छल मित्रता को और लोभ सभी गुणों को समाप्त कर देता है। आज के तनावपूर्ण जीवन में यह शिक्षाएं अत्यंत उपयोगी हैं। यदि व्यक्ति इन दोषों पर नियंत्रण कर ले तो उसका जीवन संतुलित और सुखमय बन सकता है। उनकी वाणी में सामाजिक समानता का भी स्पष्ट संदेश मिलता है। उन्होंने कहा कि जन्म से नहीं बल्कि कर्म से व्यक्ति महान बनता है। यह विचार सामाजिक न्याय और समानता की भावना को मजबूत करता है। आधुनिक लोकतांत्रिक मूल्यों के संदर्भ में भी यह सिद्धांत अत्यंत प्रासंगिक है। महावीर स्वामी ने सेवा को सर्वोच्च धर्म बताया। उन्होंने कहा कि रोगियों और पीड़ितों की सेवा करना प्रभु की सेवा से भी बढ़कर है। आज जब समाज में संवेदनहीनता बढ़ती जा रही है, तब यह संदेश मानवता को पुनः जागृत करने का कार्य करता है। कोरोना महामारी जैसे संकटों के दौरान हमने देखा कि सेवा और सहानुभूति ही समाज को संभालने का सबसे बड़ा आधार बनी। उनकी शिक्षाओं में स्त्री-पुरुष समानता का भी उल्लेख मिलता है। उन्होंने स्पष्ट कहा कि मुक्ति पाने का अधिकार सभी को समान रूप से है। यह विचार आज के समय में लैंगिक समानता के संदर्भ में अत्यंत महत्वपूर्ण है। महावीर स्वामी का दर्शन हमें यह भी सिखाता है कि धैर्य और सहनशीलता के बिना अहिंसा का पालन संभव नहीं है। जो व्यक्ति विपरीत परिस्थितियों में अपना धैर्य खो देता है, वह सच्चे अर्थों में अहिंसक नहीं हो सकता। यह शिक्षा आज के तनावपूर्ण और प्रतिस्पर्धात्मक जीवन में मानसिक संतुलन बनाए रखने की प्रेरणा देती है। उनकी अमृतवाणी का सार यह है कि मन, वचन और कर्म से किसी भी प्राणी को कष्ट न पहुंचाया जाए। यही सच्चा धर्म है और यही जीवन की सर्वोच्च साधना है। उन्होंने यह भी कहा कि आत्मा अमर है, शरीर नश्वर है और जीवन का अंतिम लक्ष्य आत्मा की मुक्ति है। यह विचार व्यक्ति को आध्यात्मिक दृष्टि प्रदान करता है और जीवन के वास्तविक उद्देश्य को समझने में सहायता करता है। आज के समय में, जब मानवता अनेक चुनौतियों से जूझ रही है, चाहे वह नैतिक पतन हो, पर्यावरणीय संकट हो या मानसिक अशांति, भगवान महावीर की शिक्षाएं एक प्रकाश स्तंभ की तरह मार्गदर्शन करती हैं। उनका दर्शन न केवल व्यक्तिगत जीवन को सुधारने का मार्ग दिखाता है बल्कि समाज और विश्व में शांति, सद्भाव और संतुलन स्थापित करने की प्रेरणा भी देता है। महावीर जयंती केवल एक धार्मिक उत्सव नहीं बल्कि आत्ममंथन और आत्मसुधार का अवसर है। यह हमें अपने भीतर झांकने और यह विचार करने का अवसर देती है कि क्या हम वास्तव में अहिंसा, सत्य, संयम और करुणा के मार्ग पर चल रहे हैं। यदि हम भगवान महावीर के सिद्धांतों को अपने जीवन में अपनाएं तो न केवल हमारा व्यक्तिगत जीवन सार्थक होगा बल्कि समाज और विश्व भी अधिक शांतिपूर्ण और मानवीय बन सकेगा। अतः यह कहना अतिशयोक्ति नहीं होगी कि भगवान महावीर की अमृतवाणी सदैव प्रासंगिक रहेगी। यह मानवता के लिए एक ऐसी अमूल्य धरोहर है, जो समय, परिस्थिति और युग की सीमाओं से परे जाकर हर युग में मार्गदर्शन करती रहेगी।

विकसित उत्तर प्रदेश की नई पहचान बनेगा जेवर एयरपोर्ट

मृत्युंजय दीक्षित

उत्तर प्रदेश में अगले साल होने वाले विधानसभा चुनाव से पूर्व विकास योजनाओं के लोकार्पण की लहर चल रही है। इसी क्रम में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 28 मार्च को जेवर अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट (नोएडा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा) राष्ट्र को समर्पित किया। यह एयरपोर्ट आधुनिकतम सुविधाओं का अद्भुत संगम होगा। यहां से पहली उड़ान उत्तर प्रदेश सरकार के विमान ने भरी, जिसमें प्रदेश की राज्यपाल आनंदी बेन पटेल और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ यात्री बने। इस एयरपोर्ट से चार सप्ताह बाद यात्रियों के लिए नियमित उड़ानें प्रारंभ हो जाएंगी। नोएडा में अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे की स्थापना का प्रस्ताव 2001 में प्रदेश के तत्कालीन मुख्यमंत्री व वर्तमान रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने रखा था किंतु निहित राजनीतिक कारणों से यह अधर में लटका रहा। इस प्रकार इस परियोजना के प्रथम चरण के ही पूर्ण होने में 25 वर्ष लग गए, जिस कारण उत्तर प्रदेश के साथ साथ दिल्ली-एनसीआर क्षेत्र का विकास भी अटका रहा।

जेवर एयरपोर्ट के लोकार्पण के अवसर पर प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि नोएडा एयरपोर्ट के साथ ही विकसित यूपी और विकसित भारत अभियान का एक नया अध्याय शुरू हो गया है। यूपी अब देश के सबसे अधिक अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट वाले राज्यों में से एक हो गया है। महत्वपूर्ण बात यह है कि जेवर एयरपोर्ट के लोकार्पण के पूर्व ही केंद्र सरकार ने उड़ान 2.0 योजना को मंजूरी प्रदान की है जिसके अंतर्गत 100 नए एयरपोर्ट व 200 नये हेलीपैड बनेंगे जिसके लिए 29,000 करोड़ रुपए स्वीकृत किये गये हैं। इससे युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर भी खुलेंगे। प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व वाली सरकार का सपना है कि हवाई चप्पल वाले भी हवाई यात्रा का सुगम आनंद ले सकें और उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार उड़ान 1.0 योजना में 1.6 करोड़ लोगों ने हवाई यात्रा की है।प्रधानमंत्री ने कहा कि विकसित भारत के लिए सबका प्रयास जरूरी है इस परियोजना के लिए किसानों ने भी अपनी जमीन दी है।आधुनिक कनेक्टिविटी का जो विस्तार हो रहा है उसे पश्चिम यूपी में फूड प्रोसेसिंग को बल मिलेगा और यहां के कृषि उत्पाद दुनिया के बाजारों में और बेहतर तरीके से पहुंच सकेंगे। जेवर एयरपोर्ट की अहम विशेषताएं: जेवर एयरपोर्ट एशिया का सबसे बड़ा एयरपोर्ट होगा तथा प्रथम चरण में ही यह 1.2 करोड़ यात्रियों को एक रन-वे से सेवा प्रदान करने की क्षमता रखता है। यह देश का पहला ग्रीनफील्ड एयरपोर्ट होगा जो सौर ऊर्ज़ा का उपयोग करेगा और कार्बन उत्सर्जन को कम करेगा। इस एयरपोर्ट में आगामी चरणों में 5 रन-वे का निर्माण होने के बाद यात्री क्षमता बढ़कर 22.5 करोड़ यात्री प्रतिवर्ष हो जाएगी। यह एयरपोर्ट पूरी तरह से डिजी यात्रा ऐप के माध्यम से चलेगा। एयरपोर्ट में आईएलएस कैट -3 सिस्टम है जिससे घने कोहरे में भी विमान आसानी से उतर सकेंगे। इस एयरपोर्ट में अत्याधुनिक तकनीक का उपयोग किया गया है जिसमें यात्रियों के लिए डिजी लॉकर आधारित बायोमैट्रिक चेक इन फ़ेस स्कैन से प्रवेश और एआई आधारित सुरक्षा होगी। यहां 3900 मीटर लंबा रन-वे होगा जो बड़े विमानों का संचालन कर सकेगा। यह यमुना एक्सप्रेस वे से सीधा जुड़ा है और इसे मेट्रो रेल और प्रस्तावित रैपिड रेल से जोड़ने की योजना है। यहां यात्रियों के लिए प्रवेश से लेकर बोर्डिंग गेट तक पहुंचने की प्रक्रिया बहुत तेज होगी जो लगभग 20 मिनट में पूरी हो सकती है। यहां पर 30 एकड़ में कार्गो टर्मिनल का भी निर्माण किया गया है जिस पर 800 करोड़ रुपये की लागत आई है तथा 48 चेक इन प्वाइंट बनाए गए हैं। यहां की मल्टीमाइल कार्गो सुविधा की क्षमता आरम्भ में 2.5 लाख मीटिक टन माल की ढुलाई की है ,जिसे बढ़ाकर 18 लाख मीट्रिक टन किया जा सकता है। यहां पर 57 एकड़ में 700 करोड़ की लागत से वेयर हाउस एवं लॉजिस्टिक सुविधा विकसित की गई है। इस एयरपोर्ट के प्रथम चरण के निर्माण में 11200 करोड़ की लागत आई है।

मोदी पर व्यक्तिगत प्रहार टिकेगा नहीं!

विक्रम उपाध्याय

जब पूरी दुनिया अपने अस्तित्व पर चुनौती महसूस कर बचाव के लिए संघर्ष करने में लगी है, तो भारत में अस्तित्वहीन पड़ा विपक्ष अपने लिए इस संकट की घड़ी को सत्ता में लौटने का एक अवसर मान रहा है। ईरान के खिलाफ अमेरिका और इजराइल की जंग में जब हर देश में राजनीतिक रूप से पक्ष विपक्ष एक टेबल पर बैठ कर चुनौतियों से पार पाने का दम भर रहा है, तो भारत में विपक्ष और विरोधियों की ओर से सरकार के मुखिया पर सबसे भीषण प्रहार किया जा रहा है, केवल नीतिगत ही नहीं, व्यतिगत रूप से भी, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की गरिमा और विश्वसनीयता को चोट पहुंचाने का प्रयास किया जा रहा है।

एक तरफ उन्हें कमजोर प्रधानमंत्री ठहराने का एक बड़ा अभियान शुरू किया गया है, तो दूसरी तरफ उनके व्यक्तित्व और आचरण को ही तार-तार करने का षड्यंत्र रचा रहा है। वैसे ही जैसे 2013 में कोबरापोस्ट और गुलेल द्वारा किसी नारी की निजता भंग करने के आरोप के सहारे मोदी की छवि बिगाड़ने का एक प्रयास किया गया था। लेकिन प्रधानमंत्री मोदी बिना विचलित हुए ईरान और अरब दोनों के साथ अद्भुत सामंजस्य बिठाते हुए, केवल भारतीयों की सुरक्षा और देश की ऊर्ज़ा संरक्षता के लिए दिन-रात एक किए हुए हैं। विपक्ष के कुछ बड़े नेता पहले भी कुछ विदेशी ताकतों के साथ मिलकर प्रधानमंत्री मोदी और गृहमंत्री अमित शाह के खिलाफ निजता भंग करने के आरोप लगाते रहे हैं, उनमें ही एक आरोप प्रयास पेगासस स्पाइवेयर के इस्तेमाल के जरिए जासूसी करने का भी रहा, मामला उच्चतम न्यायालय (सुप्रीम कोर्ट) तक गया। वहां विरोधियों की दाल नहीं गली, और वे झटका खा कर लौट आए। वर्तमान सरकार के मुखिया विपक्ष के नेताओं से खुद को असुरक्षित महसूस कर रहे हैं, यह बात आम लोगों को भी हास्यास्पद लगी। विपक्ष में इस समय कोई ऐसा नेता नहीं है, जो प्रधानमंत्री मोदी की व्यक्तिगत छवि पर दाग लगाने और जनता में उसकी विश्वसनीयता स्थापित करने का माद्दा रखता है। कारण केवल यह नहीं कि विपक्ष के किसी नेता की इतनी हैसियत नहीं है एक राजनीतिज्ञ के नाते नरेन्द्र मोदी द्वारा स्थापित अपने सार्वजनिक जीवन के मानदंड पर उंगली उठा सके, बल्कि मोदी की जीवनशैली ऐसी रही है, कि वहां किसी तरह की कोई शंका की गुंजाइश ही नहीं बनती है। मोदी जब सत्ता की राजनीति के नायक बने तब उम्र की 50 वीं दहलीज पार कर चुके थे। उसके पहले वे या तो संघ के काम में देश भर के संघ कार्यालयों में रहे या फिर भाजपा की व्यवस्था में। निजी जिंदगी और निजता के संरक्षण का कोई विकल्प भी अपने लिए नहीं चुना। मीडिया में भी सुब्रमण्यम स्वामी को छोड़कर किसी और राजनीतिज्ञ ने प्रधानमंत्री मोदी के बारे में अनर्गल टिप्पणी नहीं की। स्वामी ने तो अटल बिहारी वाजपेयी के बारे में भी कई ऐसी टिप्पणियां की हैं और इसके कारण ही उन्होंने एक गंभीर राजनेता की पहचान खो दी है। प्रधानमंत्री मोदी लगभग 25 वर्षों से विपक्ष के लिए एक बड़ी समस्या बने हुए हैं। काम के मामले में कोई उन्हें चुनौती दे नहीं पा रहा है। राजनीति के मैदान में वे विपक्ष की पकड़ से बहुत आगे निकल गए हैं। इसीलिए विरोधी राजनतिक पार्टियां जनता में मोदी के प्रति बनी धारणा को ही कमजोर करने की जरूरत शिद्दत के साथ महसूस कर रही हैं। कांग्रेस का नेतृत्व

चुनावी मुकाबले में कमजोर और अक्षम सिद्ध हो चुका है। प्रधानमंत्री के साथ विकास के मुद्दे पर कांग्रेस बहस से भी बचती है। जनता से किये हर वादे पर भी मोदी खरे उतरते हैं। हर भारतीय को मोदी सरकार के कारण अपने अपने जीवन में कोई ठोस सुधार दिखाई देता है। 12 साल के केंद्र में शासन में किसी भ्रष्टाचार या घोटाला का नाम तक नहीं आया। इसलिए ही मोदी की व्यक्तिगत छवि पर लगातार हमले की रणनीति पर विपक्ष अब काम कर रहा है और मोदी के जीवन के कुछ पहलुओं को बुरा दिखाने का प्रयास कर रहा है, ताकि लोगों के मन में कुछ सवाल पैदा कर सके। पर वे शायद भूल रहे हैं कि उनके इस बचकाने रवैये से उनकी थोड़ी-बहुत साख जो बची है उसे भी गंवा बैठेंगे। कांग्रेस के रणनीतिकारों ने देश-विदेश के अपने सलाहकारों से मंत्रणा करने के बाद शायद यह तय कर लिया है कि मोदी को कमजोर करने के लिए एंटी परसेप्शन मैनेजमेंट पर ही सारा जोर देना होगा और सोशल मीडिया के जरिए उनकी व्यक्तिगत छवि पर आघात करना होगा। कांग्रेस के लिए यह रणनीति कितना काम करेगी यह तो आने वाला ही समय बताएगा, लेकिन ग्रामीण मतदाताओं के बीच इस मुकाबले को ले जाने की चुनौती बहुत बड़ी होगी। प्रधानमंत्री मोदी ने ग्रामीणों को आर्थिक सहायता देने के मामले में कांग्रेस से बहुत ज्यादा बेहतर तरीके से काम किया है और प्रधानमंत्री मोदी की लोकप्रियता इसी से सबसे ज्यादा स्थापित भी हुई है। वहां भाजपा की छवि धूमिल करना कांग्रेस के लिए टेढ़ी खीर साबित होगी। कांग्रेस के अपने पास मोदी पर व्यक्तिगत लांछन लगाने वाले विश्वसनीय चेहरे भी नहीं हैं, क्योंकि महिलाओं के प्रति कांग्रेस नेताओं के दुर्व्यवहार और जहरीले बोल की एक लंबी फ़ेहरिस्त है। पीछे की छोड़िए वर्तमान के ही कई कांग्रेसी नेता महिलाओं के मान मर्दन के आरोपी हैं। नाम लीजिए राहुल गांधी के करीबी रणदीप सुरजेवाला का, उन्होंने भाजपा सांसद हेमा मालिनी के राजनीतिक योगदान पर अभद्र टिप्पणी की थी। नाम लीजिए कांग्रेस प्रवक्ता सुप्रिया श्रीनेत का, उन्होंने 2024 के आम चुनाव के दौरान हिमाचल प्रदेश के मंडी से भाजपा उम्मीदवार कंगना रनौत का भाव पूछ लिया था। कर्नाटक के एक कांग्रेस नेता ने महिलाओं को घर पर खाना बनाने तक ही रखने की सलाह दे डाली थी। बंगाल के वरिष्ठ कांग्रेस नेता अधीर रंजन चौधरी ने तो राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु को भी नहीं बख्शा, उन्हें राष्ट्रपत्नी बना डाला। कांग्रेस की एक पूर्व नेता चेरियन फिलिप ने तो यहां तक कह दिया था कि कांग्रेस के टिकट यौन लाभ के बदले भी दिए जाते थे। अब मधु किश्वर के सोशल मीडिया पर प्रधानमंत्री मोदी के बारे में एक सनसनी रिपोर्ट प्रकाशित किये जाने पर विपक्ष के नेता फूले नहीं समा रहे हैं। कांग्रेस महिला मोर्चा की नेता अलका लांबा हों या तृणमूल कांग्रेस की मोईया मित्रा सबने अपने-अपने तरीके से मोदी के बारे में भ्रामक जानकारी फैलाने का सिलसिला शुरू कर दिया। अब मीडिया वाले ही बता रहे हैं कि मधु किश्वर पहले भी कई गलत या भ्रामक पोस्ट कर चुकी हैं। जाहिर है कांग्रेस का उद्देश्य बिना किसी पूर्ण शोध के जंगल की आग की तरह भ्रम फैलाना है। कांग्रेस पहले भी ब्लैक लाइव्स मैटर की तरह देश में जाति आधारित आंदोलन को, काले कानून के नाम पर किसानों के आंदोलन को और कोविड के दौरान एंटी-लॉकडाउन प्रोटेस्ट को हवा देकर प्रधानमंत्री मोदी को कमजोर करने की कोशिश कर चुकी है।

प्रभात समय हिन्दी दैनिक, स्वामी सुधीर कुमार श्रीवास्तव के लिए व उनकी ओर से प्रकाशक एवं मुद्रक सय्यद मोहम्मद परवेज़ अशरफ ने सहाफत प्रेस सलेमपुर हाउस 25 कैसरबाग लखनऊ से छपवा कर 3/717 वास्तु खण्ड गोमती नगर से प्रकाशित किया।
सम्पादक: सुधीर कुमार श्रीवास्तव, प्रबन्धक: आस्था श्रीवास्तव, मोबाइल: 9415089955

अमेठी में लव जिहाद और धर्म परिवर्तन का दबाव बनाने के दो आरोपित गिरफ्तार

❐ मोहम्मद अनस और इरफान नाबालिग लड़की को फंसा कर धर्म परिवर्तन का डाल रहे थे दबाव

प्रभात समय संवाददाता

अमेठी। उत्तर प्रदेश के अमेठी जिले के बाजार शुक्ल थाना क्षेत्र अंतर्गत एक गांव से लव जिहाद का मामला सामने आया है। इस मामले में थाना स्थानीय पुलिस द्वारा तत्काल प्रभाव से कार्यवाही करते हुए दो अभियुक्तों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। इनके नाम मोहम्मद अनस पुत्र मोहम्मद साबिर खान निवासी ग्राम किशनी थाना बाजार शुकुल तथा इरफान पुत्र रऊफ निवासी शेखवापुर थाना बाजार शुकुल हैं।

बाजार शुक्ल थाना क्षेत्र अंतर्गत एक गांव निवासी नाबालिग लड़की के परिजनों ने थाने पर तहरीर देकर मुकदमा पंजीकृत करवाया था कि दो आरोपितों ने उसकी नाबालिग पुत्री को बहला फुसलाकर प्रेम जाल में फंसाते हुए विधि विरुद्ध धर्म परिवर्तन करने का दबाव बना रहे हैं। जिस पर बाजार शुकुल थाने की पुलिस ने मामले की जांच करते हुए तत्काल सुसंगत धाराओं में मुकदमा पंजीकृत कर लिया। अपराधियों के खिलाफ चलाए जा रहे ल्लऑपरेशन चक्रव्यूहङ्क अभियानङ्क के तहत थाना बाजार शुकुल पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर त्वरित कार्रवाई करते हुए 24 घंटे के भीतर दोनों आरोपितों को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने अभियुक्त के कब्जे से एक एंड्रॉयड मोबाइल फोन भी बरामद किया है।

बाजार शुक्ल थाने के प्रभारी विवेक कुमार वर्मा ने मंगलवार को बताया कि गिरफ्तार अभियुक्तों में मोहम्मद अनस पुत्र मोहम्मद साबिर खान निवासी ग्राम किशनी थाना बाजार शुकुल तथा इरफान पुत्र रऊफ निवासी शेखवापुर थाना बाजार शुकुल शामिल हैं। दोनों अभियुक्त थाना बाजार शुकुल में दर्ज मुकदमा अपराध संख्या 70/26 से संबंधित मामले में वांछित थे। इनके खिलाफ बीएनएस की विभिन्न धाराओं के तहत मुकदमा दर्ज है, जिसमें 3/4 पास्को एक्ट एवं उत्तर प्रदेश विधि विरुद्ध धर्म संपरिवर्तन प्रतिषेध अधिनियम 2021 की धाराएं शामिल हैं। थाना बाजार शुकुल पुलिस द्वारा विधिक कार्रवाई की जा रही है।

'मानव तस्करी निरोधक' पर किया जागरूक

प्रभात समय संवाददाता

प्रयागराज। महिलाओं एवं बच्चों की सुरक्षा सुनिश्चित करने तथा मानव तस्करी जैसे गंभीर अपराध पर प्रभावी अंकुश लगाने के उद्देश्य से मंगलवार को प्रयागराज के मुंडेरा स्थित एक होटल में एक विशेष जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

राष्ट्रीय महिला आयोग और रेलवे सुरक्षा बल उत्तर मध्य रेलवे के संयुक्त प्रयास से आयोजित कार्यक्रम में विशेषज्ञों द्वारा मानव तस्करी की पहचान, इसकी रोकथाम के उपाय और पीड़ितों के बचाव एवं सहायता से जुड़े महत्वपूर्ण पहलुओं पर विस्तार से चर्चा की गई। वक्ताओं ने इस बात पर विशेष बल दिया कि तस्करों द्वारा अक्सर परिवहन के साधनों का उपयोग किया जाता है, इसलिए रेलवे स्टेशनों और ट्रेनों के भीतर किसी भी संदिग्ध गतिविधि पर सतर्क निगरानी रखना अत्यंत आवश्यक है।

सेमिनार में इस जागरूकता अभियान को जमीनी स्तर पर प्रभावी बनाने के लिए रेलवे से जुड़े उन सभी वर्गों को शामिल किया गया, जो यात्रियों के सीधे संपर्क में रहते हैं। कार्यक्रम में 160 आरपीएफ कर्मी, 24 जीआरपी जवान, 25 वाणिज्य विभाग के कर्मचारी, 10 वेंडर, 08 कुली एवं 03 पुलिसकर्मी उपस्थित रहे।

वरिष्ठ जनसम्पर्क अधिकारी अमित मालवीय ने बताया कि कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य रेलवे परिसरों में कार्यरत सभी एजेंसियों और फ्रंटलाइन कर्मियों (जैसे वेंडर, कुली और टिकट चेकिंग स्टाफ) को मानव तस्करी की घटनाओं के प्रति जागरूक एवं संवेदनशील बनाना था। इसके साथ ही, इस जघन्य अपराध को रोकने के लिए विभिन्न सुरक्षा एजेंसियों और रेलवे विभागों के बीच आपसी समन्वय को सुदृढ़ करना इस पहल का प्रमुख लक्ष्य है। कार्यक्रम में कई गणमान्य अतिथियों और वरिष्ठ अधिकारियों ने प्रतिभागिता की, जिनमें मुख्य रूप से राज्य महिला आयोग अध्यक्षा बबीता चौहान, डॉ. सरफराज अहमद खान, अजीत सिंह, गुड़िया एनजीओ, मंडल रेल प्रबंधक रजनीश अग्रवाल, प्रदीप कुमार गुप्ता, प्रधान मुख्य सुरक्षा आयुक्त उत्तर मध्य रेलवे, मुख्य सुरक्षा आयुक्त एवं वरिष्ठ मंडल सुरक्षा आयुक्त आदि उपस्थित रहे।

बारिश से बदला मौसम, ओलावृष्टि से किसानों को टेंशन

प्रभात समय संवाददाता

हाथरस। मंगलवार शाम मौसम ने अचानक करवट बदली। दिनभर की उमस और तेज गर्मी के बाद शाम तेज आंधी के साथ बूंदाबांदी शुरू हो गई। बारिश के दौरान ही हल्की सी ओलावृष्टि भी हुई। इससे मौसम सुहावना हो गया और लोगों को गर्मी से राहत मिली। देर रात भी झमाझम बारिश हुई। वहीं गेंहू की फसल को लेकर किसानों के माथे पर चिंता की लकीरे साफ देखी जा सकती हैं।

इस दौरान चने के आकार के ओले भी गिरे। मौसम विभाग की चेतावनी के अनुसार, दोपहर बाद से ही आसमान में बादल छाने लगे थे। शाम होते-होते तेज हवाओं ने पूरे क्षेत्र का माहौल बदल दिया। पश्चिमी विक्षोभ के प्रभाव से उत्तर भारत के कई हिस्सों में ऐसे ही हालात बने रहे। तेज हवाओं के कारण बाजार में अफरा-तफरी मच गई। धूल भरी आंधी और बारिश की आशंका को देखते हुए कई दुकानदारों ने अपना सामान समेट लिया। सड़क किनारे लगे ठेले और अस्थायी दुकानों के मालिकों को विशेष परेशानी का सामना करना पड़ा। कुछ स्थानों पर हवा इतनी तेज थी कि लोगों को सुरक्षित स्थानों पर रुकना पड़ा। बूंदाबांदी शुरू होते ही मौसम खुशनुमा हो गया। लोग घरों की छतों और गलियों में ठंडी हवाओं का आनंद लेते दिखे। बच्चों और युवाओं में मौसम के इस अचानक बदलाव को लेकर उत्साह था। पिछले कई दिनों से पड़ रही गर्मी के बाद इस बदलाव ने लोगों को काफी राहत दी। हालांकि, इस बदले मौसम ने गेहूं किसानों की चिंता बढ़ा दी है। इस समय क्षेत्र में गेहूं की फसल कटाई के लिए लगभग तैयार खड़ी है। ऐसे में तेज आंधी, बारिश या ओलावृष्टि से फसल गिरने और दाने खराब होने का खतरा बढ़ जाता है। उत्तर भारत के कई इलाकों में बेमौसम बारिश से फसलों को नुकसान की खबरें भी सामने आई हैं, जिससे स्थानीय किसान चिंतित हैं। समाचार लिखे जाने के समय भी बारिश जारी थी। मीरपुर के किसान रामकिशन, निहाल सिंह और महेन्द्र सिंह ने बताया कि इन दिनों ऐसे मौसम से खासकर गेंहू की फसल को अधिक नुकसान है।

दोपहिया वाहन चोरी करने वाले गिरोह का खुलासा, पांच गिरफ्तार

प्रभात समय संवाददाता

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश के प्रयागराज जिले में स्थित हंडिया थाने की पुलिस टीम दोपहिया वाहन चोरी करने वाले गिरोह का खुलासा करते हुए मंगलवार को तीन नाबालिग समेत पांच सदस्यों को गिरफ्तार किया। पुलिस टीम ने गिरोह के कब्जे से चोरी की पांच मोटरसाइकिल बरामद किया है। यह जानकारी मंगलवार को पुलिस उपायुक्त गंगानगर कुलदीप सिंह गुनावत ने दी।

उन्होंने बताया कि गिरफ्तार आरोपितों में तीन नाबालिग बच्चे हैं और गिरोह में सक्रिय सदस्य प्रयागराज के उतरांव थाना क्षेत्र के बेलहरा गांव निवासी शैलेन्द्र पटेल पुत्र उदयराज और नवाबगंज थाना क्षेत्र के मंसूराबाद सिंधापुर गांव निवासी तीरथ सरोज पुत्र धनेश सरोज को गिरफ्तार किया गया है।

डीसीपी गंगानगर ने बताया कि सोमवार रात सैदाबाद तिराहे पर संदिग्ध व्यक्तियों व वाहनों की चेकिंग की जा रही थी। इसी दौरान सूचना मिली कि सैदाबाद पावरहाउस नहर पुलिया के पास कुछ लोग चोरी की मोटरसाइकिल के साथ मौजूद हैं। सूचना पर पुलिस टीम ने मौके पर पहुंचकर शैलेन्द्र पटेल को गिरफ्तार किया और दो बाल अपचारियों को पुलिस अभिरक्षा में लिया। इनके कब्जे से एक चोरी की मोटरसाइकिल बरामद हुई, जो थाना हण्डिया में दर्ज मुकदमे से संबंधित थी।

पूछताछ के आधार पर पुलिस ने भेस्की पुलिया के पास से दूसरे अभियुक्त तीरथ सरोज को गिरफ्तार किया तथा एक अन्य बाल अपचारी को अभिरक्षा में लिया। इनके कब्जे से विभिन्न थाना क्षेत्रों से चोरी की चार अन्य मोटरसाइकिल बरामद की गईं। इस प्रकार कुल पांच चोरी की मोटरसाइकिल बरामद की गईं।

पुलिस पूछताछ में अभियुक्तों ने बताया कि वे अपने साथियों के साथ मिलकर आसपास के थाना क्षेत्रों में दिन में घूमकर मौका पाकर मोटरसाइकिल चोरी करते थे और उन्हें अलग-अलग जगह छिपाकर रखते थे। बाद में उचित दाम मिलने पर चोरी की मोटरसाइकिल बेचकर पैसे आपस में बांट लेते थे और उसी से अपने शौक पूरे करते थे।पुलिस ने बताया कि इस मामले में थाना हण्डिया पर पंजीकृत मुकदमा संख्या 134/2026 धारा 303(2) भा.न्या.सं. में अन्य धाराए बढ़ाते हुए आगे की विधिक कार्रवाई की जा रही है। गिरफ्तार अभियुक्तों के खिलाफ पूर्व में भी मोटरसाइकिल चोरी के मुकदमे विभिन्न थानों में दर्ज हैं।

डीआईजी कानपुर पहुंचे फर्रुखाबाद, की कानून व्यवस्था की समीक्षा

प्रभात समय संवाददाता

फर्रुखाबाद। डीआईजी कानपुर रेंज हरीश चंद्र ने मंगलवार को पुलिस लाइन फर्रुखाबाद में कानून व्यवस्था की समीक्षा की । पुलिस लाइन, शस्त्रागार एवं आरटीसी पुलिस कार्यालय का विस्तृत एवं सघन निरीक्षण किया। उन्होंने अभिलेखों, दस्तावेजों, शस्त्रों के रखरखाव, कार्यालयी व्यवस्थाओं एवं पुलिस बल की कार्यप्रणाली को जाँचा ।

उन्होंने पुलिस लाइन परिसर में साफ-सफाई, बैरकों की स्थिति, मेस व्यवस्था, प्रशिक्षण गतिविधियों एवं ड्यूटी रजिस्टरों का निरीक्षण करते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक सुधार के निर्देश दिए। शस्त्रागार में उन्होंने हथियारों की उपलब्धता, रखरखाव एवं सुरक्षा मानकों को देखा और सभी शस्त्रों के नियमित परीक्षण और रिकॉर्ड के सही संधारण पर विशेष जोर दिया। उन्होंने आरटीसी (रीक्रूट) ट्रेनिंग सेंटर कार्यालय में प्रशिक्षण से जुड़े अभिलेखों की जांच करते हुए प्रशिक्षण की गुणवत्ता, अनुशासन और आधुनिक तकनीकों के उपयोग को और बेहतर बनाने के निर्देश दिए।

डीआईजी ने कहा कि पुलिस बल की कार्यक्षमता बढ़ाने के लिए नियमित प्रशिक्षण, अनुशासन और संसाधनों का समुचित उपयोग अत्यंत आवश्यक है। डीआईजी ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि सभी अभिलेख अद्यतन एवं व्यवस्थित रूप से संधारित किए जाएं, ताकि किसी भी प्रकार की जांच या निरीक्षण के दौरान पारदर्शिता बनी रहे। इस दौरान पुलिस अधीक्षक आरती सिंह, अपर पुलिस अधीक्षक अरुण कुमार, क्षेत्राधिकारी संजय वर्मा, अजय वर्मा तथा प्रतिसार निरीक्षक अविचल पांडे सहित अन्य अधिकारी व पुलिसकर्मी मौजूद रहे।

रुक्मिणी विवाह प्रसंग सुन भाव-विभोर हुए श्रद्धालु

प्रभात समय संवाददाता

औरैया। उत्तर प्रदेश के औरैया जनपद के बिधूना तहसील क्षेत्र के रुरुगंज कस्बा क्षेत्र के निकट ग्राम साहूपुर में आयोजित श्रीमद्भागवत कथा के छठे दिन श्रद्धा और भक्ति का अद्भुत संगम देखने को मिला। कथा स्थल पर सुबह से ही श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ पड़ी, जिससे पूरा वातावरण भक्तिमय हो गया। दूर-दराज के गांवों से भी बड़ी संख्या में लोग कथा श्रवण के लिए पहुंचे।

कथा व्यास आचार्य पंडित नरेश चन्द्र शुक्ला ने भगवान श्रीकृष्ण और रुक्मिणी विवाह प्रसंग का अत्यंत भावपूर्ण और मार्मिक वर्णन किया। उन्होंने बताया कि रुक्मिणी जी ने बचपन से ही भगवान श्रीकृष्ण को अपना आराध्य और पति मान लिया था। जब उनके विवाह की बात अन्यत्र तय की गई, तब उन्होंने श्रीकृष्ण को संदेश भेजकर अपनी व्यथा व्यक्त की। आचार्य ने कहा कि सच्चे प्रेम और अटूट श्रद्धा के बल पर भगवान स्वयं रुक्मिणी जी का हरण कर उन्हें अपने साथ ले गए और विधिपूर्वक विवाह किया।

इस प्रसंग को सुनते ही पंडाल में उपस्थित श्रद्धालु भाव-विभोर हो उठे। कई श्रद्धालुओं की आंखें नम हो गईं और पूरा वातावरण ल्लजय श्रीकृष्णङ्क के जयकारों से गूंज उठा। कथा के दौरान मधुर भजन-कीर्तन का भी आयोजन किया गया, जिसमें भक्त झूमते नजर आए। भक्ति रस में डूबे इस आयोजन ने सभी को आध्यात्मिक आनंद से भर दिया।

आयोजकों द्वारा कथा स्थल पर श्रद्धालुओं के बैठने, पेयजल और प्रसाद वितरण की समुचित व्यवस्था की गई थी। व्यवस्था सुचारु होने के कारण श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा का सामना नहीं करना पड़ा। कथा स्थल पर ग्रामीणों के साथ-साथ आसपास के क्षेत्रों से भी बड़ी संख्या में लोग निरंतर पहुंच रहे हैं। इस अवसर पर शिव प्रकाश मिश्रा, उमा देवी, विनय मिश्रा, गौरव मिश्रा एवं अरविंद द्विवेदी सहित अनेक श्रद्धालु उपस्थित रहे। कार्यक्रम को लेकर क्षेत्र में खासा उत्साह बना हुआ है और आगामी दिनों में भी बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के पहुंचने की संभावना जताई जा रही

क्विक न्यूज

दोहरे हत्याकांड में दो दोषियों को आजीवन कारावास

सुलतानपुर। उत्तर प्रदेश के जिला सुलतानपुर पुलिस की प्रभावी पैरवी के बाद हत्या के दो आरोपियों पर दोष सिद्ध होने पर आजीवन कारावास की सजा सुनाई गई है। जिला जज एवं सत्र न्यायाधीश की अदालत ने प्रत्येक दोषी पर 85-85 हजार रुपये का अर्थदंड भी लगाया है। जयसिंहपुर थाना क्षेत्र के बलिपुर मजरे सेवतरी निवासी बृजेश वर्मा पुत्र हौसिला प्रसाद वर्मा और बरसोमा (नगईपुर) निवासी शैलेन्द्र कुमार उर्फ रिंकू गोस्वामी पुत्र रामअचल गोस्वामी शामिल हैं। दोनों को हत्या, जानलेवा हमला आदि में तहत दोषी ठहराया गया। यह मामला 3 मार्च 2010 की रात जयसिंहपुर थाने में दर्ज किया गया था। मुकदमे के वादी की तहरीरी सूचना के आधार पर बृजेश वर्मा, शैलेन्द्र कुमार उर्फ रिंकू गोस्वामी, राजू कुमार उर्फ राजू गोस्वामी और शिवशंकर सिंह (जो विचारण के दौरान मृत हो गए) पर हरि नरायण सिंह और संदीप सिंह की गोली मारकर हत्या करने का आरोप था। जांच में यह भी सामने आया था कि अभियुक्त शिवशंकर ने किसी अन्य व्यक्ति के खिलाफ झूठी प्राथमिकी दर्ज कराई थी। थानाध्यक्ष हरेन्द्र प्रताप सिंह ने मामले की विवेचना की और साक्ष्य के आधार पर 25 अप्रैल 2010 को अभियुक्तों के खिलाफ आरोप पत्र संख्या ए-01 माननीय न्यायालय में प्रस्तुत किया था। पुलिस अधीक्षक सुल्तानपुर के कुशल निर्देशन और अपर पुलिस अधीक्षक सुल्तानपुर के पर्यवेक्षण में, मॉनिटरिंग सेल ने इस मामले में प्रभावी पैरवी की। ल्लऑपरेशन कनविक्शनङ्क अभियान का उद्देश्य गंभीर अपराधों में त्वरित और प्रभावी सजा सुनिश्चित करना है, जिसके तहत यह महत्वपूर्ण फैसला आया है।

कैंपियरगंज क्षेत्र की सुनीता की जमीन पर परिजनों की नजर, मांगा न्याय मांगा

गोरखपुर। गोरखपुर जिले के कैंपियरगंज थाना क्षेत्र की रहने वाली सुनीता ने मंगलवार को गोरखपुर जर्नलिस्ट्स प्रेस क्लब में प्रेस वार्ता कर न्याय मांगा। पीड़िता ने बताया कि उसकी अपनी खेतिहर और पुश्तैनी जमीन है लेकिन परिवार के ही कुछ लोग महिला समझ कर जमीन पर कब्जा करने के लिए लगातार प्रताड़ित कर रहे हैं । परिवार को और बच्चों को भी मारते– पीटते हैं। महिला ने बताया कि जब मारपीट की शिकायत थाने में की तो पुलिस ने सामान्य धाराओं में मुकदमा दर्ज किया। ऐसे में आरोपितों की गिरफ्तारी भी नहीं हो पा रही है और वे लोग जमीन को लेकर लगातार प्रताड़ित कर रहे हैं जबकि न्यायालय से सुनीता को जीत मिल चुकी है और वर्तमान में काबिज भी है । सुनीता ने कहा कि उसे सभी आरोपितों को गिरफ्तारी कर पीड़ित को न्याय दिया जाय।

लूट मामले का आरोपित गिरफ्तार, मंगलसूत्र व नकदी बरामद

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश के प्रयागराज जिले में स्थित जार्जटाउन पुलिस ने मंगलवार को एक विवादित मकान को गिराकर लूटपाट करने के मामले में वांछित एक आरोपित को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने आरोपित के कब्जे से पीली धातु का एक मंगलसूत्र और 2000 रुपये नकद बरामद किया है। यह जानकारी पुलिस उपायुक्त गंगानगर कुलदीप सिंह गुनावत ने दी। उन्होंने बताया कि फतेहपुर के खखेरेरू थाना क्षेत्र के उमरा गांव निवासी प्रदीप गोस्वामी पुत्र कृपाशंकर के खिलाफ लूटपाट का मुकदमा दर्ज किया गया था। उल्लेखनीय है कि जार्जटाउन थाना क्षेत्र में 22 मार्च 2026 की रात एक विवादित मकान को जेसीबी से गिराकर जमींदोज कर दिया गया था और मौके से घरेलू सामान लूट लिया गया था। इस संबंध में थाना जार्जटाउन में मु0अ0सं0-55/2026 के तहत विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया था। मामले में कार्रवाई करते हुए पुलिस टीम ने वांछित प्रदीप गोस्वामी पुत्र कृपाशंकर को हरी नगर क्षेत्र से गिरफ्तार किया। तलाशी के दौरान उसके पास से एक मंगलसूत्र और 2000 रुपये नकद बरामद किए गए। पुलिस ने बताया कि बरामदगी व गिरफ्तारी के आधार पर मुकदमे में धारा 317(2) बीएनएस की बढ़ोतरी की गई है। अभियुक्त के खिलाफ अग्रिम विधिक कार्रवाई की जा रही है।

95 बटालियन सीआरपीएफ ने उल्लासपूर्ण माहौल में मनाया 38वां स्थापना दिवस

❐ वाहिनी के मुख्यालय परिसर में बच्चों के लिए जलेबी रेस और महिलाएं के लिए म्यूजिक चेयर प्रतियोगिता, पौधरोपण भी

प्रभात समय संवाददाता

वाराणसी। उत्तर प्रदेश के वाराणसी पहड़िया में स्थित केन्द्रीय रिजर्व पुलिस फोर्स (सीआरपीएफ) की 95वीं बटालियन मुख्यालय परिसर में मंगलवार को 38वां स्थापना दिवस उल्लास के साथ अफसरों और जवानों ने अपने परिवार के साथ मिलकर मनाया। बटालियन के कमांडेंट राजेश्वर बालापुरकर ने स्थापना दिवस पर सर्वप्रथम परिसर में पौधारोपण किया। इसके बाद मेले का फीता काटकर शुभांरभ किया। इस अवसर पर उन्होंने वाहिनी के साहसी कर्मियों और उनके परिवारीजनों को स्थापना दिवस की बधाई दी। उन्होंने कहा कि सीआरपीएफ अपनी वीरता और पेशेवराना अंदाज के लिए जानी जाती है। कमांडेंट ने वीर जवानों के जज्बे और साहस कर सराहना की । उन्होंने कहा कि सीआरपीएफ का गौरवशाली इतिहास के साथ, बल पूरी ताकत से देश की सेवा करने के लिए प्रतिबद्ध है। देश को सीआरपीएफ की वीरता और बलिदान पर गर्व है। इस अवसर पर मेले में जवानों के मनोरंजन के लिए ग्लास-बाल, मटका डंडा, फुटबॉल टायर, बच्चों के लिए जलेबी रेस और महिलाएं के लिए म्यूजिक चेयर आदि खेलकूद प्रतियोगिता आयोजित की गई। जिसमें विजेताओं को वाहिनी की प्रथम महिला अर्चना बालापुरकर के हाथों से पुरस्कार दिया गया। इस दौरान सुनीता सिंह, रिंकू सहित अन्य अफसरो की पत्नियां भी उपस्थित रही।

कानपुर यूनिवर्सिटी की छात्रा से सामूहिक दुष्कर्म का प्रयास, तीन छात्र गिरफ्तार

प्रभात समय संवाददाता

कानपुर। छत्रपति शाहूजी महाराज विश्वविद्यालय (कानपुर यूनिवर्सिटी) की एक छात्रा के साथ तीन अन्य छात्रों द्वारा सामूहिक दुष्कर्म करने का प्रयास करने का सनसनीखेज मामला सामने आया है। पीड़िता ने पुलिस को तहरीर देकर आरोप लगाया कि तीनों छात्रों ने उसे दबाव में लाकर अमानवीय कृत्य करने की कोशिश की।

पीड़िता ने बताया कि बीते 16 मार्च को आरोपितों ने उसे खाना खाने के लिए कक्षा में बुलाया। इसी दौरान तीनों छात्रों ने उसके साथ छेड़छाड़ शुरू कर दी। विरोध करने पर उन्होंने जान से मारने की धमकी दी। घटना के बाद छात्रा भयभीत हो गई और अपने परिवार से भी डर के कारण पूरी बात साझा नहीं कर पा रही थी। परिजनों के लगातार पूछताछ करने पर उसने पूरी सच्चाई बताई। इस पर सोमवार देर शाम कल्याणपुर पुलिस ने अनुज विश्कर्मा, वैभव मिश्रा और निर्मल के खिलाफ मामला दर्ज कर कार्रवाई शुरू की। पुलिस उपायुक्त पश्चिम एसएम कासिम आबिदी ने मंगलवार को बताया कि पीड़िता की तहरीर मिल गई है और मामले में अग्रिम विधिक कार्रवाई की जा रही है।

स्कूली बसों के संबंध में मानकों का पालन हो : जिलाधिकारी

प्रभात समय संवाददाता

मुरादाबाद। उत्तर प्रदेश के मुरादाबाद जिले में जिलाधिकारी अनुज सिंह और वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सतपाल अंतिल की उपस्थिति में मंगलवार को कलेक्ट्रेट सभागार में जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक संपन्न हुई।

बैठक में सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी आनंद निर्मल ने बताया कि जनपद में करीब 900 स्कूली बसें हैं जिनके सापेक्ष करीब 400 बसों की भौतिक स्थिति का सत्यापन कर लिया गया है और सत्यापन प्रक्रिया वर्तमान में चल रही है। इस पर जिलाधिकारी ने नाराजगी जताते हुए सख्त निर्देश दिए हैं कि स्कूली बसों के संबंध में मानकों का गंभीरता पूर्व पालन होना चाहिए।

सड़क सुरक्षा की बैठक के दौरान जिलाधिकारी और वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ने हाल के दिनों में मुरादाबाद शहर में गुलाब बाड़ी और फव्वारा चौराहे पर रोडवेज बसों से घटित दुर्घटनाओं के कारणों के संबंध में रोडवेज अधिकारियों से जानकारी ली।

जिलाधिकारी अनुज सिंह ने वर्ष 2026 में रोडवेज बसों से हुई दुर्घटनाओं और उनसे संबंधित वाहन चालकों के संबंध में विवरण भेजने के लिए रोडवेज के अधिकारियों को निर्देशित किया।

पुलिस अधीक्षक यातायात सुभाष चंद्र गंगवार ने बताया कि रामपुर दोराहे पर रोडवेज बसें रोक कर सवारियां बैठाने की वजह से जाम की समस्या उत्पन्न होती है तथा अन्य लोगों को भी समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। इस मामले में जिलाधिकारी ने निर्देश दिए कि रोडवेज बस की वजह से जाम की समस्या उत्पन्न नहीं होनी चाहिए, निर्धारित स्थान पर ही सवारियां बैठाई और उतारी जाएं।

हत्या मामले में फरार आरोपित के खिलाफ धारा 82 सीआरपीसी के तहत उद्घोषणा

प्रभात समय संवाददाता

देवरिया। उत्तर प्रदेश के देवरिया जनपद में वांछित अपराधियों की गिरफ्तारी के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत थाना भटनी पुलिस ने हत्या के एक मामले में फरार चल रहे आरोपित के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की है। पुलिस ने आरोपित के विरुद्ध धारा 82 सीआरपीसी के तहत उद्घोषणा (प्रोक्लेमेशन) की कार्यवाही की।

थाना भटनी थानाध्यक्ष मृत्युंजय राय ने बताया कि थाने में पंजीकृत मु0अ0सं0 67/2023 धारा 302 आईपीसी से संबंधित मामले में आरोपित सुनील प्रसाद निवासी बनकटा दीक्षित काफी समय से फरार चल रहा है। आरोपित की गिरफ्तारी के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे थे, लेकिन उसके न मिलने पर न्यायालय ने धारा 82 सीआरपीसी के तहत उद्घोषणा जारी करने का आदेश दिया।

न्यायालय के आदेश के अनुपालन में मंगलवार को थाना भटनी पुलिस टीम ने आरोपित के घर पहुंचकर विधिक प्रक्रिया के तहत उद्घोषणा की कार्रवाई की। इस दौरान गांव में मुनादी कराई गई तथा ग्राम चौकीदार द्वारा डुग्गी पिटवाकर लोगों को इसकी जानकारी दी गई। साथ ही आरोपित के घर और सार्वजनिक स्थानों पर नोटिस चस्पा किया गया।

इस दौरान पुलिस ने चेतावनी दी कि यदि आरोपित ने शीघ्र न्यायालय के समक्ष उपस्थित नहीं होता है, तो उसके खिलाफ आगे की कानूनी कार्रवाई, जैसे संपत्ति कुर्की (धारा 83 सीआरपीसी) की कार्रवाई भी की जा सकती है। थानाध्यक्ष ने बताया कि पुलिस अधीक्षक संजीव सुमन के निर्देशन में अपर पुलिस अधीक्षक (दक्षिणी) सुनील कुमार सिंह के मार्गदर्शन एवं क्षेत्राधिकारी भाटपाररानी अंशुमन श्रीवास्तव के पर्यवेक्षण में यह कार्रवाई की गई। इस कार्रवाई में कांस्टेबल बृजेन्द्र सिंह यादव और श्रीराम यादव शामिल रहे।

क्विक न्यूज

सोशल मीडिया पर चल रही भ्रामक सूचना का कोई आधार नहीं: कुलसचिव

अयोध्या। डॉ. राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय के सम्बंध में पिछले कुछ दिनों से सोशल मीडिया पर विश्वविद्यालय के कुलपति कर्नल डॉ. बिजेंद्र सिंह की नियुक्ति अन्य राज्य के केंद्रीय विश्वविद्यालय में होने की भ्रामक सूचना प्रसारित की जा रही है। जो पूरी तरह से असत्य और तथ्यों से परे है। मंगलवार को विश्वविद्यालय के कुलसचिव विनय कुमार सिंह ने बताया कि सोशल मीडिया पर इस प्रकार की चल रही सूचनाओं का कोई आधार नहीं है। इस प्रकार की भ्रामक एवं तथ्य विहीन समाचार से जनमानस एवं विश्वविद्यालय परिवार को सतर्क रहने की आवश्यकता है।

मुरादाबाद में मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान के तहत 2328 आवेदन पत्र बैंकों द्वारा स्वीकृत

मुरादाबाद। उत्तर प्रदेश के मुरादाबाद जिले में जिलाधिकारी अनुज सिंह की अध्यक्षता में मंगलवार को मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान के संबंध में कलेक्ट्रेट सभागार में समीक्षा बैठक हुई। बैठक के दौरान उपायुक्त उद्योग ने अवगत कराया कि योजना के अंतर्गत जनपद को ऋण के लिए 2800 के लक्ष्य के सापेक्ष 31 मार्च तक 2328 आवेदन पत्र बैंकों द्वारा स्वीकृत किये गये हैं एवं 2121 आवेदन पत्रों के सापेक्ष ऋण वितरण की कार्यवाही की गई है। जिलाधिकारी द्वारा सभी संबंधित बैंकों को निर्देशित किया गया कि वित्तीय वर्ष की समाप्ति में कुछ ही दिन शेष हैं। योजना के अंतर्गत लक्ष्यों की प्राप्ति सुनिश्चित की जानी है। उन्होंने कहा कि लंबित प्रकरणों का शीघ्र निस्तारण करते हुए स्वीकृति एवं वितरण की प्रक्रिया में तेजी लाई जाए। उन्होंने विशेष रूप से निर्देश दिए कि जिन बैंकों में प्रकरण लंबित हैं, वे शत-प्रतिशत स्वीकृति एवं अधिकतम वितरण सुनिश्चित करें, ताकि जिले की रैंकिंग बेहतर हो सके। साथ ही सभी बैंक शाखाओं को निर्देशित किया कि आवेदनों का त्वरित निस्तारण करते हुए लाभार्थियों को समय पर योजना का लाभ प्रदान किया जाए। बैठक में भारतीय स्टेट बैंक द्वारा 119, पंजाब नेशनल बैंक द्वारा 61, केनरा बैंक द्वारा 31, बैंक ऑफ बडौदा द्वारा 26, यूको बैंक द्वारा 16, बैंक ऑफ इण्डिया द्वारा 21 एवं सेन्ट्रल बैंक द्वारा 07 आवेदन पत्रों पर स्वीकृति कर निस्तारण करने का आश्वासन दिया गया।

हमीरपुर में 90 साल के बुजुर्ग ने फांसी लगाकर दी जान

हमीरपुर। उत्तर प्रदेश के हमीरपुर जिले में कुरारा कस्बे के वार्ड नंबर तीन टेंडरी मोहाल निवासी 90 वर्षीय वृद्ध ने मंगलवार को सीढ़ियों के सहारे मफलर बांध कर आत्महत्या कर ली। मृतक भगवानदीन उर्फ दुर्गा पुत्र बल्लू अहिरवार के दो लड़के है जिनमें शिवपाल व वेद प्रकाश है। उन्होंने बताया कि पिता बीमारी से परेशान रहते थे व चलने फिरने में भी असमर्थ थे। सूचना पर पहुंची पुलिस ने जांच दल को बुलाकर साक्ष्य संकलन करवाया है। वहीं पंचनामा भर कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। मौके पर पहुचे सब इंस्पेक्टर किशन सिंह ने मंगलवार को बताया कि कुछ मामला संदिग्ध लग रहा था जिसके चलते जांच दल को बुलाया गया है। साक्ष्य संकलन करवा कर शव को पोस्टमार्टम के लिये भेज दिया गया है।

ट्रैक्टर की चपेट में आकर तीन वर्षीय मासूम बच्चे की मौत

देवरिया। उत्तर प्रदेश के देवरिया जनपद के तरकुलवा थाना क्षेत्र के सिधावे धर्मागत पट्टी वार्ड नंबर 14 में मंगलवार को एक हादसे में 3 वर्षीय मासूम बच्चे की मौत हो गई। मृतक की पहचान आरव शर्मा (3) पुत्र अनिल शर्मा निवासी सिधावे धर्मागत पट्टी के रूप में हुई है। जानकारी के अनुसार, उसी गांव का निवासी करीब 11 वर्ष का बालक ट्रैक्टर चला रहा था। घटना के समय वह ट्रैक्टर लेकर निकला था, तभी अचानक मासूम आरव अपने घर से निकल कर जा रहा था और ट्रैक्टर की चपेट आकर उसकी मौत हो गई। घटना के बाद परिवार में कोहराम मच गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। तरकुलवा थानेदार का कहना है कि इस मामले में तहरीर मिलने पर आगे की विधिक कार्रवाई की जाएगी। फिलहालमामले की जांच शुरू कर दी है।

एसटीएफ के हत्थे चढ़ा पचास हजार का इनामी गो तस्कर

प्रभात समय संवाददाता

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश एसटीएफ की प्रयागराज फील्ड इकाई की टीम ने मंगलवार को पचास हजार के ईनामी गौतस्कर को शिवकुटी थाना क्षेत्र के चन्द्रशेखर आजाद पार्क के पास से गिरफ्तार किया। यह जानकारी एसटीएफ की प्रयागराज फील्ड इकाई के पुलिस उपाधीक्षक शैलेश प्रताप सिंह ने दी।

उन्होंने बताया कि गिरफ्तार आरोपित प्रयागराज जिले के पूरामुफ्ती थाना क्षेत्र के अहमदपुर असरौली गांव निवासी मोहम्मद इब्राहिम पुत्र मो. हारुन है। इसके खिलाफ प्रयागराज के पड़ोसी जनपद प्रतापगढ़ जिले के देल्हूपुर थाने में गौ-वध एवं पशुक्रूरता निवारण अधिनियम के तहत 17जनवरी 2026 को मुकदमा दर्ज किया गया था। प्रतापगढ़ जिले की पुलिस ने इसकी गिरफ्तारी के लिए पचास हजार रुपये का इनाम घोषित किया था। उत्तर प्रदेश एसटीएफ की विभिन्न इकाइयों द्वारा इनामी अपराधियों की गिरफ्तारी के लिए अभियान चलाया जा रहा है। अभियान के तहत एसटीएफ की प्रयागराज फील्ड इकाई के प्रभारी निरीक्षक जय प्रकाश राय के पर्यवेक्षण में उपनिरीक्षक गुलजार सिंह एवं उनकी टीम को लगाया गया था। मुखबिर की सूचना पर मंगलवार को एसटीएफ की टीम ने शिवकुटी थाना क्षेत्र में चन्द्रशेखर आजाद पार्क के पास से उपरोक्त आरोपित को गिरफ्तार किया। इसके खिलाफ शिवकुटी थाने में मुकदमा दर्ज कर विधिक कार्रवाई की जा रही है। पूछताछ के दौरान गिरफ्तार आरोपित मोहम्मद इब्राहिम ने बताया कि प्रतापगढ़ के देल्हूपुर थाना क्षेत्र के बरषण्डा गांव से 16 जनवरी की रात गायों की हत्या कर सिर को नदी में फेंक दिया और मांस बेचने के लिए वहां से चला गया था। हालांकि इस संबंध में देल्हूपुर थाने में मुकदमा दर्ज किया गया था। जहां उसकी गिरफ्तारी के लिए पचास हजार का ईनाम घोषित कर दिया गया।

रेलवे गेट में ओवरब्रिज के निर्माण को मिली 1579 लाख की स्वीकृत

प्रभात समय संवाददाता

हमीरपुर। उत्तर प्रदेश के हमीरपुर जिले में शासन ने सुमेरपुर कस्बे के बांदा मार्ग पर बने रेलवे के गेट संख्या 31 सी के ऊपर ओवर ब्रिज के निर्माण के लिए 1579 लाख की धनराशि अवमुक्त की है। इसका निर्माण 7196.69 लाख से होना है। इसके लिए गत वर्ष मई माह में नगर पंचायत अध्यक्ष ने मुख्यमंत्री को ज्ञापन सौंप कर ओवरब्रिज की मांग की थी। इसके पूर्व व्यापार मंडल अध्यक्ष भी कई बार ओवरब्रिज की मांग कर चुके हैं।

सुमेरपुर कस्बे के मध्य से गुजरे बांदा पैलानी तिंदवारी मार्ग पर छोटी बाजार एवं धर्मेश्वर बाबा मुहाल के मध्य कानपुर बांदा रेल खंड का गेट संख्या 31 सी बना हुआ है। रेलवे लाइन के दोहरीकरण के बाद ट्रेनों की संख्या में इजाफा होने से यह गेट दिन और रात में कई मर्तबा बंद करना पड़ता है। इस वजह से यहां से गुजरने वाले वाहन चालकों को घंटो रेलवे फाटक के खुलने का इंतजार करना पड़ता है। सुबह शाम कई ट्रेनों का समय थोड़ी-थोड़ी देर के अंतराल में है। इस वजह से सुबह शाम लोगों को सर्वाधिक परेशानी होती है। इसके मद्देनजर व्यापार मंडल अध्यक्ष महेश गुप्ता दीपू ने कई बार ज्ञापन सौंपा था।

नगर पंचायत अध्यक्ष धीरेंद्र शिवहरे ने गत वर्ष 30 मई को मुख्यमंत्री से भेंट करके रेलवे क्रॉसिंग पर ओवर ब्रिज बनाने का ज्ञापन सौंपा था और आए दिन होने वाली राहगीरों की परेशानी से अवगत कराकर ओवरब्रिज निर्माण की मांग की थी। मुख्यमंत्री ने जल्द ही समस्या के समाधान का आश्वासन दिया था।

इसके बाद 30 मार्च को शासन के अनु सचिव अभय प्रताप श्रीवास्तव ने प्रमुख अभियंता लोक निर्माण विभाग को पत्र भेज कर 7196.69 लाख की वित्तीय स्वीकृत प्रदान करके निर्माण शुरू कराने के लिए 1579.90 लाख की धनराशि अवमुक्त की है। धनराशि जारी होने पर नगर पंचायत अध्यक्ष व व्यापार मंडल अध्यक्ष ने मंगलवार को मुख्यमंत्री का आभार जताते हुए कहा कि इससे कस्बे के विकास को गति मिलेगी और राहगीरों को जाम आदि की समस्याओं से छुटकारा मिलेगा।

नेतृत्व और समन्वय का भाव पैदा करता है प्रशिक्षण : अजय बजरंगी

प्रभात समय संवाददाता

गोरखपुर। भारत स्काउट और गाइड उत्तर प्रदेश प्रादेशिक मुख्यालय लखनऊ द्वारा दिग्विजय नाथ स्नाकोत्तर महाविद्यालय गोरखपुर में बीएड के शिक्षक शिक्षा विभाग में सहायक प्रदेशिक संगठन आयुक्त गोरखपुर मंडल मोहित कुमार के दिशा निर्देशन में चल रहे पंचदिवसीय स्काउट गाइड शिविर का विधि विधान से मंगलवार को समापन हुआ। इस अवसर पर प्रशिक्षक लीडर ऑफ़ द कोर्स सहायक लीडर ट्रेनर अजय गुप्ता बजरंगी सहयोगी प्रशिक्षिका लाजो रानी ने प्रशिक्षु अध्यापकों को स्काउट गाइड के विभिन्न विषयों जानकारी दी।

शिविर समापन का शुभारंभ अतिथियों द्वारा मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण व दीप प्रज्वलन से हुआ।इस अवसर पर प्रशिक्षु छात्राध्यापिकाओं ने सरस्वती वंदना, स्वागत गीत प्रस्तुत किया तथा मंचस्थ अतिथियों का माल्यार्पण, स्कार्फ वागेल, बैज लगाकर स्वागत हुआ समापन व कैंप फायर का संचालन अजय यादव, प्राजंलि प्रिया ने संयुक्त रूप से किया।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि कॉलेज के प्राचार्य डॉ ओम प्रकाश सिंह ने कहा कि मैं समझता हूं पंचदिवसीय प्रशिक्षण में वे सभी बातें आई होंगी जो समाज में सद्भाव सामूहिकता सहकारिता सामूहिक कार्य संस्कृति के साथ दुर्गम लगने वाले रास्तों को सहज करने की कला स्काउट गाइड प्रशिक्षण में मिलती है।

इस दौरान प्रोफ़ेसर डॉ शुभ्रा श्रीवास्तव ने कहा कि परिवर्तन के दौर में छात्रों को सीमित संसाधनों में कार्य करना स्काउट गाइड प्रशिक्षण की देन है।लीडर ऑफ़ द कोर्स शिविर संचालक अजय गुप्ता बजरंगी ने कहा कि नेतृत्व एवं समन्वय का भाव पैदा करना तथा देशभक्त कुशल नागरिक के निर्माण में स्काउट गाइड प्रशिक्षण की भूमिका अग्रणी है।इसके पूर्व प्रशिक्षकों ने समस्त छात्राध्यापक छात्राध्यापिकाओं को स्काउट गाइड प्रतिज्ञा की शपथ दिलाते हुए दीक्षा संस्कार के माध्यम से दीक्षित कर गले में स्कार्फ वागेल पहनाते हुए तिलक चंदन लगाकर मिष्ठान खिलाया और अतिथियों ने प्रशिक्षुओं द्वारा लगाए गए टेंन्ट का निरीक्षण कर विभिन्न टोलियों द्वारा बनाए गए भोजन व जलपान ग्रहण किया। बनाए गए टेंट में वर्तमान में देश के अंदर पैदा हुई गैस किल्लत को प्रत्येक टोलियों ने ईंट और मिट्टी का चूल्हा बना कर प्रदर्शित किया एवं कैंप फायर में गाइड द्वारा लघु नाटक पुलवामा कांड को दर्शित कर धार्मिक आधार पर नरसंहार को गलत बताया जिसकी अतिथियों ने प्रशंसा की ।

इस अवसर पर कालेज के प्रोफ़ेसर डॉ अरुण तिवारी, राकेश कुमार सिंह, प्रदीप कुमार यादव, गोपाल सिंह, सहयोगी प्रशिक्षिका लाजो रानी उपस्थित रहे।

ट्रिपल आईटी में पार्श्व गायक बेनी दयाल की प्रस्तुति के साथ 'एफ़रवेसेंस' का हुआ समापन

प्रभात समय संवाददाता

प्रयागराज। भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान (ट्रिपल आईटी) इलाहाबाद में आयोजित तीन दिवसीय सांस्कृतिक महोत्सव 'एफ़रवेसेंस' का समापन मंगलवार की शाम बेहद शानदार अंदाज में हुआ। महोत्सव की अंतिम संध्या पर प्रसिद्ध पार्श्व गायक बेनी दयाल ने अपने जोशीले और ऊर्ज़ा से भरपूर प्रदर्शन से पूरे परिसर को झूमने पर मजबूर कर दिया।

ग्रैंड फिनाले का लम्बे समय से इंतजार कर रहे छात्र-छात्राओं की भारी भीड़ कार्यक्रम स्थल पर उमड़ पड़ी। जैसे ही बेनी दयाल मंच पर आए, पूरे परिसर में उत्साह और तालियों की गूंज सुनाई देने लगी। उन्होंने अपने लोकप्रिय गीतों 'बदतमीज़ दिल', 'लेट्स नाचो', 'उड़े दिल बेफ़िक्रे', 'पप्पू कांट डांस साला' और अन्य सुपरहिट गीतों की प्रस्तुति देकर दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। पूरे कार्यक्रम के दौरान छात्र-छात्राएं संगीत की धुनों पर थिरकते रहे और माहौल पूरी तरह उत्सवमय बना रहा। रोशनी, संगीत और दर्शकों के उत्साह ने अंतिम रात को यादगार बना दिया।

ट्रिपल आईटी के पीआरओ डॉ पंकज मिश्र ने बताया कि एफरवेसेंस 2026 के दौरान तीन दिनों तक विभिन्न सांस्कृतिक, साहित्यिक, तकनीकी और मनोरंजन से जुड़े कार्यक्रम आयोजित किए गए। जिनमें देश भर के विद्यार्थियों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। प्रतियोगिताओं, प्रस्तुतियों और सांस्कृतिक आयोजनों ने संस्थान के परिसर को उत्साह और रचनात्मकता से भर दिया।

उन्होंने बताया कि तीसरे दिन की शुरुआत ग्रैफिटी इवेंट के साथ बेहद रंगीन और ऊर्ज़ावान अंदाज में हुई। स्प्रे पेंट और अनोखे विचारों के साथ प्रतिभागियों ने साधारण दीवारों को आकर्षक कलाकृतियों में बदल दिया। कहीं अमूर्त डिज़ाइन तो कहीं सामाजिक संदेशों से भरपूर चित्रों ने सभी का ध्यान खींचा। पूरे आयोजन स्थल पर उत्साह का माहौल देखने को मिला, जहां दर्शक बड़ी संख्या में इस लाइव आर्ट को देखने पहुंचे।

यह आयोजन न केवल कला का प्रदर्शन था, बल्कि एक ऐसा मंच भी बना जहां हर रंग और हर रेखा एक कहानी बयाँ कर रही थी। ग्रैफिटी ने तीसरे दिन की शुरुआत को खास बना दिया और पूरे दिन के लिए एक रचनात्मक माहौल तैयार कर दिया।

अन्य प्रतियोगिता ओपन माइक का आयोजन किया गया। जिसमें प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर अपनी प्रतिभा और रचनात्मकता का प्रदर्शन किया। इस कार्यक्रम में प्रतिभागियों ने कविता, कहानी, गायन तथा अन्य कलात्मक प्रस्तुतियों के माध्यम से स्वयं को अभिव्यक्त किया। उनकी आत्मविश्वासपूर्ण और मौलिक प्रस्तुतियों ने कार्यक्रम को जीवंत और आकर्षक बना दिया।

दहेज हत्या मामले में पुलिस ने दो नामजद आरोपितों को किया गिरफ्तार

प्रभात समय संवाददाता

देवरिया। जनपद में अपराधियों की गिरफ्तारी के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत थाना बनकटा पुलिस ने दहेज हत्या के एक गंभीर मामले में नामजद दो अभियुक्तों को गिरफ्तार किया है।

क्षेत्राधिकारी भाटपाररानी अंशुमन श्रीवास्तव ने बताया कि थाना बनकटा में धारा 80(2), 85 बीएनएस एवं 3/4 दहेज प्रतिषेध अधिनियम से सम्बंधित प्रकरण में वांछित अभियुक्तों अमित मिश्रा उर्फ मोनू पुत्र चुम्मनजी मिश्रा उर्फ सीजे मिश्रा तथा चुम्मनजी मिश्रा उर्फ सीजे मिश्रा पुत्र स्वर्गीय रामदेव मिश्रा निवासीगण सिकरहटा थाना बनकटा जनपद देवरिया को आज मंगलवार को गिरफ्तार कर लिया गया। उल्लेखनीय है कि 29 मार्च को वादी श्याम नारायण त्रिपाठी निवासी ग्राम कमौजी थाना राबर्ट्सगंज, जनपद सोनभद्र ने थाना बनकटा पर तहरीर देकर आरोप लगाया था कि उनकी पुत्री को उसके पति और ससुराल पक्ष के लोगों द्वारा दहेज के लिए लगातार प्रताड़ित किया जाता था और 28 मार्च 2026 को उसकी हत्या कर दी गई। इस सूचना के आधार पर मुकदमा दर्ज कर विवेचना क्षेत्राधिकारी भाटपाररानी द्वारा की जा रही है। इसी क्रम में पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए दोनों नामजद आरोपितों को गिरफ्तार कर लिया।

गौरतलब है कि अभियुक्त अमित मिश्रा के खिलाफ पूर्व में भी थाना भाटपाररानी में धारा 406, 506 भादवि के तहत मामला दर्ज है।

ऋषभ पंत और केएल राहुल में होगा दिलचस्प मुकाबला

एजेंसी

लखनऊ। आईपीएल 2026 में बुधवार को लखनऊ सुपर जायंट्स और दिल्ली कैपिटल्स के बीच होने वाला मुकाबला एक हाई-इंटेंसिटी मुकाबला होगा, जिसमें स्टार्स का रीयूनियन, इंडिविजुअल मैचअप और अलग-अलग टैक्टिकल अप्रोच होंगे। दोनों टीमों में मजबूत इंटरनेशनल प्लेयर्स और डायनामिक इंडियन टैलेंट होने के कारण, कल का मैच आम इकाना कंडीशंस में काफी करीबी होने की उम्मीद है, जो अक्सर स्पिन और डिसिप्लिन्ड बॉलिंग के लिए फायदेमंद होती हैं।

एक बड़ी स्टोरीलाइन उन खास प्लेयर्स के रीयूनियन के इर्द-गिर्द घूमती है, जिन्होंने पहले ड्रेसिंग रूम शेयर किया है। ऋषभ पंत, जो अब लखनऊ सुपर जायंट्स को लीड कर रहे हैं, अपनी पुरानी टीम दिल्ली कैपिटल्स का सामना करेंगे, जबकि केएल राहुल, जो एलएसजी के पुराने खिलाड़ी थे, अब दिल्ली कैपिटल्स को रिप्रेजेंट करेंगे। इससे मुकाबले में एक इमोशनल पहलू जुड़ जाता है, क्योंकि दोनों प्लेयर्स लीडरशिप की जिम्मेदारियां निभा रहे हैं और एक-दूसरे के गेम प्लान से अच्छी तरह वाकिफ हैं। एक और मेन थीम एग्रेसिव बैटिंग और स्पिन डॉमिनेंस के बीच की लड़ाई है। निकोलस पूरन से बीच के ओवरों में अपने अटैकिंग स्ट्रोक प्ले से एलएसजी के लिए अहम रोल निभाने की उम्मीद है। दिल्ली कैपिटल्स अपने मुख्य स्पिनर कुलदीप यादव के साथ मुकाबला करेगी, जिनकी वैरिएशन और विकेट लेने की काबिलियत उस पिच पर अहम साबित हो सकती है, जो आमतौर पर धीमे गेंदबाजों को मदद देती है। लखनऊ एक टॉप-हैवी टीम लगती है, जिसके ऊपरी ऑर्डर में काफी फायरपावर है। मिचेल मार्श, एडेन मार्करम, पंत और पूरन का कॉम्बिनेशन धमाकेदार पोटेंशियल देता है। अनुभवी पेसर मोहम्मद शमी और एनरिक नोर्त्जे को शामिल करने से उनका बॉलिंग अटैक मजबूत हुआ है, जो पेस, एक्यूरेसी और डेथ ओवर में एक्सपर्ट हैं।

दूसरी ओर, दिल्ली टॉप और मिडिल ऑर्डर दोनों में डेप्थ के साथ ज्यादा बैलेंस्ड बैटिंग यूनिट देती है। नीतीश राणा, ट्रिस्टन स्टब्स और डेविड मिलर स्टेबिलिटी और फिनिशिंग स्ट्रेंथ देते हैं, जो टॉप पर केएल राहुल की कंसिस्टेंसी को पूरा करते हैं। अक्षर पटेल के ऑलराउंड योगदान से बैटिंग और बॉलिंग दोनों डिपार्टमेंट में उनकी फ्लेक्सिबिलिटी और बढ़ जाती है।

भारत रत्न श्री अटल बिहारी वाजपेयी एकाना क्रिकेट स्टेडियम की पिच धीमी होने की उम्मीद है, जिसमें कम से मीडियम बाउंस और स्पिनरों को मदद मिलेगी, खासकर बीच के ओवरों में।

लिटिल अंडमान प्रो 2026 से भारत के सर्फिंग सीजन की शुरुआत

एशियाई खेलों में डेब्यू पर नजर

एजेंसी

लिटिल अंडमान। भारत में सर्फिंग खेल की सर्वोच्च संस्था सर्फिंग फ़ेडरेशन ऑफ इंडिया ने आज लिटिल अंडमान प्रो 2026-नेशनल सर्फ एवं एसयूपी (स्टैंड-अप पैडल) चैंपियनशिप की घोषणा की। यह प्रतिष्ठित प्रतियोगिता 9 से 12 अप्रैल तक ऐसे समय में आयोजित हो रही है, जब भारत इस वर्ष जापान में होने वाले एशियाई खेल 2026 में पहली बार सर्फिंग में हिस्सा लेने जा रहा है। चार दिवसीय इस सर्फिंग महाकुंभ में देश के शीर्ष सर्फर और स्टैंड-अप पैडल खिलाड़ी अंडमान द्वीप समूह के खूबसूरत बटलर बे बीच पर खिताब के लिए मुकाबला करेंगे। यह पहली बार होगा जब इस अनछुए और प्राकृतिक रूप से समृद्ध तटीय क्षेत्र में प्रतिस्पर्धात्मक सर्फिंग आयोजित की जा रही है। इस प्रतियोगिता में देशभर के शीर्ष खिलाड़ी सीनियर वर्ग में सर्फिंग और एसयूपी दोनों श्रेणियों में भाग लेंगे। प्रतियोगिता के लिए पंजीकरण प्रक्रिया पहले ही शुरू हो चुकी है। टीटी ग्रुप सर्फिंग फ़ेडरेशन ऑफ इंडिया के आधिकारिक प्रायोजक के रूप में जुड़ गया है।

यह आयोजन भारतीय सर्फिंग के लिए एक ऐतिहासिक वर्ष में और भी महत्वपूर्ण हो जाता है। भारत ने 2024 एशियाई सर्फिंग चैंपियनशिप में पहली बार एशियाई खेलों के लिए कोटा हासिल किया था और 2025 में महाबलीपुरम में हुए संस्करण में शानदार प्रदर्शन करते हुए कुल चार कोटा स्थान (पुरुष और महिला वर्ग में दो-दो) अपने नाम किए, जो 2026 एशियाई खेल, आइची-नागोया (जापान) के लिए हैं। सर्फिंग फ़ेडरेशन ऑफ इंडिया के अध्यक्ष अरुण वासु ने कहा, ल्लयह भारतीय सर्फिंग के लिए एक मील का पत्थर है। एशियाई खेलों में हमारे डेब्यू से पहले लिटिल अंडमान जैसे विश्वस्तरीय स्थान पर राष्ट्रीय सीजन की शुरुआत हमारे इरादों को दर्शाती है कि हम इस खेल को भारत के तटीय क्षेत्रों तक गहराई से ले जाना चाहते हैं।

प्रिया ने शानदार जीत दर्ज की; जदुमणि करीबी मुकाबले में नंबर 1 सीड हारे

एजेंसी

उलानबटार। भारत की प्रिया ने उलानबटार में एशियन बॉक्सिंग चैंपियनशिप 2026 के दूसरे दिन 5:0 से शानदार जीत दर्ज की, जबकि जदुमणि सिंह टॉप सीड को आखिर तक कड़ी टक्कर देने के बाद हारे।

महिलाओं की 60किग्रा कैटेगरी में, प्रिया ने कजाकिस्तान की रिम्मा वोलोसेंको पर 5-0 से एकमत से जीत हासिल करने के लिए शानदार प्रदर्शन किया, और अगले स्टेज में पहुंचने के लिए पूरे मुकाबले में कंट्रोल और संयम दिखाया। अब उनका सामना चीन की चेंगयु यांग से होगा, जो इस कैटेगरी में नंबर 2 सीड हैं, और यह एक हाई-क्वालिटी मुकाबला होने की उम्मीद है।

पुरुषों की 55किग्रा कैटेगरी में, जदुमणि ने जापान के रुई यामागुची के खिलाफ करीबी मुकाबला लड़ा, जिसमें आखिर में वह स्प्लिट डिसीजन में 2-3 से हार गए। इस कैटेगरी में नंबर 1 सीड यामागुची, टूर्नामेंट में मज़बूत साख के साथ आए थे, जिसमें अस्ताना इवेंट में सिल्वर मेडल और बॉक्सिंग वर्ल्ड कप फ़ाइनल में ब्रॉन्ज़ मेडल शामिल हैं, जिससे वह इस फ़ील्ड में फ़ेवरेट में से एक बन गए।

एक बहुत काबिल विरोधी का सामना करने के बावजूद, जदुमणि ने उनका मुक़ाबला किया, और दिन के सबसे करीबी मुकाबलों में से एक को आखिर तक खींचा।

ज़बरदस्त परफ़ॉर्मेंस और कड़े मुकाबलों के मिक्स के साथ, भारतीय टीम टूर्नामेंट के शुरुआती स्टेज में अपना कैंपेन जारी रखे हुए है।

एशियन बॉक्सिंग चैंपियनशिप 2026 में पूरे कॉन्टिनेंट से टॉप बॉक्सिंग टैलेंट शामिल हैं, और हर बाउट मेडल राउंड तक का रास्ता तय करने में अहम भूमिका निभाता है।

वर्ल्ड जूनियर वुशु चैंपियनशिप में चीन ने 13 गोल्ड जीते

तियानजिन। 10वीं वर्ल्ड जूनियर वुशु चैंपियनशिप छह दिन के कॉम्पिटिशन के बाद यहां खत्म हुई, जिसमें चीन ने 13 गोल्ड और चार सिल्वर मेडल जीतकर मेडल स्टैंडिंग में दूसरा स्थान हासिल किया। हांगकांग,13 गोल्ड, सात सिल्वर और छह ब्रॉन्ज़ मेडल के साथ टेबल में टॉप पर रहा, जबकि इंडोनेशिया नौ गोल्ड, 11 सिल्वर और सात ब्रॉन्ज़ मेडल के साथ तीसरे स्थान पर रहा। इस साल के इवेंट में 78 देशों और क्षेत्रों के कुल 1,179 पार्टिसिपेंट्स ने हिस्सा लिया, जो इसे टूर्नामेंट के इतिहास में सबसे बड़ा बनाता है। 16 डेलीगेशन्स ने गोल्ड मेडल जीते, जबकि 29 पोडियम पर पहुंचे, जो इस खेल की बढ़ती ग्लोबल पहुंच और बढ़ते कॉम्पिटिटिवनेस को दिखाता है। इंटरनेशनल वुशु फ़ेडरेशन के सेक्रेटरी-जनरल झांग यूपिंग ने कहा, ''दुनिया भर के युवाओं के बीच वुशु की पॉपुलैरिटी और असर एक नए लेवल पर पहुंच गया है।

फखर जमान पर बॉल टैंपरिंग के लिए लगा दो मैच का बैन

एजेंसी

लाहौर। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने मंगलवार को कन्फ़र्म किया कि टूर्नामेंट के कोड ऑफ कंडक्ट के लेवल 3 के उल्लंघन का दोषी पाए जाने के बाद फखर जमान को पीएसएल 2026 के दो मैचों के लिए सस्पेंड कर दिया गया है।

यह आरोप आर्टिकल 2.14 के उल्लंघन से जुड़ा है, जो 29 मार्च को गद्दाफी स्टेडियम में कराची किंग्स के खिलाफ लाहौर कलंदर्स के मैच के दौरान गेंद की हालत बदलने से जुड़ा है। यह घटना मैच के आखिरी समय में हुई जब ऑन-फील्ड अंपायरों ने लाहौर कलंदर्स पर पांच रन की पेनल्टी लगाई और कराची किंग्स की पारी के आखिरी ओवर से पहले गेंद बदलने का आदेश दिया। फखर पर ऑन-फील्ड अंपायर शाहिद सैकत और फैसल खान आफरीदी के साथ-साथ टीवी अंपायर आसिफ याकूब और चौथे अंपायर तारिक रशीद ने आरोप लगाए। उन्होंने गलती से इनकार किया और आरोप का विरोध करने का विकल्प चुना, जिसके कारण पूरी डिसिप्लिनरी सुनवाई हुई। सुनवाई करने वाले मैच रेफरी रोशन महानामा ने सबूतों की समीक्षा करने और फखर की दलीलें सुनने के बाद फैसला सुनाया। लाहौर कलंदर के कप्तान शाहीन शाह अफरीदी, टीम डायरेक्टर समीन राणा और मैनेजर फारूक अनवर कार्रवाई के दौरान मौजूद थे। लेवल 3 के नियम तोड़ने पर कम से कम एक मैच का बैन से लेकर ज़्यादा से ज़्यादा दो मैच का बैन लग सकता है, जिसमें फखर को पेनल्टी की ऊपरी लिमिट दी जाती है। अब वह 3 अप्रैल को लाहौर में मुल्तान सुल्तांस के खिलाफ लाहौर कलंदर्स के आने वाले मैच और 9 अप्रैल को कराची में इस्लामाबाद यूनाइटेड के खिलाफ मैच नहीं खेल पाएंगे।

पीएसएल कोड ऑफ़ कंडक्ट के तहत, खिलाड़ियों को मैच रेफरी का लिखा हुआ फैसला मिलने के 48 घंटे के अंदर टूर्नामेंट की टेक्निकल कमेटी में ऐसे फैसलों के खिलाफ अपील करने का अधिकार है।

डीयू एलुमना ने महिला वर्ग का खिताब जीता

नई दिल्ली। सोनू शर्मा और मंजू की स्टिक से निकले तीन-तीन गोल और रक्षा पंक्ति के शानदार प्रदर्शन से दिल्ली यूनिवर्सिटी एलुमना टीम ने विवेकानंद कॉलेज को 6-0 से पराजित कर पांचवें पीएसपीबी बाबा दीप सिंह हॉकी टूर्नामेंट में महिला वर्ग का खिताब जीत लिया। मेजबान श्री गुरु तेग बहादुर खालसा कॉलेज के मैदान पर डीयू एलुमना टीम में खेल रहीं दिल्ली की पूर्व खिलाडियों ने अपने अनुभव, हॉकी कौशल और मेहनत से अर्जित फिटनेस के बल पर फाइनल मैच में विवेकानंद कॉलेज की युवा खिलाडियों को पूरी तरह से बांध कर रखा। विजेता टीम के लिए सोनू और मंजू ने तीन-तीन गोल किए। मंजू को एसएनएस प्लेयर ऑफ द मैच का अवार्ड मिला। टूर्नामेंट के अवार्डः सर्वश्रेष्ठ गोलकीपरः निधि (श्यामा प्रसाद मुखर्जी कॉलेज), सर्वश्रेष्ठ डिफेंडरः संगीता यादव (डीयू एलुमना),सर्वश्रेष्ठ मिडफील्डरः इंदप्रीत कौर, (डीयू एलुमना), सर्वश्रेष्ठ फॉरवर्डः सोनू शर्मा (डीयू एलुमना, सर्वाधिक गोल करने वाली खिलाड़ी), टूर्नामेंट की सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ीः एकता (विवेकानंद कॉलेज, एच एस स्पोर्ट्स द्वारा प्रायोजित)।

ईरान युद्ध लंबा चला तो महंगे हो सकते हैं, मोबाइल फोन, कंप्यूटर

एजेंसी

नई दिल्ली। पश्चिम एशिया संकट के कारण मेमोरी और चिपसेट की आपूर्ति श्रृंखला प्रभावित होने लगी है और युद्ध लंबा चलने की स्थिति में मोबाइल फोन, कंप्यूटर और हर उस डिवास के दाम बढ़ सकते हैं, जिनमें इनका इस्तेमाल होता है।

भारत में नोकिया इंडिया की प्रबंधक विभा मेहरा ने मंगलवार को एक रिपोर्ट जारी करने के बाद संवाददाताओं के प्रश्नों के उत्तर में बताया कि युद्ध के कारण दूसरी चीजों के साथ मेमोरी और चिपसेट की आपूर्ति भी प्रभावित हो रही है। अभी डिवाइसों की आपूर्ति को लेकर कोई समस्या नहीं है, क्योंकि पर्याप्त इनवेंटरी उपलब्ध है, लेकिन युद्ध जारी रहा तो मध्यम अवधि (छह महीने से दो साल) में असर दिखने लगेगा।

उन्होंने कहा कि फिलहाल मेमोरी और चिपसेट के दाम बढ़ने लगे हैं। कुछ लोगों ने इनका भंडारण शुरू कर दिया है और दाम बढ़ा दिये हैं। ऐसे में तुरंत नहीं तो आने वाले कुछ समय में इसका असर जरूर दिखेगा।

इंडिया मोबाइल ब्रॉडबैंड इंडेक्स 2026 जारी करते हुए श्रीमती मेहरा ने कहा कि भारत में डाटा उपभोग तेजी से बढ़ रहा है। पिछले पांच साल में 21.7 प्रतिशत की औसत दर से बढ़ता हुआ कुल डाटा ट्रैफिक साल 2025 में 27.6 एग्जाबाइट मासिक पर पहुंच गया। वहीं प्रति यूजर औसत मासिक डाटा खपत 18.2 प्रतिशत की औसत वृद्धि के साथ पिछले साल 31.1 जीबी पर रहा।

उन्होंने बताया कि इस वृद्धि में 5जी फिक्स्ड वायरलेस एक्सेस (एफडब्ल्यूए)का सबसे बड़ा योगदान रहा। कुल 5जी डाटा उपभोग में इसकी हिस्सेदारी 25 प्रतिशत से अधिक रही। मोबाइल डाटा यूजरों की तुलना में एफडब्ल्यूए यूजरों ने 10 गुना डाटा की खपत की। साल दर साल 5जी एफडब्ल्यूए यूजरों की संख्या में दुगुनी हो गयी है। श्रीमती मेहरा ने बताया कि एक बड़ा बदलाव अपलोड और डाउनलोड के अनुपात में बदलाव के रूप में देखा जा रहा है। अपलोड तेजी से बढ़ रहा है। इसके लिए दूरसंचार कंपनियों को अपने स्पेक्ट्रम आवंटन में बदलाव करना होगा। साथ ही उन्होंने डिवाइसों समेत उन तकनीकों पर भी काम करना होगा जिससे डाटा अपलोड ज्यादा सहज हो सके।

उन्होंने बताया कि फिलहाल औसतन 90 प्रतिशत स्पेक्ट्रम का इस्तेमाल डाउनलोड के लिए और 10 प्रतिशत का अपलोड के लिए किया जा रहा है। यह आवंटन यूजरों के पारंपरिक इस्तेमाल के पैटर्न के आधार पर किया गया है। हालांकि बदलते पैटर्न के अनुरूप उन्हें अपलोड स्पीड बढ़ानी होगी, लेकिन डाउनलोड से समझौता किये बिना।

रिपोर्ट में कहा गया है कि साल 2025 के अंत में देश में कुल 89.2 करोड़ सक्रिय 4जी डिवाइस हैं जिनमें से 38.3 करोड़ 5जी के लिए सक्षम हैं यानी नेटवर्क उपलब्ध रहने पर उन पर 5जी का की सुविधा मिल सकती है। देश में बेचे गये हर 10 में से नौ स्मार्टफोन 5जी वाले थे।

एफपीआई ने मार्च में की रिकॉर्ड 1.27 लाख करोड़ रुपये की बिकवाली

एजेंसी

मुंबई। पश्चिम एशिया संकट और रुपये में जारी तेज गिरावट के कारण विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) ने मार्च में भारतीय पूंजी बाजार में करीब 1.27 लाख करोड़ रुपये की शुद्ध बिकवाली की। शुद्ध बिकवाली उनके द्वारा लगायी गयी पूंजी और निकाली गयी पूंजी का अंतर है।

केंद्रीय डिपॉजिटरी सेवा कंपनी सीडीएसएल के आंकड़ों के अनुसार, एफपीआई ने मार्च में पूंजी बाजार से कुल 1,26,991 करोड़ रुपये की शुद्ध निकासी की जो अपने-आप में रिकॉर्ड है। कोरोना काल में मार्च 2020 के बाद यह पहला मौका है जब एफपीआई ने भारतीय पूंजी बाजार से एक लाख करोड़ रुपये से अधिक की शुद्ध निकासी की है। मार्च 2020 में जब पहली बार लॉकडाउन लगा था तब एफपीआई ने 1,18,203 करोड़ रुपये की शुद्ध बिकवाली की थी। इक्विटी से एफपीआई ने मार्च में 1,17,775 करोड़ रुपये निकाले जिसका असर शेयर बाजारों पर साफ दिखा।

महीने के दौरान सेंसेक्स और निफ्टी दोनों में 11 प्रतिशत से अधिक की गिरावट रही।यह पहला मौका है जब एक ही महीने में इक्विटी में एफपीआई निवेश में एक लाख करोड़ रुपये की गिरावट दर्ज की गयी है। डेट में उनकी शुद्ध बिकवाली 8,469 करोड़ रुपये और म्यूचुअल फंड में 2,616 करोड़ रुपये रही। हाइब्रिड उपकरणों में उन्होंने कुल 1,852 करोड़ रुपये का शुद्ध निवेश किया।

इससे पहले, फरवरी में एफपीआई ने पूंजी बाजार में शुद्ध रूप से 37,847 करोड़ रुपये लगाये थे जबकि जनवरी में वे बिकवाल रहे थे। पूरे वित्त वर्ष 2025-26 में एफपीआई शुद्ध रूप से बिकवाल रहे हैं।

उन्होंने इस दौरान भारतीय पूंजी बाजार से 1,52,741 करोड़ रुपये निकाले हैं। तीन वित्त वर्षों में यह पहला मौका है जब एफपीआई का शुद्ध निवेश नकारात्मक रहा है। वित्त वर्ष 2024-25 में उन्होंने 37,115 करोड़ रुपये और 2023-24 में 3,39,065 करोड़ रुपये का शुद्ध निवेश किया था।

एक महीने में 11 फीसदी लुढ़का सेंसेक्स छह साल में पहली बार सालाना गिरावट

एजेंसी

मुंबई। पश्चिम एशिया संकट के कारण मार्च में प्रमुख सूचकांकों में 11 प्रतिशत से अधिक की गिरावट दर्ज की गयी है और कोरोना काल के बाद छह साल में पहली बार वित्त वर्ष के दौरान इसने नकारात्मक रिटर्न दिया है। वित्त वर्ष 2025-26 के आखिरी कारोबारी दिवस पर सोमवार को बीएसई का सेंसेक्स 71,947.55 अंक पर बंद हुआ। पूरे वित्त वर्ष के दौरान इसमें 5,467.37 अंक यानी 7.06 प्रतिशत की गिरावट देखी गयी। वित्त वर्ष 2019-20 के बाद यह पहला मौका है जब सेंसेक्स ने नकारात्मक रिटर्न दिया है। कोरोना के कारण लॉकडाउन लगने से मार्च 2020 में शेयर बाजारों में भारी गिरावट रही थी और 2019-20 में सेंसेक्स 23.80 प्रतिशत टूटा था। खास बात यह रही कि पहले 11 महीने में फरवरी 2026 तक सेंसेक्स 3,872.27 अंक ऊपर था, लेकिन मार्च में यह 9,339.64 अंक यानी 11.49 प्रतिशत का गोता लगा गया। पश्चिम एशिया संकट के कारण एक तरफ निवेशक बाजार में जोखिम लेने से कतरा रहे हैं तो दूसरी तरफ रुपया कमजोर होता जा रहा है। रुपये के लगातार गिरने से विदेशी संस्थागत निवेशक भारतीय पूंजी बाजार से पैसा निकाल रहे हैं। अकेले इक्विटी में एक लाख करोड़ रुपये से अधिक की बिकवाली की है। इससे शेयर बाजार में बड़ी गिरावट देखी जा रही है। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी-50 सूचकांक मार्च में 2,847.25 अंक यानी 11.31 प्रतिशत लुढ़ककर 22,331.40 अंक पर बंद हुआ। पूरे वित्त वर्ष के दौरान इसमें 1,187.95 अंक (5.05 प्रतिशत) की गिरावट रही। बड़ी कंपनियों के विपरीत मझौली कंपनियों ने मार्च में बड़ी गिरावट के बावजूद पूरे वित्त वर्ष के दौरान सकारात्मक रिटर्न दिया। निफ्टी मिडकैप-50 सूचकांक 421.75 अंक (2.90 प्रतिशत) की बढ़त से साथ 14,983.35 अंक पर पहुंच गया। मार्च में सूचकांक 10.63 प्रतिशत टूटा है। छोटी कंपनियों के स्मॉलकैप-100 सूचकांक में सालाना 891.90 अंक यानी 5.54 प्रतिशत की गिरावट रही। मार्च में यह 10.19 फीसदी टूटा है। रुपया फिलहाल रिकॉर्ड निचले स्तर पर है। यह सोमवार को पहली बार 95 रुपये प्रति डॉलर के पार निकल गया।

भारतीय व्यापार प्रतिनिधिमंडल चीन दौरे पर, नए व्यापारिक अवसरों पर हुई चर्चा

एजेंसी

शंघाई। शंघाई में भारत के महावाणिज्य दूतावास ने पीएचडी चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (पीएचडीसीसीआई) के कॉर्पोरेट प्रतिनिधिमंडल के साथ एक उच्च-स्तरीय व्यापार गोलमेज सम्मेलन का आयोजन किया। इस बैठक का मुख्य उद्देश्य वैश्विक व्यापारिक साझेदारी को मजबूत करना और भारत-चीन के बीच सतत आर्थिक सहयोग को बढ़ावा देना है।

इस उच्च-स्तरीय व्यापार गोलमेज सम्मेलन का उद्घाटन भारत के महावाणिज्य दूत प्रतीक माथुर ने किया। इस अवसर पर उन्होंने यहां आए प्रतिनिधिमंडल का स्वागत किया और भारत की उल्लेखनीय आर्थिक विकास यात्रा पर प्रकाश डाला। माथुर ने बताया कि भारत दुनिया की सबसे तेज़ी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्था के रूप में उभरना जारी रखे हुए है और यहां की जनसांख्यिकी दुनिया में सबसे युवा है, जिससे अंतरराष्ट्रीय साझेदारियों और निवेश के लिए अपार अवसर पैदा हो रहे हैं।

अपने संबोधन के दौरान प्रतीक माथुर ने कई उभरते क्षेत्रों में भारत की बढ़ती संभावनाओं पर जोर दिया, जिनमें नई और नवीकरणीय ऊर्जा, इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी), कनेक्टिविटी और बुनियादी ढांचे का विकास, साथ ही सूचना और प्रौद्योगिकी उद्योग शामिल हैं। उन्होंने कहा कि ये क्षेत्र, टिकाऊ विकास की तलाश कर रही भारतीय और वैश्विक कंपनियों के बीच सहयोग के लिए महत्वपूर्ण क्षमता प्रदान करते हैं।

भारतीय चैंबर्स ऑफ कॉमर्स का एक प्रतिनिधिमंडल इस समय चीन के दौरे पर है, जहां वे अपने चीनी समकक्षों के साथ बातचीत करेंगे। पांच वर्षों तक संबंधों में रही ठहराव के बाद यह अपनी तरह का पहला ऐसा दौरा है। ये पहला भारतीय व्यापार प्रतिनिधिमंडल है जिसने चीन का दौरा किया है। यह दौरा दोनों देशों द्वारा पिछले साल अपने द्विपक्षीय संबंधों को सामान्य बनाने के बाद हुआ है, जो 2020 में पूर्वी लद्दाख में सैन्य गतिरोध के बाद पाँच साल से अधिक समय तक चले अंतराल के बाद संभव हो पाया है।

इस उच्च-स्तरीय व्यापार गोलमेज सम्मेलन में चीनी पक्ष की ओर से भी उच्च-स्तरीय भागीदारी देखने को मिली। इसमें मुख्य रुप से एचएसबीसी और वूशी प्रौद्योगिकी विकास निगम जैसी अग्रणी कंपनियां और वित्तीय संस्थान शामिल थे। उनकी भागीदारी ने उभरते उद्योगों और प्रौद्योगिकी क्षेत्रों में भारतीय कंपनियों के साथ सहयोग का विस्तार करने में उनकी गहरी रुचि को दर्शाया।

उल्लेखनीय है कि पंजाब, हरियाणा और दिल्ली पीएचडी चैंबर्स ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (पीएचडीसीसीआई) का एक प्रतिनिधिमंडल 29 मार्च से 4 अप्रैल तक शंघाई और चीन के जियांग्सू प्रांतके दौरे पर है। यह चीन के सबसे अधिक विकसित औद्योगीकृत क्षेत्रों में से एक है।

केरल चुनाव के लिए भाजपा का घोषणा पत्र जारी

साल में दो गैस सिलेंडर मुफ्त, बुजुर्गों को 3 हजार पेंशन का वादा

एजेंसी

तिरुवनंतपुरम। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने केरल विधानसभा चुनाव को लेकर अपना घोषणापत्र मंगलवार को जारी कर दिया। ह्लयही बदलाव है, यही विकसित केरल हैङ्क थीम पर आधारित इस घोषणापत्र में राज्य के समग्र विकास का रोडमैप पेश किया गया है, जिसमें बड़े इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट्स, सामाजिक कल्याण योजनाओं और प्रशासनिक सुधारों पर विशेष जोर दिया गया है। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने तिरुवनंतपुरम स्थित श्री मूलम क्लब में आयोजित कार्यक्रम के दौरान यह घोषणा पत्र जारी किया। इस मौके पर पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष राजीव चंद्रशेखर, टीवी-20 पार्टी के मुख्य समन्वयक साबू जैकब, बीडीजेएस के प्रदेश अध्यक्ष तुषार वेल्लापल्ली और तिरुवनंतपुरम के मेयर वीवी राजेश सहित अन्य प्रमुख नेता उपस्थित रहे।

भाजपा ने घोषणापत्र में केरल के बुनियादी ढांचे को नई ऊंचाइयों पर ले जाने का वादा किया है। इसमें सबसे अहम प्रस्ताव अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) की स्थापना का है, जो राज्य की लंबे समय से चली आ रही मांग रही है। परिवहन क्षेत्र में पार्टी ने तिरुवनंतपुरम से कन्नूर तक हाई-स्पीड रेल कॉरिडोर बनाने का वादा किया है, जिससे राज्य में यात्रा का समय काफी कम होने की उम्मीद है। इसके साथ ही शहरी भीड़भाड़ को कम करने के लिए तिरुवनंतपुरम और कोझिकोड में मेट्रो रेल परियोजनाएं शुरू करने की योजना भी पेश की गई है।

भाजपा ने घोषणापत्र में आम जनता, खासकर गरीब और मध्यम वर्ग को ध्यान में रखते हुए कई कल्याणकारी घोषणाएं की हैं। इनमें गरीब परिवारों को हर साल दो मुफ्त एलपीजी सिलेंडर, प्रत्येक घर को हर महीने 20,000 लीटर मुफ्त पेयजल, सामाजिक सुरक्षा पेंशन बढ़ाकर 3,000 रुपये प्रति माह करना प्रमुख हैं। इन योजनाओं के जरिए पार्टी ने सीधे तौर पर आम मतदाताओं को साधने की कोशिश की है। घोषणापत्र में भाजपा ने कुछ स्थानीय और संवेदनशील मुद्दों को भी प्रमुखता से उठाया है। पार्टी ने राज्य में 'देवस्वम बोर्ड' के पुनर्गठन का वादा किया है, जो मंदिर प्रबंधन से जुड़ा अहम मुद्दा है। इसके अलावा सबरीमाला से जुड़े कथित ह्लसोना चोरीङ्क मामलों की जांच केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) से कराने का वादा किया गया है। यह कदम राज्य के धार्मिक और सामाजिक समीकरणों को ध्यान में रखते हुए उठाया गया माना जा रहा है।

घोषणापत्र जारी करने के दौरान राजग के सहयोगी दलों की मौजूदगी ने यह स्पष्ट कर दिया कि भाजपा केरल की पारंपरिक दो-ध्रुवीय राजनीति एलडीएफ और यूडीएफ को चुनौती देने के लिए गंभीर प्रयास कर रही है। साबू जैकब और तुषार वेल्लापल्ली जैसे नेताओं की भागीदारी इस बात का संकेत है कि गठबंधन स्तर पर भी भाजपा अपनी पकड़ मजबूत करना चाहती है।

दरअसल, चुनाव प्रचार को धार देने के लिए भाजपा अध्यक्ष नितिन नवीन ने तिरुवनंतपुरम के अटिंगल में आज एक रोड शो किया, जिसमें बड़ी संख्या में लोगों की भागीदारी देखी गई। अगले दिन बुधवार को मट्टानूर और कुथुपरम्बा में भी उनके दो बड़े रोड शो आयोजित किए जाएंगे।

भाजपा नेताओं का कहना है कि यह घोषणापत्र केवल चुनावी वादों का दस्तावेज नहीं, बल्कि विकसित केरल के निर्माण की एक विस्तृत रूपरेखा है, जो राज्य के विकास को राष्ट्रीय स्तर की नीतियों से जोड़ने का प्रयास करती है। जैसे-जैसे चुनाव नजदीक आ रहे हैं भाजपा इंफ्रास्ट्रक्चर परियोजनाओं, कल्याणकारी योजनाओं और आक्रामक प्रचार अभियान के जरिए खुद को एक मजबूत तीसरे विकल्प के रूप में स्थापित करने की कोशिश कर रही है।

घोषणा पत्र की खास बातें-केरल में गरीब परिवारों को हर साल दो मुफ्त एलपीजी सिलिंडर दिए जाएंगे। एक ओणम के दौरान और दूसरा सिलिंडर क्रिसमस के दौरान।

मुल्लापेरियार बांध के मुद्दे पर घोषणापत्र में तमिलनाडु के लिए पानी और केरल की सुरक्षा का वादा।

जरूरतमंद महिलाओं के लिए 'भक्ष्य आरोग्य सुरक्षा कार्ड' का वादा, जिसमें दवाइयों और राशन के लिए हर महीने 2,500 रुपये का रिचार्ज मिलेगा।

तिरुवनंतपुरम को कन्नूर से जोड़ने वाले एक हाई-स्पीड रेलवे नेटवर्क का भी वादा। सबरीमाला और गुरुवायुर जैसे पूजा स्थलों की सुरक्षा के लिए देवस्वम बोर्डों का पुनर्गठन किया जाएगा। केरल के हर घर को हर महीने 20 हजार लीटर मुफ्त पानी।जरूरतमंद महिलाओं, विधवाओं और 70 साल से ज्यादा उम्र के बुजुर्गों को हर महीने 3000 रुपये की कल्याण पेंशन।

नालंदा विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह में राष्ट्रपति के हाथों 31 देशों के विद्यार्थी स्वर्ण पदक से सम्मानित

एजेंसी

नालंदा। नालंदा विश्वविद्यालय के द्वितीय दीक्षांत समारोह में मंगलवार को मुख्य अतिथि के रूप में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु शामिल हुईं। विश्वविद्यालय परिसर पहुंचने पर कुलपति द्वारा राष्ट्रपति का पुष्पगुच्छ देकर स्वागत किया गया। यह ऐतिहासिक समारोह विश्वविद्यालय के नए स्थायी परिसर में आयोजित हुआ, जहां देश-विदेश के विद्यार्थियों की उल्लेखनीय उपलब्धियों का सम्मान किया गया।

दीक्षांत समारोह में 31 देशों के 600 से अधिक विद्यार्थियों को डिग्री और गोल्ड मेडल प्रदान किए गए। कुल 36 मेधावी छात्रों को स्वर्ण पदक देकर सम्मानित किया गया। इस वर्ष दीक्षांत समारोह के लिए 31 देशों के कुल 617 विद्यार्थियों को आमंत्रित किया गया था, जो विश्वविद्यालय की वैश्विक पहचान और शैक्षणिक उत्कृष्टता को दर्शाता है। इस विशेष अवसर पर विद्यार्थियों की उपलब्धियां केंद्र में रहीं, जिन्होंने ज्ञान, नवाचार और वैश्विक दृष्टिकोण का उत्कृष्ट

उदाहरण प्रस्तुत किया। कार्यक्रम के दौरान एमबीए (सस्टेनेबल डेवलपमेंट एंड मैनेजमेंट, 2022524) के छात्र सौरभ कुमार सिन्हा ने अपने अनुभव साझा करते हुए बताया कि वह वर्तमान में ओएनजीसी में जियोसाइंटिस्ट के रूप में कार्यरत हैं और भारत के पहले जियोथर्मल वेल ड्रिलिंग प्रोजेक्ट पर काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि नालंदा में मिली शिक्षा ने उनके करियर को नई दिशा दी है। वहीं, स्कूल ऑफ इकोलॉजी एंड एनवायरनमेंट स्टडीज (2020522) की पूर्व छात्रा स्निग्धा, जो वर्तमान में जापान में एनवायर्नमेंटल टॉक्सिकोलॉजी में पीएचडी कर रही हैं, ने कहा कि राष्ट्रपति द्वारा सम्मानित होना उनके लिए गर्व और प्रेरणा का क्षण है। नालंदा लौटकर इस उपलब्धि का हिस्सा बनना उनके लिए भावनात्मक अनुभव रहा।

कश्मीर से आने वाली स्कूल ऑफ मैनेजमेंट स्टडीज (2020522) की पूर्व छात्रा सुश्री सीरत, जो फिलहाल ओएनजीसी इंडिया के साथ कार्यरत हैं, ने भी नालंदा विश्वविद्यालय से जुड़ाव को अपने जीवन का गर्व बताया और दीक्षांत समारोह में शामिल होना एक महत्वपूर्ण उपलब्धि बताया।

दीक्षांत समारोह के अवसर पर नव-निर्मित 'विश्वमित्रालय' सभागार का उद्घाटन भी किया गया, जो भविष्य में विश्वविद्यालय के शैक्षणिक और सांस्कृतिक आयोजनों का प्रमुख केंद्र बनेगा। इसके साथ ही बिहार संग्रहालय के सहयोग से बौद्ध विरासत पर आधारित एक विशेष प्रदर्शनी भी आयोजित की गई, जिसने नालंदा की समृद्ध ऐतिहासिक और वैश्विक धरोहर को जीवंत रूप में प्रस्तुत किया।

साकार करें विकसित भारत@2047 की परिकल्पना: नरेन्द्र सिंह तोमर

❐ भोपाल में हुआ मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और राजस्थान के युवा विधायकों का सम्मेलन

एजेंसी

भोपाल। मध्य प्रदेश विधान सभा के अध्यक्ष नरेन्द्र सिंह तोमर ने कहा कि विकसित भारतअ2047 की परिकल्पना को साकार करने के लिए युवा विधायकों को समसामयिक परिस्थितियों में देश के प्रति समर्पण भाव से कार्य करना होगा। नेतृत्व विकास के लिए सकारात्मक सोच और अनुशासन से कार्य करना होगा।

विधान सभा अध्यक्ष तोमर मंगलवार को भोपाल स्थित मप्र विधानसभा में आयोजित मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और राजस्थान के दो दिवसीय युवा विधायक सम्मेलन (राष्ट्रकुल संसदीय संघ भारत क्षेत्र जोन-6) के समापन सत्र को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने युवा विधायकों को संकल्प दिलाते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का विकसित भारतअ2047 का विजन केवल सरकार का नहीं, बल्कि 140 करोड़ भारतीयों का संकल्प है। इस संकल्प को

पूरा करने के लिए नागरिकों की सक्रिय भागीदारी अनिवार्य है।

उन्होंने कहा कि युवा विधायक चुनौतियों का समाधान कर अपनी नेतृत्व क्षमता का नवाचार में उपयोग करें। युवा नेतृत्व समाज की सोच में परिवर्तन ला सकता है। सुशासन के क्षेत्र में प्रयास हों और विकास को जनआंदोलन बनाया जाये। लोकतंत्र की मजबूती के लिए नागरिकों का जागरूक होना अनिवार्य है। तोमर ने बताया कि युवा विधायकों ने टेक्नोलॉजी, स्वच्छता, सोलर एनर्जी, शिक्षा गुणवत्ता, अधोसंरचना, जनसंवाद और जनकल्याण पर विचार व्यक्त किए हैं। उन्होंने युवा विधायकों को सीख दी कि अध्ययन का विशेष महत्व होता है और विद्यार्थी भाव सदैव बना रहना चाहिए। विधानसभा अध्यक्ष तोमर ने कहा कि दो दिनों तक चले इस सम्मेलन में अलग-अलग विचारधाराओं के विधायकों ने अपनी सीमाओं से ऊपर उठकर विषय के अंतर्गत अपने विचार व्यक्त किए। उन्होंने विशेष रूप से बताया कि पहले से यह तय किया गया था कि पहली घंटी आठ मिनट पर और दूसरी घंटी 10 मिनट पर बजेगी, और दूसरी घंटी बजते ही हर व्यक्ति को अपना वक्तव्य समाप्त करना होगा। उन्होंने संतोष जताया कि सभी सदस्यों ने इस अनुशासन का पालन किया और इसके लिए उन्होंने सभी विधायकों को धन्यवाद दिया।

उन्होंने कहा कि जब जनप्रतिनिधियों को अपने विचार रखने का अवसर मिलता है, तो वे स्वाभाविक रूप से समस्याओं की ओर ध्यान आकर्षित करते हैं। यह उनका स्वभाव भी है। लेकिन इसके साथ ही सिर्फ समस्याएं उठाना ही नहीं, बल्कि ह्लराष्ट्र प्रथमङ्क के संकल्प के साथ काम करना भी आवश्यक है और यह विचार विशेष रूप से युवा विधायकों से सामने आया। सम्मेलन में टेक्नोलॉजी के उपयोग, स्वच्छता कार्यक्रमों को आगे बढ़ाने, सोलर एनर्जी को बढ़ावा देने, शिक्षा के विस्तार के साथ उसकी गुणवत्ता सुधारने, तथा आधारभूत संरचना के विकास जैसे मुद्दों पर चर्चा हुई।

उन्होंने कहा कि सभी की इच्छा होती है कि विकास हो, लेकिन सदस्यों ने विशेष रूप से इस बात पर जोर दिया कि अधूरी संरचनाओं को पहले गुणवत्तापूर्ण तरीके से पूरा किया जाए, जिससे जनसुविधाएं बेहतर हों और जनकल्याण बढ़े। साथ ही, जनता की सीधी भागीदारी से लोकतंत्र को और मजबूत बनाने पर भी बल दिया गया। सभी सदस्यों ने अपने-अपने अनुभव साझा करते हुए इस बात पर भी चिंता व्यक्त की कि अनुसंधान (रिसर्च) पर अधिक ध्यान दिया जाना चाहिए चाहे वह सरकार के माध्यम से हो, विधानसभा के स्तर पर हो या फिर क्षेत्रीय विकास के लिए जनप्रतिनिधियों के माध्यम से।

एजुकेशन को लेकर अक्षय कुमार का बड़ा खुलासा

एजेंसी

अपनी फिटनेस और फिल्मों के लिए मशहूर अभिनेता अक्षय कुमार ने हाल ही में अपनी जिंदगी की एक ऐसी कमजोरी शेयर की है, जिसने हर किसी को चौंका दिया है। करोड़ों की संपत्ति और ग्लोबल स्टारडम हासिल करने के बावजूद अक्षय ने माना कि वह आज भी कई मौकों पर असुरक्षित महसूस करते हैं। खासतौर पर जब वे अत्यधिक पढ़े-लिखे लोगों के बीच बैठते हैं, तो उन्हें खुद को 'छोटा' और 'असहज' महसूस होता है।

रियलिटी शो 'व्हील ऑफ फॉर्च्यून' के एक एपिसोड में बातचीत के दौरान अक्षय ने प्रतियोगी सोनाली की उच्च शिक्षा की सराहना करते हुए कहा, ''मैं ज्यादा पढ़ा-लिखा नहीं हूं, इसलिए कई बार आप जैसे लोगों के सामने खुद को छोटा महसूस करता हूं। अब लगता है कि काश मैं पढ़ा होता, लेकिन अब चाहकर भी पढ़ाई नहीं

कर पाता।'' उनकी यह स्वीकारोक्ति उनके व्यक्तित्व का एक अलग और संवेदनशील पक्ष सामने लाती है।

अक्षय ने आगे कहा कि उन्हें पढ़ना पसंद नहीं है, लेकिन उन्होंने युवाओं को पढ़ाई को प्राथमिकता देने की सलाह दी। उन्होंने मजाकिया अंदाज में कहा, ''मुझ जैसे को फॉलो मत करो, सोनाली जैसे लोगों को फॉलो करो।'' इस दौरान उन्होंने यह भी बताया कि उनकी पत्नी ट्विंकल खन्ना एक सफल लेखिका हैं और अब तक चार किताबें लिख चुकी हैं, जबकि वह खुद एक भी किताब पूरी नहीं पढ़ पाए हैं।

अभिनेता ने हंसते हुए कहा कि जब भी वह किताब खोलते हैं, उनकी आंखों से आंसू आने लगते हैं। हालांकि, उनके इस बयान के पीछे एक गहरी सीख छिपी है, सफलता के बावजूद शिक्षा का महत्व कम नहीं होता। अक्षय की यह सादगी और ईमानदारी भरी बात फैंस के बीच खूब सराही जा रही है।।

अक्षय की आने वाली फिल्में- काम के मोर्चे पर बात करें तो अक्षय के खाते में फिलहाल कई फिल्में हैं। उनकी फिल्म 'वेलकम टू द जंगल' खूब चर्चा में हैं, जिसमें 30 से ज्यादा बड़े कलाकारों की फौज है। इसमें अक्षय के साथ रवीना टंडन, संजय दत्त, अरशद वारसी और दिशा पाटनी जैसे सितारे नजर आएंगे। ये एक बड़े बजट की एडवेंचर-कॉमेडी फिल्म होने वाली है। इसके अलावा अक्षय को प्रियदर्शन की भूत बंगला और हैवान में भी देखा जाएगा।

छह नामों से जानी जाती थी मीना कुमारी

एजेंसी

मुंबई। अपने संजीदा अभिनय से दर्शकों के दिलों को छू लेने वाली महान अदाकारा मीना कुमारी रील लाइफ में.. ट्रेजडी क्वीन.. के नाम से मशहूर हुयी लेकिन रियल लाइफ में वह छह नामों से जानीं जाती थीं।

मुंबई मे 01 अगस्त 1932 को एक मध्यम वर्गीय मुस्लिम परिवार मे मीना कुमारी का जब जन्म हुआ तो

पिता अलीबख्श और मां इकबाल बानो ने उनका नाम रखा .माहजबीं.. । बचपन के दिनो में मीना कुमारी की आंखे बहुत छोटी थी इसलिये परिवार वाले उन्हें चीनी कहकर पुकारा करते थे। ऐसा इसलिये कि चीनी लोगो की आंखे छोटी हुआ करती है।

लगभग चार वर्ष की उम्र में ही मीना कुमारी ने फिल्मों में अभिनय करना शुरू कर दिया। प्रकाश पिक्चर के बैनर तले बनी फिल्म लेदरफ़ेस में उनका नाम रखा गया बेबी मीना । इसके बाद मीना ने बच्चो का खेल में बतौर अभिनेत्री काम किया 1इस फिल्म में उन्हें मीना कुमारी का नाम दिया गया। मीना कुमारी को फिल्मों अभिनय करने के अलावा शेरो-शायरी का भी बेहद शौक था1इसके लिये वह नाज उपनाम का इस्तेमाल करती थी। मीना कुमारी के पति कमाल अमरोही प्यार से उन्हें मंजू कहकर बुलाया करते थे1अपने संजीदा अभिनय से दर्शको के दिलों में खास पहचान बनाने वाली मीना कुमारी ने 31 मार्च 1972 को दुनिया को अलविदा कह दिया।

रिलीज विवाद पर 'पेड्डी' के मेकर्स ने तोड़ी चुप्पी

एजेंसी

सुपरस्टार राम चरण की बहुप्रतीक्षित फिल्म 'पेड्डी' की रिलीज तारीख को लेकर सोशल मीडिया पर मचे भ्रम के बीच निर्माता एसकेएन ने सार्वजनिक रूप से माफी मांगी है। एक इवेंट के दौरान फिल्म की नई रिलीज डेट को लेकर हुई गलत घोषणा ने फैंस और फिल्म टीम के बीच असमंजस की स्थिति पैदा कर दी थी। अब निर्माता ने सामने आकर पूरी स्थिति स्पष्ट करते हुए इस चूक की जिम्मेदारी ली है।

निर्माता एसकेएन ने बताया कि भारी भीड़ और शोर-शराबे के कारण उनसे यह गलती हुई। दरअसल, लेखक साई राजेश ने उन्हें सोशल मीडिया पर चल रही चर्चाओं के बारे में बताया था, लेकिन भ्रम की

स्थिति में एसकेएन ने 26 जून को फिल्म की आधिकारिक रिलीज डेट समझ लिया और मंच से इसकी घोषणा कर दी। बाद में उन्हें एहसास हुआ कि यह केवल अटकलें थीं, न कि कोई आधिकारिक जानकारी।

निर्माता ने साफ किया कि 'पेड्डी' जैसी बड़ी फिल्म की रिलीज डेट से जुड़ी किसी भी जानकारी की पुष्टि केवल प्रोडक्शन हाउस द्वारा ही की जाएगी। उन्होंने फैंस और फिल्म की टीम से इस गलती के लिए माफी मांगते हुए कहा कि भविष्य में इस तरह की चूक नहीं दोहराई जाएगी। वहीं, साई राजेश ने भी सफाई देते हुए कहा कि उन्होंने सिर्फ एक ट्वीट का जिक्र किया था, जिसे गलतफहमी में पक्की खबर समझ लिया गया।

फिलहाल 'पेड्डी' की आधिकारिक रिलीज डेट 30 अप्रैल 2026 ही बनी हुई है, हालांकि कुछ रिपोर्ट्स में इसके टलने की अटकलें भी सामने आई हैं। निर्माताओं की ओर से अब तक किसी बदलाव की पुष्टि नहीं की गई है, जिससे साफ है कि फिल्म की रिलीज को लेकर अंतिम फैसला जल्द ही आधिकारिक रूप से सामने आएगा।

'वेलकम टू द जंगल' की शूटिंग प्लान में बड़ा बदलाव

एजेंसी

पश्चिम एशिया में जारी तनाव का असर अब भारतीय सिनेमा पर भी साफ नजर आने लगा है। एक ओर जहां हाल ही में शाहरुख खान की फिल्म 'किंग' का दुबई शेड्यूल रद्द किया गया, वहीं अब अक्षय कुमार की आगामी फिल्म 'वेलकम टू द जंगल' की शूटिंग योजना में भी बड़ा बदलाव किया गया है। सुरक्षा कारणों के चलते मेकर्स ने दुबई की जगह मुंबई में शूटिंग करने का फैसला लिया है।

रिपोर्ट्स के मुताबिक, फिल्म के एक भव्य गाने की शूटिंग दुबई में की जानी थी, लेकिन मौजूदा हालात को देखते हुए इसे मुंबई में शिफ्ट कर दिया गया है। इस गाने में फिल्म की पूरी स्टारकास्ट अक्षय कुमार, सुनील शेट्टी, अरशद वारसी, रवीना टंडन, परेश रावल, लारा दत्ता, दिशा पाटनी और जैकलीन फर्नांडीज शामिल होने वाली है। ऐसे में सभी कलाकारों की तारीखें दोबारा

मिलना मुश्किल होने के कारण शूटिंग टालना संभव नहीं था।

निर्माताओं ने इसके विकल्प के तौर पर मुंबई में ही भव्य सेट तैयार करने का निर्णय लिया है। जानकारी के अनुसार, माढ द्वीप, गोल्डन टोबैको स्टूडियो और गोरेगांव स्थित फिल्म सिटी में बड़े पैमाने पर सेट बनाए जाएंगे, ताकि दुबई जैसा माहौल तैयार किया जा सके। फिल्म के निर्देशक अहमद खान ने भी पुष्टि की है कि अब गाने की शूटिंग मुंबई में ही की जाएगी।

बताया जा रहा है कि इस गाने की शूटिंग 15 अप्रैल से शुरू होगी और इसमें पूरी स्टारकास्ट नजर आएगी। 'वेलकम टू द जंगल' एक मल्टीस्टारर फिल्म है, जिसे लेकर दर्शकों में काफी उत्साह है। माना जा रहा है कि फिल्म इसी साल सिनेमाघरों में रिलीज हो सकती है।